सफर 13 वर्षों का

गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली

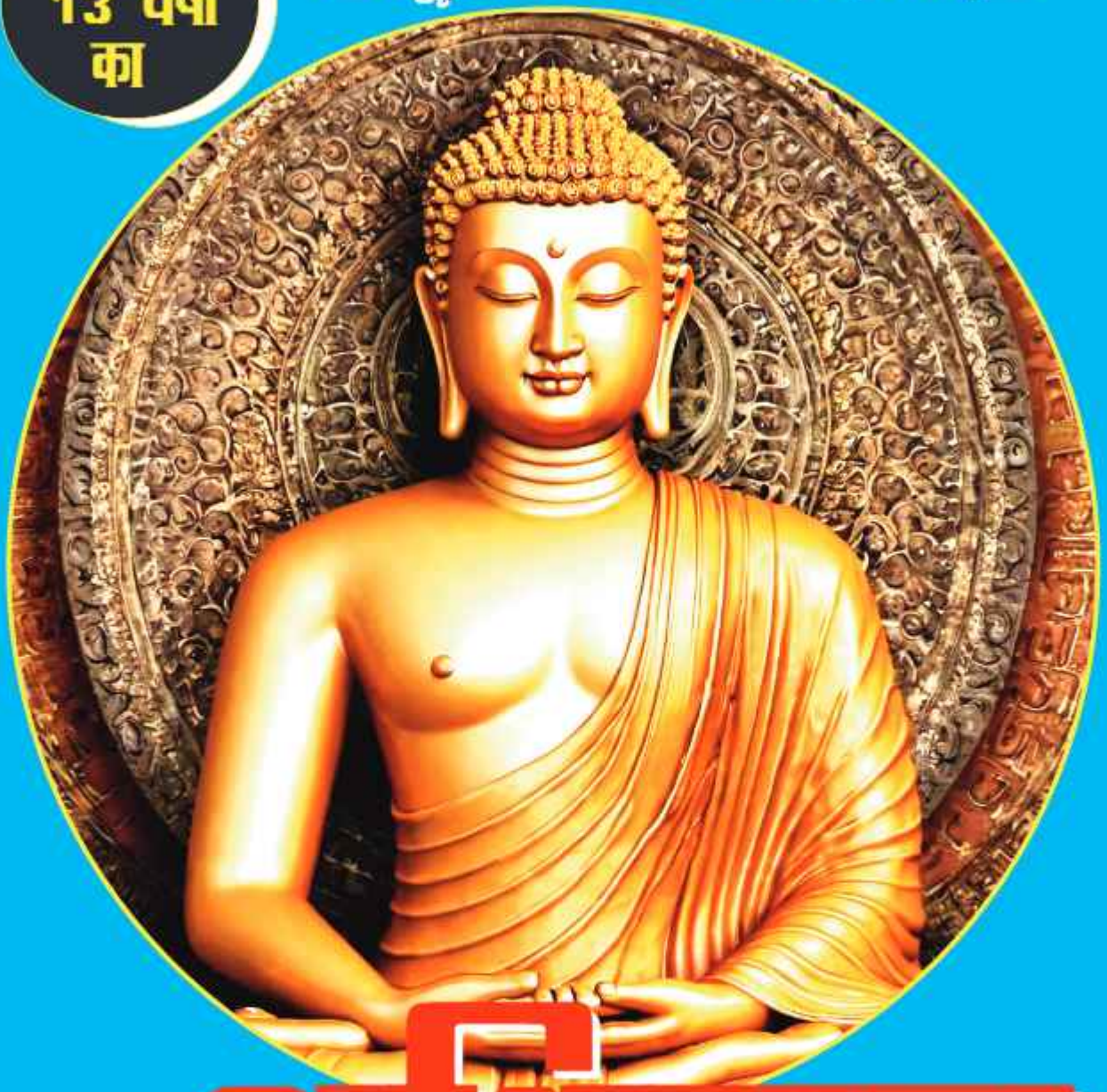

अभियान

स्मारिका

एक पहल

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

अभियान गीत

अभियान-40 (आईएएस) है संस्थान हमारा ।
इससे जुड़कर ही होना है कल्याण हमारा ॥

भगवान बुद्ध के दर्शन से यह प्रेरित है,
विद्वान गुणी जन के रत्नों से भूषित है ।

व्यवसाय नहीं है यह सेवा का आश्रम है ।
यहां शिक्षा, त्याग, तपस्या और परिश्रम है ॥

कठिनाइयों से नहीं बाधित होता ज्ञान हमारा ।
इससे जुड़कर ही होना है कल्याण हमारा ॥

गीतकार– प्रो. (डॉ.) डी. एन. शर्मा

Website- gbrdf.org.com

!! शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण एवं
समाज सेवा को समर्पित !!

गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली

अभियान-40 (आईएएस)

स्थापना के 13 वर्ष

● बिलास कुमार
संस्थापक सह–राष्ट्रीय अध्यक्ष

स्मारिका

OUR CENTRES-

- **Head Office (New Delhi) :** 8/1, Wazirabad Sangam Vihar Road, New Delhi- 110084
  Branch -C-342, Ground Floor, Nehru Vihar, Near Vardhman Mall, New Delhi- 110084, Mobile No. - 9871264155
- **Patna Branch- :** DC-1, 2nd floor, Nand Bhavan, Housing Colony, Near Tempoo Stand, Opp. Amrit Park, Patna-800020, Mobile No - 9473020616, 6287800914
- **Lucknow Centre :** C/121, Sector-B Opp. Water Tank, Aliganj, Lucknow- 226124, (UP), Mobile No. - 7970631622
- **Jaipur Centre :** Flat No-06, Joshi Ka Bagh, Gandhi Nagar, Jaipur- 302015 (Rajsthan) Mobile No. - 7023628408

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

एक दशक से अधिक की अनवरत सेवा के उपरान्त राष्ट्र को समर्पित अभियान स्मारिका

समृद्ध, सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत–हमारा अभियान 'गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन' की सभी परियोजनाएँ शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं मानवाधिकार, गौतम बुद्ध एवं महात्मा गाँधी को समर्पित है। इसी समर्पण की भावना से साकार होगा, **"स्वस्थ ग्राम, समृद्ध ग्राम एवं भयमुक्त ग्राम"** की गौतम बुद्ध एवं महात्मा गाँधी की परिकल्पना का भारत। उम्मीद ही नहीं बल्कि पूरा विश्वास है कि उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए हम अपनी परियोजनाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में कामयाब होंगे।

!! हम हैं गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन के सदस्यगण!!

संपादक मंडल

प्रबंध संपादक

● बिलास कुमार
संस्थापक सह–राष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रधान संपादक

● प्रो. (डॉ.) आर. एन. दिवाकर
सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष
दर्शनशास्त्र विभाग, पटना विश्वविद्यालय

सह संपादक

● प्रो. (डॉ.) राधेश्याम प्रसाद
पूर्व विभागाध्यक्ष
भूगोल विभाग, आर. के. डी. कॉलेज, पटना

● डॉ. रामाकांत शर्मा
एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग

● डॉ. मनोज प्रभाकर
अर्थशास्त्र विभाग, पटना वि. वि.

● ए. कुमार

● विजय पाण्डेय

● प्रमोद कुमार

● कौशल कुमार सिंह

AMRIK SINGH
अमरीक सिंह
Private Secretary to the
Former President of India
भारत के पूर्व राष्ट्रपति
के निजी सचिव

12, Janpath
12, जनपथ
New Delhi - 110011
नई दिल्ली - 110011
Tel./फोन : 011-21412041, 21412042

29 सितम्बर, 2025

प्रिय श्री बिलास कुमार,

कृपया अपने पत्र दिनांक 11 सितम्बर, 2025 का अवलोकन करें, जिसमें आपने भारत के माननीय पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द जी को गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन, नई दिल्ली की 14 वर्षों की सफल यात्रा (2012-2025) के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में अम्बेडकर भवन, जनपथ रोड, नई दिल्ली में 14 दिसंबर, 2025 को प्रातः 11 बजे मुख्य अतिथि सह उद्घाटनकर्ता के रूप में आमंत्रित किया है।

मुझे आपको यह बताने का आदेश हुआ है कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों में व्यस्तता के कारण माननीय पूर्व राष्ट्रपति जी उपरोक्त कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं हो पाएंगे। वह कार्यक्रम की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करतें है।

सादर,

भवदीय,

(अमरीक सिंह)

श्री बिलास कुमार
संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष
गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन
8/1, वज़ीराबाद,
संगम विहार रोड के पास,
नई दिल्ली–110084
ईमेल: – gbrdfbilas@gmail.com

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

नन्द किशोर यादव
अध्यक्ष
बिहार विधान सभा

Nand Kishore Yadav
Speaker
Bihar Legislative Assembly

दिनांक: 17/12/25

शुभकामना संदेश

यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन का 13वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जा रहा है । सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक क्षेत्रों में इस संस्था का बड़ा योगदान है। गौतम बुद्धा फाउंडेशन ने वंचित वर्ग के लोगों के उत्थान और कल्याण की दिशा में सराहनीय कार्य किया है । अपने स्थापना काल से ही फाउंडेशन ने स्वास्थ्य, शिक्षा, मानवाधिकार और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर अपनी विशिष्ट पहचान बनायी है । ग्रामीण प्रतिभाओं को तराश कर उन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन के लिए तैयार करने में इस संस्था ने जो पहल की है, वह अभिनंदनीय है । अभियान-40 (आई.ए.एस.) के नाम से इस संस्था द्वारा गरीब और प्रतिभाशाली छात्रों के लिए नि:शुल्क कोचिंग की व्यवस्था की गयी है, जिससे बड़ी संख्या में अभ्यर्थी लाभान्वित हो रहे हैं । स्वरोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में भी इस संस्था का योगदान सराहनीय है।

मेरे लिए यह अतिरिक्त हर्ष का विषय है कि फाउंडेशन के 12वें स्थापना दिवस पर एक स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है । आशा है कि स्मारिका में संकलित आलेख एवं अन्य रचनाओं से युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने एवं समाजसेवा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। स्मारिका के संपादक एवं संपादकीय टीम को हार्दिक शुभकामनाएं अभिनंदन ।

(नन्द किशोर यादव)

Address : 2, Neta Ji Marg (Strand Road), Patna-800 001
Phone No. : 0612-2217856, 2217082 (O), 0612-2215715 (R), Fax No. : 0612-2217373
E-mail : yadav_nandkishore@yahoo.co.in

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

Message

It is a matter of great pleasure that Gautam Buddha Rural Development Institute is celebrating its 13 anniversary this year. From its inception this institute is contributing greatly to the development of state and the country through its efforts in education, health, environment, human rights and social welfare activities. I am happy to note that this institute is creating awareness in many states other than Bihar on issues of environment, empowerment and human welfare and benefitting a very large sections of population.

Under the Mission-40 IAS of the institute, the bright students coming from economically weaker sections of the society are guided, supported and enabled to qualify the competitive examinations conducted by UPSC and various state public service commissions for the jobs in government sector.

Through a concerted effort of the institute, a number of candidates have been successful in various competitive examinations. This has enabled the institute to continue to work relentlessly with more vigour, professionalism and quality for enabling students towards success.

I am happy to learn that the Institute is organizing a special function in December 2022 on this occasion. I congratulate all the functionaries and well-wishers of the institute to have created this Initiative. I wish the Institute and all of you a great growth and successes in future.

DP Agrawal

Prof D P Agrawal

Former, Chairman

Union Public service commission, New Delhi

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

जितेन्द्र सिंह गंगवार भा0पु0से0
महानिदेशक,
निगरानी अन्वेषण ब्यूरो,
बिहार, पटना।

सत्यमेव जयते

Jitendra Singh Gangwar I.P.S
Director General of Police
Vigilance Investigation Bureau,
Bihar, Patna.
Phone : 0612-2217238, 2215638

शुभकामना संदेश

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन के 12वें स्थापना दिवस समारोह की हार्दिक शुभकामनाएँ।

यह जानकर बहुत खुशी हुई कि गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन अपना 13 स्थापना दिवस मना रहा है। यह संस्था पिछले 13 वर्षों से ग्रामीण विकास के विभिन्न क्षेत्रों यथा शिक्षा इत्यादि में जो सराहनीय कार्य कर रही है, जो प्रशंसनीय है।

फाउंडेशन की ओर से संचालित **अभियान–40 (आई0ए0एस0)** का कार्य भी बेहद सराहनीय है, जहाँ गरीब एवं प्रतिभाशाली बच्चों को निःशुल्क सिविल सर्विसेज की तैयारी कराई जाती है। इसी प्रकार, फाउंडेशन के द्वारा ग्रामीण महिलाओं के बीच स्वास्थ्य शिविर लगाकर उनका निःशुल्क इलाज करना और उन्हें स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करने के साथ–साथ जगह जगह वृक्षारोपण करवाकर और लोगों को जागरूक करके पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना भी एक महत्वपूर्ण कार्य है। पर्यावरण के क्षेत्र में भी फाउंडेशन के कार्य सराहनीय रहे हैं।

फाउंडेशन के संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष बिलास कुमार और उनकी पूरी लगनशील टीम को बहुत–बहुत बधाई। हम आशा व्यक्त करते हैं कि आगे भी गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन इसी तरह समाज के विकास में अपना अभूतपूर्व योगदान प्रदान करता रहेगा।

11.02.2025
(जितेन्द्र सिंह गंगवार)

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

ALL INDIA JUDGES ASSOCIATION

President : J. Rajendra Prasad (BIH-P) M - 9431024779 Work. Pres. : V. N. Shah (GUJ) (Nom.) M - 9998717985

Gen. Sec.: Dr. A. Nathan (MAH) (ADM) M - 9757282543, Mr. V. P. Singh (UP-P) (PUB) M - 9412870808 / 7800782502, Mr. Uttam sr.(W.B.)(LIA) M - 9674355533, Mr. Ramamurthy (TN-P) (LIT) M - 9444052631

Treasurer: Mr. R. D. Singh (UP) - 9415442333

Zonal Vice President :
Mr. Pawan Garg (RAJ)
Mr. Zakir Hussain (TN)
Mr. G. P. Agrawal (MP)
Mr. D. M. Jamatiya (TRIP)
Miss. Nutan Sardessai (GOA)

Zonal Secretary :
Mr. S. K. Garg (HARY)
Mr. Krsihna Murthy (KARN)
Mr. R. A. Tapadar (ASS)
Mr. Shivajirao Kachare (MAH)
Mr. D. Jingala (DEL)

Auditors
Mr. Ashok Menon (KER)
Mr. A. K. Sahay (BIH)

Executive Committee
Mr. D. K. Pradhan (BIH)
Mrs. Saroj Yadav (UP)
Mr. Prabhas KR Singh (JHAR)
Mrs. Shital Sharma (HP)
Mr. Mayang Lima (NAG)
Mr. S. Serto (MANI)
Mrs. Marli Vank (MIZO)
Mrs. Yasmin Fatima (WB)
Mr. M. K. Dave (GUJ)
Mrs. Jayshree (ORI)
Mr. Dharma Rao (AP)
Mr. R. Malik (JK)
Mr. Laxmanan (KER)
Mr. R. C. S. Bisen (MP)
Mr. EMKS Sidharther (PONDI
Mr. (PUN)
Mr. Prabhat Shashtri (CHHAT

शुभकामना संदेश

जानकर प्रसन्नता हुई कि "गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन" (GBRDF) न्यास पिछले दस वर्षों से मानवाधिकार क्षेत्र में मानवाधिकार से संबंधित विषयों पर कार्य करते आ रही है।

मानवाधिकार जीने के अधिकार से संबंधित होता है। जन्म लेने के साथ ही हम सभी मरना नहीं जीना चाहते हैं। जीने का अधिकार वस्तुतः हम सबों की आवश्यकता है। जीने के अधिकार की अपेक्षा सर्वप्रथम अपने आप से ही होती है, किसी दूसरे से नहीं। अगर हम जीना चाहते हैं तो स्वयं के प्रयास से ही जी सकते हैं। जब तक हम सभी दूसरों के जीने के अधिकार को सुरक्षित नहीं करेंगे, तब तक स्वयं भी जीवित नहीं रह सकते हैं। यही शाश्वत सत्य है।

It is natural laws only, if followed, protects your life. State laws may also be helpful in protecting life of citizens if implemented honestly. अगर हम सभी जीना चाहते हैं तो हमें प्राकृतिक नियमों का पालन करना होगा। सरकारों द्वारा अधिनियमित जितने भी कानून होते हैं सबों का श्रोत प्राकृतिक नियम ही होता है। हम बहुत सारे अधिकारों की बात करते हैं। इन सारे अधिकारों का संबंध मानवाधिकार (जीने के अधिकार) से ही होता है।

संस्था द्वारा दसवाँ स्थापना दिवस की सफलता की कामना करता हूँ। आशा है यह संस्था आमलोगों के हित में ही काम करती रहेगी।

राजेन्द्र प्रसाद 1

न्यायमूर्ति राजेन्द्र
(पूर्व न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय)

Contact Address : 37, Upkar Society, Harinagar, Gotri Road, Vadodara - 390007
Tele Fax/Phone : 0265-2396474, Mo : 9998717985, Email : vns_svs@yahoo.co.in
Website : allindiajudges.org & Email : aijudges@yahoo.in

मेरी मां मुझ पर फक करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

Justice R.N. Prasad,
Former Lokayukta, Bihar.

House No.: E-22,
Ashiana Nagar Phase- II,
Patna 800 025
E-mail : justice.rnprasad@gmail.com

शुभकामना संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन द्वारा सफलतापूर्वक दस वर्ष का सफर पूरा करने के पावन अवसर पर हर्षोत्सव का आयोजन हो रहा है। यह फाउण्डेशन एक पवित्र लक्ष्य के साथ समाजिक एवं आर्थिक रुप से अक्षम छात्र–छात्राओं को उनके मंजिल तक पहुँचाने में निरन्तर प्रयासरत है। संस्थान का यह अथक प्रयास सर्वोत्तम एवं अत्यंत प्रशंसनीय है। इस अभियान से न केवल उन छात्र–छात्राओं का मनोबल बढ़ेगा, अपितु सफलता प्राप्त करने के उपरान्त वे स्वयं भी ऐसे प्रयासों के लिए प्रेरित होंगे। इससे हमारे समाज को एक नयी दिशा मिलेगी। इसके अतिरिक्त समाज के लोगों के जीवन में उत्थान के लिए स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण, मानवाधिकार आदि क्षेत्रों में किये जाने वाले कार्य भी काफी सराहनीय है।

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन एवं अभियान IAS (आई० ए० एस०) की सफलता के लिए बहुत–बहुत शुभकामनाएँ तथा भविष्य में भी समाज को एक नई दिशा देते रहने के लिये मेरी ओर से ढ़ेर सारी शुभकामनाएँ।

भवदीय

जस्टीस आर० ए०न० प्रसाद
पूर्व लोकायुक्त, बिहार।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

रेणु देवी
मंत्री
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग
बिहार, पटना

कार्यालय : विकास भवन, न्यू सचिवालय
पटना – 800 015
फोन/फैक्स नं० : 0612–2230496
ईमेल – ahd.minister@gmail.com

दिनांक 11/02/2025

शुभकामना संदेश

यह अत्यन्त प्रसन्नत[13]का विषय है कि "गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा अपनी स्थापना का 12 वां वर्ष पूरा होने के अवसर पर वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कृषि, स्वास्थ्य, मानवाधिकार, पर्यावरण, शिक्षा इत्यादि क्षेत्रों में इस संस्था द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम से जनता के बीच चेतना उत्पन्न होती है तथा नये कार्य करने की दिशा में उन्हें मार्गदर्शन भी प्राप्त होता है। यह और भी प्रसन्नता की बात है कि गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी छात्र–छात्राओं को सिविल सेवा की तैयारी हेतु उन्हें नि[13]ल्क कक्षाएं भी उपलब्ध करायी जा रही है।

मैं गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन के 12 वीं स्थापना दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं देती हूँ एवं आयोजित होने वाले कार्यक्रम के सफलता की मंगल कमना करती हूँ।

रेणु देवी
(रेणु देवी)

आवास संख्या–4, स्ट्रैंड रोड, पटना – 800 015

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

अंजनी कुमार सिंह, भा०प्र०से० (से०नि०)
मुख्यमंत्री के परामर्शी
Anjani Kumar Singh, I.A.S. (Retd.)
Advisor to Chief Minister

बिहार सरकार

बिहार सरकार
6ए, सर्कुलर रोड, पटना-800 001
GOVERNMENT OF BIHAR
6A, CIRCULAR ROAD, PATNA-800 001
Tel. No. : 0612-2217070 (O)
E-mail : anjani41@yahoo.com

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर काफी खुशी हुई है कि गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन द्वारा 13वीं वार्षिकोत्सव मनाया जा रहा है और इस अवसर पर एक स्मारिका भी प्रकाशित की जा रही है।

मैं गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास संस्थान की गतिविधियों को देखता रहा हूँ और कुछ कार्यक्रमों में मैंने भाग भी लिया है। आपके संस्थान द्वारा समाज और युवाओं के विकास के लिए अनुकरणीय काम किये जा रहे हैं।

मैं आपकी 13वीं वार्षिकोत्सव और उस पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका के लिए शुभकामना व्यक्त करता हूँ। मुझे विश्वास है कि स्मारिका में बुद्धिजीवियों के लेख प्रकाशित होंगे जो समाज के लिए उपयोगी होंगे।

(अंजनी कुमार सिंह)

सेवा में,
संस्थापक–सह–राष्ट्रीय अध्यक्ष,
गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

Prof. (Dr.) Sanjoy Kumar
Vice Chancellor
Mob. : 9546191380
Munger University, Munger
Shastrinagar, R.D.& D.J. College
Campus, Munger, Bihar - 811201

Email : vc@mungeruniversity.ac.in
sanjoysingh.kumar@gmail.com

Res. Address :
Flat No. 401, Basudham Apartment
Kadamkuan, Main Road, Rajendra Path,
Patna - 800003

Ref. No. .....

Date .....

It is really a pride for our society that Gautam Buddha Gramin Vikas Foundation is reluctantly rendering its selfless service to society indifferent fields continuously for the last 12 years. Its reluctant service has inculcated wisdom, human values and nationalist fervour among masses in society. Contributions of Gautam Buddha Gramin Vikas Foundation in the field of education, health, agriculture, environment and human justice has made a long lasting imprint in the mind of young generation that no doubt one day will lead to a strong and dedicated youth for nation building. A ambitious programme 'Abhiyan 40' launched by GBGVF to provide free coaching, counselling and to guide students especially to poor section of society attract appreciation of all.I wish my best wishes to this ambitious programme and to the organizing committee for the publication of this souvenir.

Sanjoy Kumar

(प्रो० संजय कुमार)
कुलपति

P. C. Chaudhary
State Information Commissioner

बिहार सूचना आयोग
Bihar Information Commission
चतुर्थ तल, सूचना भवन
4th Floor, Soochna Bhawan
नेहरू मार्ग, पटना-800015
Nehru Marg, Patna-800015
Phone.: 0612-2200412
Mobile : 8544427137
E-mail :pcchandra668@gmail.com

Ref. :.....

Date :.....

संदेश

मानव अधिकार वे अधिकार हैं, जो हमारे पास केवल इसलिए हैं, क्योंकि हम मनुष्य के रूप में मौजूद हैं। सही अर्थों में मनुष्य यह अधिकार पैदा होने के साथ लेकर आता है। उन्हें किसी भी राज्य द्वारा प्रदान नहीं किया गया है, परंतु उसका संरक्षण करना राज्य का दायित्व है। वे जीवन के मौलिक अधिकार जैसे भोजन, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता के अधिकार से लेकर अन्य अधिकारों के साथ जीवन को जीने लायक बनाते हैं। मानव अधिकारों का मुख्य उद्देश्य शांति और सुरक्षा स्थापित करना है और मानव के समग्र विकास के लिए वातावरण तैयार करना है।

मानव उत्थान एवं निःस्वार्थ सेवा "गौतम बुद्धा, ग्रामीण विकास फाउंडेशन के द्वारा विगत **12** वर्षों से किया जा रहा उत्कर्ष कार्य सराहनीय है। इसके लिए श्री विलास कुमार जी, संस्थापक–सह– राष्ट्रीय अध्यक्ष धन्यवाद के पात्र हैं।

इस संस्थान द्वारा आयोजित **13वें** वार्षिकोत्सव समारोह के सफलता की कामना करता हूँ। मुझे आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि यह संस्था भविष्य में मानव कल्याण के लिए उत्कर्ष कार्य करती रहेगी।

(पी0सी0 चौधरी)
राज्य सूचना आयुक्त।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

Prof. (Dr) Rash Bihari Pd. Singh
Professor of Geography (Rtd.)
Patna University, Patna-800 005

Presently :
Patron : Association of Geographers, Bihar and Jharkhand (AGBJ)
President : Deccan Geographical Society of India, Pune
Chairman : Advisory Committee, Srikrishana Science Centre, Patna
Member : Indian National Commission for Cooperation with UNESCO on Social Sciences, Constitution by MHRD, Delhi
Member : Mahavir Agrogya Sansthan, Governing Body, Patna
Member : Senate, Patna University, Patna

Residence :
101, Rewati Apartment, Road No. 2,
Kazipur, Patna-800 004

Formerly :
Vice Chancellor, Patna University, Patna
Vice Chancellor, Nalanda Open University, Patna
Pro Vice-Chancellor, Nalanda Open University, Patna
Principal, Patna College, Patna
Chairman, Advisory Committee on Higher Education to His Excellency, The Governor of Bihar
President, National Association of Geographers, India

Ref. .....

Message

I am very glad to know that the Gautam Budha Rural Development Foundation has completed 13 years of its foundation and the management of the Foundation has resolved to celebrate decadal annual foundation day in a very befitting manner. I have come to know that the foundation has been engaged in different kinds of activities particularly related to health, education, rural development, environment and legal support to such groups of society who are underprivileged, Among many activities, its Abhiyan-40 (IAS), a coaching institute preparing students for success in the UPSC and state level competitive examinations is a milestone for both the Foundation and the underprivileged society.

I wish all the best and the grand success of the decadal annual function. I further congratulate all those who are associated with the success of the decadal annual function and the release of Souvenir.

Good wishes to the entire organizing team.

Rash Bihari Prasad Singh
Ex. Vice Chancellor
Patna University, Patna

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

मनोज कुमार भा.प्र.से.
सचिव
MANOJ KUMAR I.A.S.
Secretary

बिहार सरकार
पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग
Government of Bihar
BC & EBC Welfare Department
Tel. : 0612-2215261
E-mail : secy-bcebc-bih@nic.in

13

पत्रांक - 15/स०गो० को०   दिनांक - 10.02.2025

शुभकामना संदेश

गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन विगत 12 वर्षों से शिक्षा, महिला विकास, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि फरवरी, 2025 में यह संस्था अपने 12 गौरवशाली वर्षों की यात्रा पूरी कर चुकी है।

संस्था ने समाज के पिछड़े एवं वंचित वर्गों के कल्याण हेतु निरंतर कार्य किया है और अपनी निष्ठा एवं समर्पण से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया है। विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए गए प्रयास सराहनीय है, जिससे सैंकड़ों विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य की दिशा में अग्रसर होने का अवसर मिला है। साथ ही, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण एंव स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में आपके प्रयास उल्लेखनीय है।

आपकी संस्था की निःस्वार्थ सेवा, परिश्रम और प्रतिबद्धता के लिए पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार हार्दिक प्रशंसा करता है। हम आशा करते हैं कि भविष्य में भी संस्था अपने प्रयासों से समाज के उत्थान में योगदान देती रहेगी। मैं आपकी संस्था के उज्ज्वल भविष्य और निरंतर प्रगति की कामना करता हूँ।

शुभकामनाओं के साथ।

10/2/25
(मनोज कुमार)

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

अजय सिंह, भा.रा.से.
अपर आयकर आयुक्त,
मुंबई

शुभकामना संदेश

"गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउण्डेशन" के 13 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण करने के अवसर पर अनन्त शुभकामनाएँ। मुझे यह जानकर अपार हर्ष हो रहा है कि आपके फाउण्डेशन के दशकीय वार्षिकोत्सव के अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय बुद्धिजीवियों के लेख संग्रह वाली "स्मारिका अभियान" का प्रकाशन किया जा रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को देश की सर्वोच्च प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए आपके द्वारा चलाया जा रहा अभियान-40(आई.ए.एस.) अत्यन्त ही महत्वपूर्ण एवं उत्कृष्ट प्रयास है। इससे न केवल उन छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ेगा अपितु सफलता प्राप्त होने के उपरान्त उन्हें ऐसे अन्य प्रयास करने की प्रेरणा भी मिलेगी, जिससे हमारा समाज नयी दिशा की ओर अग्रसर होगा। आपके द्वारा समाज के हित में शिक्षा के अतिरिक्त स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण, मानवाधिकार आदि क्षेत्रों में किये जाने वाले कार्य काफी सराहनीय हैं।

"गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउण्डेशन" एवं अभियान-40(आई.ए.एस.) के लिए आपको मेरी शुभकामना तथा भविष्य में भी आप समाजसेवा से संबंधित ऐसे प्रयास निरंतर करते रहें, ऐसी मेरी आकांक्षा है।

Ajay Singh
(अजय सिंह)
अपर आयकर आयुक्त,
मुंबई

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

GIRIWAR DAYAL SINGH I.A.S.
Secretary,
Board of Revenue, Bihar

सत्यमेव जयते

Tele./Fax 0612-2215676
Mobile 9470885335
Email secretary.boardofrevenuebihar@gmail.com

Ref. c/o

Date 30.1.25

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि "गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन" के द्वारा सफलतापूर्वक **13** वर्ष पूर्ण करने के अवसर पर वार्षिकोत्सव का आयोजन हो रहा है। यह फाउंडेशन एक पवित्र लक्ष्य के साथ समाज के सामाजिक आर्थिक एवं कमजोर वर्गों और विशेष रूप से छात्र–छात्राओं को ज्ञान के प्रकाश से परिपूर्ण करने का जो प्रयास कर रहा है, वह निश्चित रूप से प्रशंसनीय है। यह संस्थान महिला विकास, मानवाधिकार, कृषि, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम कर रहा है। जिससे समाज के सभी वर्गों को लाभ मिल रहा है और वर्तमान में ये सभी कार्य अत्यंत प्रशंसनीय हैं। मानव उत्थान एवं निःस्वार्थ सेवा गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास संस्थान के द्वारा पिछले **13** वर्षों से किया जा रहा है और इस संस्थान के सभी सदस्य विशेष रूप से श्री बिलास कुमार जी जो संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, वो धन्यवाद के पात्र हैं।

मैं इस संस्थान के सुखद एवं सफल भविष्य की कामना करता हूं तथा मेरा विश्वास है कि यह संस्थान आगे चलकर समाज के और वर्गों में अपने कार्य को बढ़ाएगा। इस हेतु मैं अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

गिरिवर दयाल सिंह, भा0प्र0से0
सचिव,
राजस्व पर्षद, बिहार, पटना।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

रंजीत कुमार मधुकर भा.रा.रे.
अपर आयकर आयुक्त (मुख्यालय) (प्रशासन), पटना
Ranjeet Kumar Madhukar, IRS
Addl.Commissioner of Income Tax
(HQ)(Admn), Patna

भारत सरकार
कार्यालय : प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त बिहार एवं झारखण्ड, पटना
प्रथम तल, केन्द्रीय राजस्व भवन, वीर चंद पटेल मार्ग, पटना -800001
GOVERNMENT OF INDIA
Office Of Principal Chief Commissioner of Income Tax
Bihar & Jharkhand, Patna
1st Floor, C.R. Building, Bir Chand Patel Marg, Patna 800001
Email : patna.addlcit.hq.admin@incometax.gov.in

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यधिक प्रशंसा हो रही है कि "गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन" अपने तेरहवीं वार्षिकोत्सव पर "स्मारिका अभियान" का प्रकाशन करने जा रहा है।

आज हमारा देश निरंतर प्रगति के रास्ते पर अग्रसर है, इसमें समाजसेवी संस्थाओं की महत्ती भूमिका रही है और "गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन" इस दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है।

विकसित भारत के निर्माण में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, तकनीकी क्रांति एवं मानवाधिकार के स्तम्भों को सुदृढ़ करना नितांत आवश्यक है ताकि राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक स्वालंबन, भाई-चारा, राष्ट्र-प्रेम एवं संवेदनशीलता के साथ सम्मानित जीवन जी सके। शिक्षित एवं संवेदनशील नागरिक ही राष्ट्र की प्रगति, गरिमा, सम्मान एवं विकास को उँचाई पर ले जा सकते है। इस दिशा में "गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन" का लगातार प्रयास सराहनीय रहा है।

मुझे विश्वास है कि "गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन" अपने उद्देश्य के अनुरुप समाज के गरीब एवं जरुरतमंद पिछड़े लोगों को शिक्षित करने में अपनी महत्ती भूमिका निभाता रहेगा।

मैं इस संस्था के संस्थापक श्री विलास कुमार एवं इस संस्था से जुड़े सभी आदरणीय गुरुजनों, पदाधिकारियों छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देता हूँ और सभी के मंगलमय भविष्य की कामना करता हूँ।

रंजीत कु० मधुकर

(रंजीत कुमार मधुकर)

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

Sunil Kumar IPS
Addl. Director General of Police
Special Branch
Bihar, Patna

Phone : 0612-2294271 (O)
: 0612-2294103 (O)
Fax : 0612-2294115
Mobile : 9473197571
E-mail : adg.splbranch-bih@nic.in

शुभकामना संदेश

यह जान कर अपार हर्ष हो रहा है कि "गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास संस्थान, नई दिल्ली" अपने स्थापना का 13 वर्ष पूरा करने जा रहा है।

इस संस्था के **संस्थापक श्री विलास कुमार** के अथक प्रयास का ही परिणाम है कि न केवल बिहार, बल्कि नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान में समाज सेवा को लेकर यह संस्था अहम भूमिका प्रस्तुत कर रही है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह समारोह अत्यन्त सफल होगा तथा जिन विषयों पर चर्चा की जायेगी, वह युवाओं एवं छात्रों के जीवन में अहम भूमिका निभायेगी तथा इससे समाज में अच्छा संदेश जायेगा। मैं, इस संस्था के पथ प्रदर्शक, पदाधिकारी एवं सभी सदस्यों को शुभकामना देता हूँ तथा आपके मंगलमय जीवन की कामना करता हूँ।

शुभकामनाओं के साथ।

05.12.20

(सुनील कुमार)

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

शुभकामना संदेश

''गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन'' के **13** वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण करने के अवसर पर अनन्त शुभकामनाएँ। मुझे यह जानकर अपार हर्ष हो रहा है कि आपके फाउण्डेशन के **13 वें** वार्षिकोत्सव के अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय बुद्धिजीवियों के लेख संग्रह वाली ''स्मारिका अभियान'' का प्रकाशन किया जा रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को देश की सर्वोच्च प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए आपके द्वारा चलाया जा रहा अभियान-40(आई०ए०एस०) अत्यन्त ही महत्वपूर्ण एवं उत्कृष्ट प्रयास है। इससे न केवल उन छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ेगा अपितु सफलता प्राप्त होने के उपरान्त उन्हें ऐसे अन्य प्रयास करने की प्रेरणा भी मिलेगी, जिससे हमारा समाज नयी दिशा की ओर अग्रसर होगा। आपके द्वारा समाज के हित में शिक्षा के अतिरिक्त स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण, मानवाधिकार आदि क्षेत्रों में किये जाने वाले कार्य काफी सराहनीय हैं।

''गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन'' एवं अभियान-40(आई०ए०एस०) के लिये आपको मेरी शुभकामना तथा भविष्य में भी आप समाजसेवा से संबंधित ऐसे प्रयास निरंतर करते रहें, ऐसी मेरी आकांक्षा है।

(पारस नाथ)

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

श्रवण कुमार
شرون کمار

मंत्री
ग्रामीण विकास विभाग
बिहार सरकार

शुभकामना संदेश

प्रसन्नता की बात है कि **"गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन"** द्वारा अपनी स्थापना का 13 वर्ष पूरा होने के अवसर पर वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जा रहा है । कृषि, स्वास्थ्य, मानवाधिकार, पर्यावरण, शिक्षा इत्यादि क्षेत्रों में इस संस्था द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम से जनता के बीच चेतना उत्पन्न होती है तथा नये कार्य करने की दिशा में उन्हें मार्गदर्शन भी प्राप्त होता है । यह और भी प्रसन्नता की बात है कि गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी छात्र–छात्राओं को सिविल सेवा की तैयारी हेतु उन्हें निःशुल्क कक्षाएं भी उन्हें उपलब्ध करायी जा रही है ।

मैं गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन के 13 वीं स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के सफलता की मंगल कामना करता हूँ ।

(श्रवण कुमार)

कार्यालय - मुख्य सचिवालय, पटना-800015, आवास : 12ए, बेली रोड, पटना-800015
दूरभाष/फैक्स : 0612-2205331 (का॰), 2215472 (आ॰), मोबाईल : 9471006315
ई-मेल : sharwankumarmla@ gmail.com

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

Prof. (Dr.) Rangnath Prasad "Diwakar"
M.A., M.Ed., LL.B., Ph.D. (PAT)
Retd. Head of Department of Philosophy
Patna University, Patna-800 005

Residence :
C-21, Professor Lane
Vijay Nagar, Kankarbagh
Patna-800 020
Mob. : 09852194079

Ref. :

Date : .....

शुभकामना संदेश

"गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन" की स्थापना के सफलतापूर्वक 13 वर्ष पूरा होने के अवसर पर अभियान-40(आई.ए.एस.) के सौजन्य से एक स्मारिका का लोकार्पण होने जा रहा है, यह जानकर मुझे अति प्रसन्नता हो रही है। अपनी सांस्कृतिक सभ्यता एवं ज्ञान का विशाल सामुद्रिक भंडार अनेक मणि-माणिक्य से परिपूर्ण यह अभियान-40 (आई.ए.एस.) संस्था ने जो इस अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया है वह ज्ञान-विज्ञान एवं सामाजिक सेवा भाव के क्षेत्र में बुद्धिजीवियों के बीच एक अमर संदेश है। यह सेवाभाव सदा सराहनीय रहेगा। मानव बुद्धि का एकछत्र साम्राज्य स्थापित के लिए यह संस्था आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीण परिवेश में मेधावी छात्रों का चयन कर उसे जीवन जीने की एक समृद्ध भूमि तैयार करना ही इस संस्था का परम लक्ष्य है। सम्पूर्ण विश्व में यदि कोई सबसे महान या गुण है तो वह बुद्धि ही है, जिसकी अथक खोज करना इस संस्था का लक्ष्यवेधि उद्देश्य है। बुद्धि वह तत्व है जो कम्प्यूटर की भाँति किसी के इसारे पर संचालित नहीं की जाती है, अपितु देश-काल, परिस्थिति के अनुसार वह स्वयं निर्णय लेती है और स्वमेव संचालित होती है। इसी को योग्य बनाना ही इस संस्थान का मूल्य लक्ष्य है।

उत्तरोत्तर सेवाभाव के हृदय में संजोये हुए निरंतर विकास के कदम को मजबूत करते हुए आगे की ओर निरंतर अग्रसर होना ही इसका उद्देश्य है। जिसके हृदय में कल्याण की भावना लोहित हो उनके सभी दुर्गम अप्रत्यासिक मार्ग भी सुगम प्रतीत होने लगते है। यह संस्था निरंतर सेवाभाव के रास्ते पर अपने शिक्षाविद्, अधिकारियों एवं सहयोगी कर्मचारियों का ही एक प्रतिफल है जो पटना, लखनऊ एवं देश की राजधानी दिल्ली जैसे नगरों में संस्था का संचालक सफल ढंग से चल रहा है।

इस मानस यज्ञ की भूरि-भूरि प्रशंसा हृदय के गहनतम से करता हूँ ज्ञान एवं सामाजिक साचे की शृंखला में यथोचित गाम्भीर्य की अपेक्षा करते हुए इसके निदेशक श्री बिलास कुमार को विशेष रूप से साधुवाद देता हूँ जिन्होंने ज्ञान की महिमा का उत्तरोत्तर विकास की नवीन धारा से जोड़ने का अदम्य साहस का परिचय दिया है। मैं उन सभी विद्वानों एवं अधिकारियों को विशेष रूप से साधुवाद देना चाहूँगा जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस संस्था में अपना सहयोग दिया है। मैं उन आयोजकों के शिष्टमंडल को भी साधुवाद देना चाहूँगा जिन्होंने ज्ञान के संगम में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

R. N. Diwakar

प्रो. (डॉ.) रंगनाथ प्रसाद दिवाकर
(अवकाश प्राप्त)- विश्वविद्यालय आचार्य
एवं अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग,
पटना विश्वविद्यालय, पटना

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

Chandrika Prasad
IPS
Deputy Inspector General of Police
(Rtd)

Mob.: 9931024019
WhatsApp No.-7782965726
E-mail- chandrikaprasad0056@gmail.com

Ref. Nil

शुभकामना संदेश

आदरणीय अध्यक्षजी,
"गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन"
पटना।

यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन अपना 13वीं वर्षगाठ धूम-धाम से मनाने जा रहा है।

यह संस्था आर्थिक रूप से अक्षम विद्यार्थियों को विभिन्न लोक सेवा आयोगों में न केवल भाग लेने की प्रेरणा दे रहा है अपितु अभियान-40 (आई.ए.एस.) का संचालन कर उनकी कल्पना से उपर स्तरीय सफलता भी सुनिश्चित कर रहा है। इतना ही नहीं, शिक्षा क्षेत्र में उपर्युक्त सार्थक प्रयास के साथ-साथ यह संस्था ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न जागरूकता अभियान चला कर पर्यावरण, मानवाधिकार, कृषि एवं स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में भी सराहनीय कार्य कर समाज/राज्य/देश की प्रगति में अपनी अहम् भूमिका अदा कर रहा है जो अत्यंत ही प्रसंशनीय है।

इस संस्था के द्वारा अथक प्रयास कर समाज/देश सेवा में उम्मीद भरा स्थिति लाने के कारण इसे उच्च स्तरीय शिक्षा विदों के साथ-साथ विभिन्न स्तरीय प्रशासनिक पदाधिकारीयों एवं सामाजिक विभूतियों का अकल्पनीय सहयोग प्राप्त हो रहा है तथा द्रुत गति से यह संस्था लगातार त्वरीत सफलता हासिल कर रहा है।

अपेक्षा है निकट भविष्य में अपना आयामी उपलब्धि हासिल कर समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले इकाई के रूप में यह संस्था सर्वमान्य हो सकेगा। यही कारण है कि अपने जीवन में समाज/देश के वंचितों एवं निम्नतम पायदान पर जीवन -बसर करने वालों की सहायता के अपने संकल्प को अपनी सरकारी सेवा से निवृत्ति उपरान्त इस संस्था के पहल को ही सर्वाधिक उपयुक्त मान कर चयनित किया एवं यथा संभव सहयोग का प्रयास कर रहा हूँ। यह अवसर प्रदान करने के लिए यह संस्था धन्यवाद के पात्र है।

इस संस्था के सहयोग से बने विभिन्न स्तरीय पदाधिकारीयों का वापसी सहयोग इस संस्था की एक अद्भुत विशिष्टता है जो इस संस्था को सूर्य की तरह प्रकाश श्रोत के रूप में प्रदर्शित करता है और यह संस्था के एक अमूल्य उर्जा श्रोत के रूप उपलब्ध है जो इस संस्था के कार्यों में गुणात्मक सुधार के लिए अति महत्वपूर्ण संसाधन स्वरूप हो सकेगा।

अतः मैं हम संस्था के प्रयास एवं उपलब्धियों के सतत् वृद्धि की कामना के साथ इसके दसवें वर्ष गाठ के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने की कामना करता हूँ एवं संस्था को इस आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

श्री चन्द्रिका प्रसाद (आइपीएस)
Deputy Inspector General of Police (Rtd.)

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

Brig A K Singh, SM
Commandant

Tele : 2077 (O)
2064 (R)

WAR CENTRE Southern Comd
c/o HQ 12 Corps
PIN : 908512
c/o 56 APO

UNIT APPRECIATION
2015

शुभकामना संदेश

आदरणीय अध्यक्ष जी,
गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउण्डेशन
पटना (बिहार)

1. मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउण्डेशन इस 11 दिसम्बर 2025 को अपनी 13 वीं वर्षगांठ धूम-धाम से मनाने जा रहा है। मैं, इस शुभ अवसर पर, आपको और पूरी टीम को हार्दिक बधाई प्रेषित करता हूँ।

2. विगत वर्षों में फाउण्डेशन ने ग्रामीण विकास के क्षेत्र में जो कार्य किए हैं, वे अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक हैं। सभी समुदायों के कल्याण और उत्थान के लिए रोजगार-उन्मुख शिक्षा एवं प्रशिक्षण (विशेषकर अभियान-40 आईएएस), स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण और सडक सुरक्षा जागरूकता की दिशा में आपके अथक प्रयासों ने अनगिनत लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। यह वर्षगांठ न केवल आपकी उपलब्धियों का जश्न मनाने का अवसर है, बल्कि उन सभी स्वयंसेवकों, कर्मचारियों और समर्थकों के समर्पण को भी स्वीकार करने का क्षण है, जिन्होंने इस नेक कार्य में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है।

3. मैं आशा करता हूँ कि आने वाले वर्षों में भी फाउण्डेशन इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करता रहेगा और समाज में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव लाने में सफल होगा। इस आयोजन की सफलता, उपलब्धियों की सतत् वृद्धि तथा भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

13 नवम्बर 2025

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

संजीव कुमार
SANJEEV KUMAR

अतिरिक्त निजी सचिव
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री
भारत सरकार
ADDITIONAL PRIVATE SECRETARY TO
MINISTER OF
SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT
GOVERNMENT OF INDIA

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है कि "गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउन्डेशन" अपनी संस्था के 13 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में अपने वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में सेमिनार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

गौतम बुद्धा और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की परिकल्पनाओं का शिक्षित, स्वस्थ, समृद्ध, भयमुक्त सुखी गांवों के निर्माण में फाउण्डेशन का कार्य अत्यंत प्रशंसनीय एवं सराहनीय है। राष्ट्र के संपूर्ण एवं समृद्ध विकास हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि व मानवाधिकार के स्तंभों को सुदृढ़ करना नितांत आवश्यक है ताकि राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक स्वावलंबन, भाईचारा और उदार मानवीय मूल्यों के साथ एक सम्मानित जीवन जी सके।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि फाउण्डेशन अपने उद्देश्य के अनुरूप अपने विकास रथ को आगे बढ़ाते हुए समाज के प्रति अपनी शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संबंधी एवं मानवाधिकार के क्षेत्रों में अपनी अनरवत सेवाएं प्रदान करते हुए बिहार एवं देश के अन्य क्षेत्रों में अपनी उल्लेखनीय भूमिका निभाने में महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा।

मैं इस संस्था के संस्थापक-सह-राष्ट्रीय अध्यक्ष, आदरणीय गुरूओं एवं छात्र-छात्राओं और इससे जुड़े अन्य पदाधिकारियों को सेमिनार और सांस्कृतिक कार्यक्रम के सफल आयोजन की कामना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

संजीव कुमार

(संजीव कुमार)

र्यालय: 202, सी विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110115, दूरभाष कार्यालय: 011-23381390, 23381001, फैक्स: 011-23381
ffice : 202, 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110115, Tel. : Office : 011-23381390, 23381001, Fax : 011-2338139
E-mail : sanjeev.kumar81@nic.in

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

Date : .....

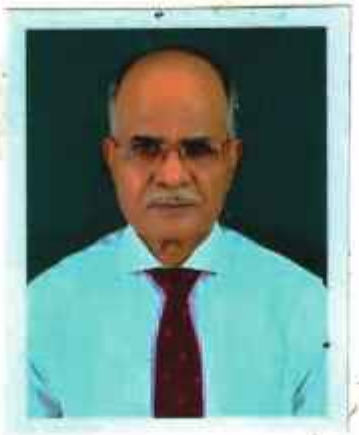

सेवा में,

बिलास कुमार

संस्थापक-सह-राष्ट्रीय अध्यक्ष

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि "गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन" ने 13 वर्ष पूरा कर लिया है। यह फाउंडेशन कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। मुझे इस फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे "अभियान-40 (आई.ए.एस.)" से कई अवसरों पर जुड़ने का सुअवसर प्राप्ता हुआ। इसके संस्थापक-सह-राष्ट्रीय अध्यक्ष बिलास कुमार का लगन प्रशंसनीय एवं प्रेरक है।

मैं बिलास कुमार एवं इस फाउंडेशन से जुड़े सभी महानुभवों को हार्दिक बधाई देता हूँ और फाउंडेशन की सफलता की कामना करता हूँ।

राज्यबर्द्धन शर्मा
सेवानिवृत्त
(भारतीय पुलिस सेवा)

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF EDUCATION
DEPARTMENT OF SCHOOL EDUCATION & LITERACY
SHASTRI BHAVAN
NEW DELHI-110 115

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शास्त्री भवन
नई दिल्ली – 110 115

उमेश प्रताप सिंह
निदेशक

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संदेश

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन (जीबीआरडीएफ), नई दिल्ली द्वारा समाज के उत्थान के लिए किये जा रहे कार्यों की जितनी भी प्रशंसा की जाये कम है। फाउंडेशन के द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, मानवाधिकार, कृषि, पर्यावरण एवं ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं।

इस संस्था का महत्वपूर्ण कार्यक्रम अभियान - 40 (आईएएस) है, जिसके तहत समाज के 40 मेधावी प्रतिभागियों का चयन कर उन्हें संघ लोक सेवा आयोग एवं विभिन्न राज्यों से निकलने वाले राज्य लोक सेवा आयोग की तैयारी - निःशुल्क कराई जाती है।

मैं फाउंडेशन के 12 वां वार्षिकोत्सव और इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका के लिए शुभकामना व्यक्त करता हूँ। साथ ही इस संस्था के सभी प्रणेताओं, आदरणीय गुरुजनों, पदाधिकारियों एवं छात्र-छात्राओं को भी शुभकामनाएँ देता हूँ और उनके मंगलमय भविष्य की कामना करता हूँ ।

भवदीय

(उमेश प्रताप सिंह)

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

शुभकामना संदेश

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन
बिहार के विकास हेतु सकारात्मक पहल

GBRDF अपने स्थापना के समय से ही समाज के बहुमुखी विकास में अपना सकारात्मक योगदान देने में तत्पर रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता आदि क्षेत्रों में इस संस्था ने समय-समय पर समाज में चेतना जागृत करने का कार्य किया है। इस संस्था को संचालित करने वाले निदेशक श्री बिलास कुमार जी, जिन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन से उपर आकर समाज में नई दिशा देने का कार्य किया है, धन्यवाद के पात्र है।

इस संस्था की महत्वपूर्ण कार्यक्रम अभियान-40 है जिसके तहत समाज के 40 मेधावी बच्चों का चयन कर उन्हें नि:शुल्क शिक्षा देने का कार्य चल रही है। इस संस्था में UPSC/BPSC/BSSC, BJS आदि परीक्षाओं के तैयारी एवं मार्गदर्शनन हेतु योग्यतम शिक्षक, अधिकारीगण, शिक्षाविद् आदि का टीम बनाया है जिससे लाभन्वित होकर उस संस्था के छात्र बिहार के सभी सेवाओं और सभी जिलों में अपना योगदान देकर बिहार के विकास में अपना योगदान दे रहे है।

मैं स्वयं इस संस्था का छात्र रहा हूँ। इस संस्था के मार्गदर्शन में ही मैंने बीपीएससी के 56-59 बैच में साक्षात्कार परीक्षा में 115/150 अंक प्राप्त कर पुलिस आधीक्षक के पद पर चयनित हुआ और वर्त्तमान में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो पटना में पदस्थापित हूँ। मुझे विश्वास है कि पटना में यह संस्था विशिष्टताओं के कारण अद्वितीय स्थान बनाए हुए है।

इस संस्था के निदेशक, कार्यकर्ता, कर्मचारी आदि के कुशल व्यवहार के कारण इस संस्था के किसी भी कार्यक्रम में अधिकारीगण, शिक्षाविद्, मीडिया जगत के बंधु खुद व खुद शामिल होते है तथा अपने अनुभव ज्ञान आदि से छात्रों को लाभान्वित करते है।

मुझे पूर्णत: विश्वास है कि यह संस्था अपने नि:स्वार्थ सामाजिक कार्यों से बिहारऔर उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि संपूर्ण भारत में अपने शाखाओं का विस्तार कर बिहार के साथ-साथ संपूर्ण भारत के विकास में अपना योगदान देगी।

अजेय शुभकामनाओं के साथ

अरूणोदय पाण्डेय
(पुलिस उपाधीक्षक)
निगरानी अन्वेषण ब्यूरों
पटना

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

संपादक की कलम से...

हमें आज बेहद प्रसन्नता हो रही है कि गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन (GBRDF), नई दिल्ली स्थापना के 13 वर्ष पूरा कर रहा है। स्थापना के जिन उद्देश्यों को लेकर जो कारवां निकला था, उसमें कामयाबी दर कामयाबी मिलती रही है। लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, मानवाधिकार, समाज सेवा, कृषि जैसे क्षेत्रों में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। GBRDF जहां एक ओर अपनी शैक्षणिक संस्था अभियान–40 (आईएएस) के माध्यम से मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर छात्र–छात्राओं को निःशुल्क प्रशासनिक और अन्य सेवाओं के लिए शिक्षण व प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रही है, वहीं स्वास्थ्य, पर्यावरण और मानवाधिकार को लेकर देशभर में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कुछेक लोगों को जोड़कर शुरू की गई इस यात्रा में आज सैकड़ों लोग जुड़कर इसे कामयाबी की ओर ले जाने को प्रयासरत हैं। इस सामाजिक दायित्व के निर्वहन में संस्था के युवा संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष बिलास कुमार और मुहिम में जुड़े तमाम लोग बधाई के पात्र हैं।

इस अवसर पर स्मारिका का लोकापर्ण किया जा रहा है जिसमें पिछले 13 वर्षों की यात्रा और उद्देश्यों को पूरा करने की जिजिविषा शामिल है। इस संस्था ने लम्बी व कठिन दूरी तय करते हुए खासकर शैक्षणिक गतिविधियों को केंद्र में रखकर आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों का चयन कर उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया है।

सिविल सेवा की परीक्षा की तैयारी के लिए GBRDF के अंतर्गत अभियान–40 आईएएस की बिहार के पटना के कंकड़बाग में संस्था संचालित की जा रही है। इसके अलावे संस्था ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ, राजस्थान के जयपुर एवं दिल्ली जैसे शहरों में भी निर्धन छात्रों के लिए भी निःशुल्क कक्षाएं आयोजित कर समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। संस्था से जुड़कर अबतक सैकड़ों छात्र–छात्राएं देशभर में विविध पदों पर अपने प्रशासनिक और सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

इस संस्था ने शिक्षा के अलावे स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि एवं मानवाधिकार जैसे क्षेत्रों में भी नई आशाओं और नई सम्भावनाओं के द्वार खोलने का भी कार्य किया है। समाज में फैली विषमताओं को गहराई से परखना तथा उसके निदान के लिए संगत समाधान प्रस्तुत करना ही गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन के प्रमुख कार्यों में शामिल है।

आज GBRDF और अभियान–40 (आईएएस) समाज के विभिन्न प्रबुद्ध लोगों शिक्षाविद्, समाजसेवी, प्रशासनिक अधिकारी, चिकित्सक, अभियंता आदि को अपने साथ लेकर सफलता के नए कीर्तिमान गढ़ रही है। इस मौके पर आप सभी प्रबुद्धजनों का आभार प्रकट करते हुए हम निरंतर आपके सहयोग और मार्गदर्शन की अपेक्षा रखते हैं। ये भी उम्मीद करते हैं कि आपके सकिय सहयोग से हम समाज के हर क्षेत्र में विकास और उन्नति की नई पटकथा लिखें।

आप सभी को ढेरों शुभकामनाएं एवं दिल से आभार!

R N Diwakar

–डॉ. आर. एन. दिवाकर

राष्ट्रीय अध्यक्ष का संदेश

भारत की महान जनता को मेरा विनम्र प्रणाम। आपके बीच विभिन्न परियोजनाओं को संचालित करने में मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। वर्षों के चिंतन–मनन और मंथन के बाद हमलोगों ने इन परियोजनाओं को समाज और देश हित में संचालित करने का निर्णय लिया। "शिक्षित गाँव, स्वस्थ्य गाँव, समृद्ध गांव, भयमुक्त गांव, सुखी गांव होगा तभी सुखी भारत बन सकता है। हमलोगों ने इसी परिकल्पना को साकार करने का संकल्प लिया है और आप सभी को इस मुहिम में भागीदार बनाना चाहता हूँ।

आज हमारे देश में गांवों और ग्रामीणों की आधारभूत आवश्यकताओं की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। आजादी के बाद ग्रामीण भारत के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई गईं लेकिन तमाम योजनाओं की समीक्षा की जाए तो जमीनी सच्चाई सामने आ जाती है। तमाम योजनाएं निष्प्रभावी रहीं या इसका लाभ बड़े लोगों को ही मिला और उन तक ही सीमित रह गई। नतीजा, गरीब और ग्रामीण जनता को उनका हक आज तक नहीं मिल पाया।

हम सभी अपनी जिम्मेदारी और दायित्व का निर्वाह नहीं करेंगे तो स्थिति बद से बदतर होती चली जाएगी। यह भी एक बड़ा कारण है जिससे आज शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि की मूलभूत समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। आजादी के बाद से हर वर्ष लाल किला के प्राचीर से युवाओं को रोजगार देने का वादा किया जाता रहा है। अगर सभी घोषणाएँ, वादे पूरे किए जाते तो देश में बेरोजगारी की समस्या गंभीर नही होती। इसी प्रकार ग्रामीण भारत में कृषि और किसानों के लिए घोषित योजनाओं को सही रूप में जमीन पर उतारा जाता तो ग्रामीण भारत की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत हद तक हो गई होती।

हमलोगों के द्वारा जिन परियोजनाओं का संचालन किया जा रहा है, उसके मूल में समाज सेवा और स्वावलंबन निहित है। संवैधानिक दायरों में समाज सेवा करने से हमें और आप सबको आत्मसंतुष्टि मिलेगी ही, साथ ही समृद्ध भारत का सपना भी पूरा होगा। गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी ने भी इसी तरह का

उद्देश्य लोगों के सामने रखा था। हमलोग उन्हीं के मार्गदर्शन का अनुसरण करते हुए देश के सभी गांवों, कस्बों एवं शहरों को बदलना चाहते हैं। बदलाव की इस मुहिम में हमें हजारों युवाओं के समर्पित समूह की जरूरत पड़ेगी। हमें विश्वास है कि ऐसा समूह बनता जाएगा।

यह उत्साहवर्द्धक है कि ऐसे समूह का बनना प्रारम्भ हो गया है। युवाओं का समूह भारत की तस्वीर बदलने को आतुर है। सभी भारत को शिक्षित, स्वस्थ, समृद्ध, भयमुक्त एवं सुखी राष्ट्र के रूप में देखना चाहते हैं। इसी तरह लोगों का साथ एवं समर्थन मिलता रहा तो संम्पूर्ण भारत में रोजगार के इतने साधन बन जाएंगे कि लोग कम पड़ जाएंगे। मुझे पूरा यकीन है कि चलाई जा रही परियोजनाएं, आपके सहयोग से बहुत जल्द पूरी होगी।

बिलास कुमार

संस्थापक–सह–राष्ट्रीय अध्यक्ष

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

समृद्ध, सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत: हमारा अभियान

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन की सभी परियोजनाएँ शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं मानवाधिकार गौतम बुद्ध एवं महात्मा गाँधी को समर्पित है। इसी समर्पण की भावना से साकार होगी स्वस्थ ग्राम, समृद्ध ग्राम एवं भयमुक्त ग्राम की गौतम बुद्ध एवं महात्मा गाँधी की परिकल्पना का भारत। उम्मीद ही नहीं बल्कि पूरा विश्वास है कि उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए हम अपनी परियोजनाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में कामयाब होंगे।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा था सपना वह नही जो आँख बंद करके देखा जाए बल्कि सपना वह है जो खुली आँखों से देखा जाए। आदरणीय कलाम जी का कहा गया एक–एक शब्द सत्य पर आधारित है। वर्तमान समय में इसकी विशेष महत्व एवं आवश्यकता है। मै भी खुली आँखों से समाज की दुर्दशा का अवलोकन कर रहा हूँ। मेरे भीतर भी समाज एवं देश के लिए कुछ कर गुजरने की आकांक्षाएं जन्म लेती रहती हैं।

मैं भी विद्वान जनों के विचारों से प्रेरित होता रहता हूं एवं मेरे हृदय में भी देश सेवा की भावना जागृत है। अपनी इसी भावना को मूर्तरूप देने के लिए मैंने गहन विचार किया जिससे उन उद्देश्यों की पूर्ति हो जो भारतीय ग्राम एवं ग्रामीणों के लिए गौतम बुद्ध एवं महात्मा गाँधी की परिकल्पना थी। यानी शिक्षित गाँव, स्वस्थ गाँव, समृद्ध गाँव, भयमुक्त गाँव एवं सुखी गाँव।

कार्यक्रम का क्रियान्वयन करना, कृषकों को जैविक खेती हेतु प्रोत्साहित करना तथा उन्हें सुरक्षित करना। उनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं का संग्रहण, विपणन करना एवं कृषकों को अनुदान हेतु किसान कार्ड तथा कृषकों के स्वास्थ्य बीमा आदि की व्यवस्था करना। अपने इसी विचार के संदर्भ में एक समूह बनाने का विचार मेरे भीतर प्रबल हुआ और मैंने अपने

शुभ आकांक्षियों के साथ 12.12.2012 में गौतम बुद्धा ग्रामीण फाउंडेशन की नींव डाली। कल का छोटा सा पौध हमारे शुभाकांक्षियों के सहयोग से आज वट वृक्ष का रूप ले चुका है और आशा है कि इसका भविष्य स्वर्णिम होगा एवं दूसरों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा। इसका कार्य क्षेत्र संपूर्ण भारत है। यह न्याय अधिनियम 1882 के अन्तर्गत नई दिल्ली से राष्ट्रीय स्तर का ट्रस्ट है जिसकी पंजीयन संख्या 1851/1882 है। इसकी स्थापना सशक्त पंचायती राज व्यवस्था में गौतम बुद्ध एवं महात्मा गाँधी की शिक्षित गाँव, स्वस्थ गाँव, समृद्ध गाँव, सुखी गाँव एवं भयमुक्त गाँव की परिकल्पना को साकार करने के लिए की गई है।

बिलास कुमार

संस्थापक–सह–राष्ट्रीय अध्यक्ष

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन : एक परिचय

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण भारत है। यह भारतीय न्याय अधिनियम 1882 के अन्तर्गत नई दिल्ली में रजिस्टर्ड राष्ट्रीय स्तर का ट्रस्ट है जिसका पंजीयन संख्या 1851/1882 है। इसकी स्थापना सशक्त पंचायती राज व्यवस्था में गौतम बुद्धा एवं महात्मा गांधी जी की परिकल्पना "शिक्षित गाँव, स्वस्थ्य गाँव, समृद्ध गांव, सुखी गांव एवं भयमुक्त गाँव तब सुखी भारत" को साकार करने के लिए की गई है। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन की आवधारणा है कि भारत तब तक विकसित नहीं होगा जब तक गाँवों के लोगों को मूलभूत सुविधाएँ शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं मानवाधिकार उपलब्ध नहीं होंगे।

गौतम बुद्ध एवं महात्मा गाँधी की समृद्ध राष्ट्र की परिकल्पना को साकार करने हेतु गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा चार क्षेत्रों का चयन किया गया है।

शिक्षा– प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा

कृषि–परंपरागत एवं अपरंपरागत कृषि कार्य, जैसे–डेयरी, फिशरीज, मशरूम, विभिन्न प्रकार के वन औषधियों, पौधें की खेती के क्षेत्र में प्रशिक्षण, प्रोत्साहन, बैंको से लोन, उत्पादों की बिक्री आदि

मानवाधिकार एवं न्याय संरक्षण

अपने इन महान उद्देश्यों की पूर्ति हेतु गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन, राज्य सरकार, भारत सरकार एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संगठनों, ट्रस्टों को परियोजना संचालन एवं मूल्यांकन में अपना सहयोग प्रदान करेगी।

इस कार्यक्रम से देश का सर्वागीण आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक विकास सम्भव हो सकेगा। भारत की कुल जनसंख्या का 47.3 प्रतिशत आबादी करीब 55 करोड़ लोग गाँव में निवास करती है। और इसमें लगभग 70 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। इस 70 प्रतिशत आबादी की दशा और दिशा अत्यन्त दयनीय है। जबकि आजादी के बाद अब तक ग्रामीणों के विकास के लिए लगातार कार्य किये जा रहे हैं पर आज तक उसकी दशा वही बनी हुई है।

गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउण्डेशन की चारों परियोजनाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं मानवाधिकार इन्हीं 70 प्रतिशत आबादी के लिए समर्पित है और इसके प्रशिक्षित एवं कर्मठ कार्यकर्ता इनके सशक्तीकरण हेतु कृतसंकल्पित है ।

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन के द्वारा गौतम बुद्ध एवं 20वीं सदी के महानायक देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सशक्त पंचायती राज के सपने को पूरा किया जाएगा। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन ग्राम प्रधान मुखिया को इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपने साथ जोड़ने का आग्रह करेगी और प्रत्येक पंचायत में फाउंडेशन के कार्यो को सुव्यवस्थित रूप से विकसित करेगी। राज्य सरकार, भारत सरकार, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ आदि संगठनों के द्वारा चलाये जा रहे ग्रामीणों के कल्याण हेतु कार्यों में बिना शर्त अपना सहयोग प्रदान करेगी।

संविधान का 73वां संशोधन

भारत सरकार ने ग्रामीण विकास को सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से ही संविधान का 73 वां संशोधन किया। यह सम्पूर्ण देश में 24 अप्रैल 1973 से लागू किया गया। इसकी 11वीं अनुसूची ग्रामीण विकास को प्रभावित करती है। इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि को जगह दी गई है। आइए, हम अपने इस देश को फिर से उसके पुराने गौरव को लौटाएं, स्वर्णिम राष्ट्र बनायें और राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की परिकल्पना शिक्षित गाँव, स्वस्थ्य गाँव, समृद्ध गाँव, सुखी गाँव एवं भयमुक्त गाँव तब सुखी भारत को साकार करें।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली

सदस्यता.....

.....

.....

प्रभारी.....

.....

.....

प्रशिक्षण.....

.....

.....

पदाधिकारी.....

.....

.....

बिलास कुमार
संस्थापक–सह–राष्ट्रीय अध्यक्ष

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

सदस्यता हेतु आवश्यक निर्देश

■ **पात्रता की आयु**–जिसकी आयु 18 वर्ष से अधिक हो गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन (जीबीआरडीएफ) की सदस्यता हेतु पात्र होंगे।

■ **सदस्यता शुल्क**– सदस्यता शुल्क के रूप में एकमुश्त साधारण सदस्य के लिए 11000/- और स्थाई सदस्य के लिए 21000/- जमा करना होगा।

■ **परिचय पत्र**– गौतम बुद्ध फाउंडेशन के सदस्यों को परिचय पत्र हेतु अतिरिक्त 500/- देने होंगे।

■ **प्रशिक्षण**– संस्थागत सदस्यों को प्रशिक्षण में संस्था संचालक के कौशल, परियोजना लोन और अनुदान के साथ–साथ सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी।

■ **कार्यक्रम**– जीबीआरडीएफ मिशन समर्थ युवा सशक्त भारत 2035 के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु चारों कार्यक्रमों शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं मानवाधिकार को अलग–अलग इकाई के रूप में संचालित करेगी।

■ **स्वतंत्र प्रभारी निदेशक**– सभी इकाई के स्वतंत्र प्रभारी निदेशक मनोनीत किए जाएंगे जिन पर उसे इकाई की स्वतंत्र जवाबदेही होगी। ये इकाई के कार्यक्रम निर्माण, प्रशिक्षण, कार्यक्रम संचालन आदि में अपना योगदान देंगे।

■ समय–समय पर आवश्यक परामर्श एवं सुझाव भी केंद्रीय कमेटी के इकाई के प्रभारी निर्देशकों एवं उनकी टीम को देंगे।

बिलास कुमार

संस्थापक–सह–राष्ट्रीय अध्यक्ष

गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन नई दिल्ली

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन: परियोजनाएं

परियोजनाओं के नाम :–

(क) **शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाली इकाई :–**

ग्रामीण शैक्षणिक शोध एवं अनुसंधान परियोजना
(Rural Educational Research and Investigation Project)

Rural	R
Educational	E
Research and	R
Investigation	I
Project	P

यह परियोजना RERIP के नाम से भी जानी जाएगी।

(ख) **स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने वाली इकाई :–**

ग्रामीण स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विकास परियोजना
(Rural health & family welfare Development Project)

Rural	R
Health and	H
Family	F
Welfare	W
Development	D
Project	P

यह परियोजना RHFWDP नाम से भी जानी जायेंगी।

(ग) **कृषि और बागवानी के क्षेत्र में कार्य करने वाली इकाई :–**

ग्रामीण कृषि और बागवानी विकास शोध एवं अनुसंधान परियोजना
(Rural Agriculture & Gardening Development Research and Investigation Project)

Rural	R
Agricultures	A
Gardening	G
Development	D
Research and	R
Investigation	I
Project	P

यह परियोजना RAGDRIP नाम से भी जानी जाएंगी।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

(घ) मानवाधिकार के क्षेत्र में कार्य करने वाली इकाई :-

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं न्याय संरक्षण

(International Conservation of Human Rights and Justice ICHRJ)

Investigational	I
Conservation of	C
Human	H
Rights and	R
Justice	J

यह परियोजना ICHRJ के नाम से भी जानी जाएंगी।

परियोजनाओं का उद्देश्य-

प्रस्तावित परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रहने वाले सभी बच्चे, पुरूषों, महिलाओं, वृद्धों, असहाय, कृषकों तथा जन समुदाय जैसे- अनुसुचित जाति, अ.ज.जा., पिछड़ी जाति एवं अन्य वर्गों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं उनके अधिकारों/मानवाधिकारों की रक्षा एवं सुविधा सुव्यवस्थित संरचना को विकसित कर उन्हें शिक्षित, स्वस्थ, समृद्ध एवं सुरक्षित बनाना है। इन चारों क्षेत्रों में पंचायत, प्रखण्ड, जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर जन सुविधाओं की व्यवस्था करना है। जिससे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की परिकल्पना शिक्षित गाँव, स्वस्थ गाँव, समृद्ध गाँव, सुखी गाँव एवं भयमुक्त गाँव तब सुखी भारत का सपना साकार हो सकेगा।

स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित समारोह में अतिथिगण एवं छात्र-छात्राएं।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

ग्रामीण शैक्षणिक शोध एवं अनुसंधान परियोजना

(Rural Educational Research Investigation Project)

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन के तहत ग्रामीण बच्चों को शैक्षणिक रूप से मजबूत बनाने हेतु रोजगार युक्त शिक्षा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई) स्तरीय प्राथमिक एवं माध्यमिक (10+2) स्तर की पढ़ाई उनके ग्राम पंचायत प्रखण्ड स्तर, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर संचालित करने की योजना है। सामुदायिक जन शिक्षा के क्षेत्र में 2 पुरूष 2 महिलाओं को प्रत्येक पंचायत से चयन कर उन्हें दो साल के प्रशिक्षण के उपरान्त उन्हीं के पंचायत में नियोजन करना।

देश के प्रत्येक ग्राम पंचायत में गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा एक प्राथमिक विद्यालय खोला जायेगा। जहाँ पंचायत के चुने हुए 300 परिवार के 300 बच्चे जिनकी आयु अधिकतम पांच से छह वर्ष का हो, जिनका नामांकन किया जायेगा। साथ ही इनको उचित शिक्षा व्यवस्था मुहैया कराई जाएगी। इन्हें बीमा की सुविधा तथा पंचायत स्तर पर बच्चों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा दी जाएगी ताकि देश के ग्रामीण बच्चे शहरी बच्चों की बराबरी कर सकें और आत्मनिर्भर हो सकें। (10+2) स्तर की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन के द्वारा उन्हें रोजगार मुहैया कराने की व्यवस्था होगी। उनसे गौतम बुद्धा फाउंडेशन के अन्तर्गत कार्यों में सहयोग लिया जायेगा।

पंचायत स्तर पर एक से पाँच वर्ग तक के विद्यालय की व्यवस्था, उन्हें अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दी जाएगी। जिनका वर्ग एक में नामांकन होगा वहीं बच्चे पांच साल तक अध्ययन करेंगे। उनके अध्ययन के लिए पूर्ण व्यवस्था होगी। प्रखण्ड स्तर पर एक विद्यालय दिया जायेगा। जहाँ बच्चे वर्ग छः से आठ तक की पढ़ाई पूरी कर सकेंगे। जिला स्तर पर गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन विभिन्न प्रकार के तकनीकी एवं व्यवसायिक पाठ्यक्रमों का भी संचालन अपने सहयोगी संस्थान के माध्यम से करेगी।

जिला स्तर पर वर्ग 9 से 12 तक की व्यवस्था होगी। निकट भविष्य में देश के कुछ प्रान्तों में पारा–मेडिकल कॉलेज एवं डेन्टल कॉलेज खोलने की भी योजना है।

इस परियोजना के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है–

1. सम्पूर्ण मानवता को शिक्षित करके निरक्षरता उन्मूलन एवं उसके नैतिक चारित्रिक एवं मानसिक विकास करने/शैक्षणिक स्तर उँचा करने लिए कार्यक्रम क्रियान्वयन और विद्यालय महाविद्यालय, तकनीकी और प्रबंधन संस्थान की स्थापना में राज्य सरकार, भारत सरकार राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों को सहयोग प्रदान करना है।
2. शिक्षा के विकास पर सेमिनार/कार्यशाला/सभा आयोजित करना और कार्यवाही के अनुरूप शिक्षा

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र–छात्राएं एवं अतिथिगण।

व्यवस्था में सुधार करना, तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षा अनिवार्य रूप से लागू करना।

3. प्रत्येक गाँव, पंचायत, प्रखण्ड, जिला स्तर, राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर बौद्धिक विकास केन्द्र, ध्यान, योग केन्द्र की स्थापना करना और अन्य संगठनों को वित्तीय तथा तकनीकी सहायता प्रदान करना।
4. पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम को जन–जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान देना। पर्यावरण प्रशिक्षण केन्द्र, पर्यावरण विकास एवं अनुसंधान केन्द्र को प्रोत्साहित करना। वित्तीय एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध कराना।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

5. शिक्षण–प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना और शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करना एवं उनके नियोजन के लिए अवसर सृजित करना और उन्हें नियोजित करना।

6. मानव संसाधन विकास एवं संवर्द्धन हेतु मानव शक्ति विकास प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना एवं संचालन करना, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सदस्य/संबद्ध संस्थाओं/संगठनों की स्थापना में सहयोग प्रदान करना, आर्थिक एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध कराना।

7. शैक्षणिक संस्थानों, तकनीकी और प्रबंधन संस्थानों, विश्वविद्यालयों/परिषदों से मान्यता एवं संबद्धता प्राप्त करना और शिक्षण/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना एवं अन्य संस्थाओं की स्थापना में सहयोग प्रदान करना और प्रमाण–पत्र/डिप्लोमा/डिग्री प्रदान करना।

8. शिक्षा के लिए आवश्यकता के अनुरूप अन्वेषित एवं प्रयोगात्मक पुस्तकों एवं पत्रिकाओं का मुद्रण एवं प्रकाशन का कार्य करना, शिक्षा के प्रचार–प्रसार हेतु टेली फिल्म/वृतचित्र/चलचित्र का निर्माण कार्य करना।

9. राष्ट्रीय महत्व के पुरातन धरोहर का संरक्षण के क्षेत्र में शिक्षा का विशेष कार्यक्रम संचालित करना और ऐतिहासिक महत्व के भवनों का जिर्णोद्धार करना एवं राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु रमणीक पर्यटक स्थल को विकसित करने हेतु होटल, रेस्टोरेंट, रिसोर्ट का निर्माण करना, कृत्रिम जलाशय, झील का निर्माण करना, नौका बिहार को प्रोत्साहित करना एवं पर्यटन और होटल प्रबंधन के क्षेत्र में शिक्षा कार्यक्रम संचालित करना।

10. स्वतंत्र भारत के संविधान और नागरिकों के मौलिक अधिकार के संबंध में जानकारी प्रदान करना और मानवीय मूल्यों की गरिमा की स्थापना, सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु कार्यक्रम सुनिश्चित एवं क्रियान्वित करना। मानवाधिकार और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में शिक्षण कार्यक्रम संचालित करना और मानवाधिकार/सामाजिक अधिकार हनन की रोकथाम के लिए आवश्यक कार्यक्रम सुनिश्चित एवं क्रियान्वित करना।

11. उपेक्षित ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क विद्यालय की स्थापना करना और इस कार्य हेतु राज्य सरकार/केन्द्र सरकार एवं राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों/संस्थानों से तकनीकी एवं वित्तीय सहयोग प्राप्त करना। आज यह राष्ट्र निर्माणकर्ता शिक्षक भारत के भाग्य विधाता छात्र को अपने स्वार्थ के चलते भगवान भरोसे छोड़े हुए हैं। अधिसंख्यक बच्चे स्कूल नहीं जाते और जो जाते भी हैं तो वे आठवीं तक शिक्षा पूरी नहीं कर पाते। ऐसे छात्रों की संख्या 80 फीसदी है।

चुनौती भरा कार्य

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन ने इस क्षेत्र की आवश्यकता और अपनी जवाबदेही को समझते हुए चुनौती भरा कार्य अपने हाथों में लिया है। यह कार्य है देश के एक–एक बच्चे को शिक्षित करने का, चाहे वह बच्चा अतिनिर्धन परिवार का ही क्यों ना हो। ऐसा करके हम शिक्षित गाँव की परिकल्पना के सपने को साकार कर सकेंगे।

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन की योजना है कि केन्द्रीय स्तर की पढ़ाई अंग्रेजी माध्यम में गाँव के बच्चे को निःशुल्क दी जाय ताकि वे शहरी बच्चों के साथ प्रतिस्पर्द्धा कर सकें और उनके माता–पिता भी शिक्षित हो सकें। जहाँ कभी भारतीय शिक्षा के महान गौरव नालन्दा एवं विक्रमशिला विश्वविद्यालय से शैक्षिणिक संस्थान देश के साथ–साथ पूरी दुनिया में विख्यात थे। यही आर्यभट्ट एवं चाणक्य जैसे महान आचार्यों की जन्मभूमि रही है। जीबीआरडीएफ समस्याओं का रोना रोने की बजाय इसमें कारगर कार्य योजना संचालित करना चाहती है क्योंकि शिक्षा ही विकास की प्रथम सीढ़ी होती है। भारत गाँव में बसता है। अतः शिक्षा का प्रारम्भ गाँव–पंचायत से शुरू करने की हमारी एक महत्वाकांक्षी कार्य योजना है।

संवैधानिक व्यवस्था

शिक्षा, विशेषकर बच्चों की शिक्षा के महत्व को स्वीकार करते हुए इसे हमारे संविधान के नीति निर्धारित तत्वों में सम्मिलित किया गया है। संविधान के भाग 4 के अनुच्छेद 45 में सभी के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध किया गया है।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

ग्रामीण स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विकास परियोजना

(Rural Health & Family Welfare Development Project (RHFWDP)

सामुदायिक जन–स्वास्थ्य के क्षेत्र में 2 पुरूष एवं 2 महिला को प्रत्येक पंचायत से चयन कर एवं एक साल के प्रशिक्षण के उपरान्त उन्हीं के पंचायत में नियोजित करना। इनका प्रमाण–पत्र मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली के द्वारा दिया जाएगा। जो सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता के रूप में जाने जायेंगे।

प्रत्येक पंचायत स्तर पर 5, प्रखण्ड स्तर पर 25, राज्य एवं जिला स्तर पर 100 बेडों वाले चिकित्सालय की व्यवस्था होगी। प्रत्येक पंचायत में प्रशिक्षित पुरूष एवं महिला को प्राथमिक उपचार के लिए पंचायत में नियोजित किया जाएगा। जो प्रखण्ड में पाँच एमबीबीएस पुरूष एवं पांच एमबीबीएस महिला चिकित्सा के सहायक होंगे।

प्रखण्ड में नियुक्त चिकित्सकों को प्रत्येक पंचायत के स्वास्थ्य केन्द्रों (गौतम बुद्धा स्मृति) स्वास्थ्य केन्द्रों पर कार्य करना होगा। साथ ही प्रत्येक प्रखण्ड में स्वास्थ्य कार्य हेतु एम्बुलेन्स की व्यवस्था होगी, जिसमें कार्यों में कठिनाई न हो।

प्रत्येक पंचायत में दवा घर, जाँच घर आदि की व्यवस्था होगी। इससे बड़े प्रखण्ड में और उससे बड़े जिला स्तर पर व्यवस्था होगी। जिसमें मानव शक्ति का विकास कार्य एवं बहुद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता को रोजगार व आत्मनिर्भरता मिल सकेगी।

स्वास्थ्य परामर्श केन्द्र, स्वास्थ्य जागरूकता शिविर, निःशुल्क दवा वितरण, ग्रामीण स्वच्छता, स्वास्थ्य सर्वेक्षण कार्य, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम के संबंध में ग्रामीणों को जानकारी प्रदान करना, जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम का क्रियान्वयन में सुनिश्चित करना मलेरिया उन्मूलन, कुष्ठ उन्मूलन, एड्स जागरूकता और नियंत्रण, टी. बी. उन्मुलन, आरसीएचआरएच, कैंसर जागरूकता और नियंत्रण कार्यक्रम आदि के क्रियान्वयन में सक्रिय सहयोग प्रदान करना जागरूकता और कार्यक्रम आदि के क्रियान्वयन में सक्रिय सहयोग प्रदान करना, मातृत्व के समय सहायता उपलब्ध करने हेतु ग्रामीण प्रसव कार्यकर्ता तैयार किया जाएगा। दाई का प्रशिक्षण कार्य, स्वास्थ्य शिविर का आयोजन और रोगियों की पहचान और पंजीकरण आदि की व्यवस्था करना भी कार्यक्रम का अंग होगा।

कार्यक्रम के उद्देश्यों को निम्नलिखित वर्गों में रखा जा सकता है –

1. स्वास्थ्य संवर्द्धन, स्वास्थ्य शिक्षा एवं प्रशिक्षण चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में नवीनतम तकनीक विकसित करना और स्वास्थ्य से संबद्ध संस्थाओं/संगठनों के माध्यम से कार्य करना तथा संस्थाओं/संगठनों को तकनीकी एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना।

2. राज्य स्तर/जिला स्तर/प्रखण्ड स्तर/पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य केन्द्र, परिवार कल्याण केन्द्र एवं अस्पताल खोलने में राज्य सरकार, भारत सरकार, संस्थाओं/संगठनों/ट्रस्टों को सहयोग प्रदान करना। बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता को प्रशिक्षण प्रदान करना। स्वास्थ्य केन्द्र, परिवार कल्याण केन्द्र एवं परामर्श केन्द्र का संगठन और प्रबंधन हेतु स्वास्थ्य के क्षेत्र में मानव शक्ति का विकास करना।

3. राज्य एवं जिला स्तर पर मेडिकल कॉलेज, डेंटल कॉलेज, पारा मेडिकल, एलाएड मेडिकल प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करना और स्थापना में सदस्य संस्थाओं को सहयोग प्रदान करना। आर्थिक एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध कराना एवं विकास हेतु अन्वेषण और शोधकार्य करना।

मेडिकल और पारामेडिकल कॉलेज–

4. ग्रामीण जनों को रोग मुक्त जीवनयापन के लिए प्रोत्साहित करना और स्वास्थ्य जागरूकता शिविर एवं अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों को आयोजित करना एवं स्वस्थ समाज की स्थापना करना।

5. आयुर्वेद, होमियोपैथी, योग, ध्यान और यूनानी चिकित्सा पद्धति के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं/विद्यालयों /महाविद्यालयों ट्रस्टों आदि से सम्बद्धता प्राप्त करना और इसके विकास हेतु कार्यक्रमों को सुनिश्चित कर क्रियान्वित करना एवं प्रशिक्षण कार्य करना।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

6. विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं एशियन डेवलपमेंट बैंक आदि के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान करना।

7. जनसंख्या नियंत्रण, मलेरिया नियंत्रण, कैंसर नियंत्रण, एड्स उन्मूलन, टी.बी. उन्मूलन, डेंगू मच्छर का प्रकोप आदि में सरकार/संस्थाओं का कार्यक्रम क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान करना।

8. जड़ी–बूटी वनौषधि आदि से औषधि तैयार करना, उसके निर्माण के लिए प्रशिक्षण देना, पेटेंट कराना, संगठन कराना, पैकेजिंग करना और विपणन की व्यवस्था करना एवं देश–विदेश में निर्यात करना।

9. कुपोषण, महामारी आदि से आम जनता को बच. ाना। विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य कार्यक्रमों का संचालन करना, ग्राम स्वच्छता, पेयजल, शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति हेतु फिजियोथेरैपी के माध्यम से चि. कत्सा सेवा उपलब्ध कराना।

10. टी.बी., डायरिया एवं प्रसूति संबंधित रोगों से बचाव हेतु जन जागरण कार्यक्रम एवं निःशुल्क हेल्थ कैम्पों के आयोजन द्वारा इन रोगों के सक्षम रोकथाम में सरकार के सहायक की भूमिका निभाना।

स्वास्थ्य समस्याएँ एवं उसके समाधन हेतु काम करना–

आजादी के बाद से अब तक देश ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति तो की है मगर ग्रामीणों की स्वास्थ्य जन समस्या जस की तस है। अधिसंख्य आबादी झोलाछाप डॉक्टरों एवं उनके दलालों, ओझा एवं झाड़–फूंक के मकड़जाल में बुरी तरह फंसी हुई है। इस देश में आज भी प्रति मिनट एक व्यक्ति टी.बी. के कारण मौत के आगोश में सो जाता है। ग्रामीण महिलायें अप्रशिक्षित दाईयों से प्रसव कराने के लिए मजबूर है। एक तरफ मलेरिया, फाइलेरिया, डेंगू, कालाजार, कुष्ठ, कुपोषण, जैसी भयानक बीमारियों एवं महामारी की गाँवों में दवा की उपलब्धता नहीं है। आम लोगों को स्वस्थ रखने वाला स्वास्थ्य विभाग खुद मृत्यु–शैय्या पर पड़ा है।

एक प्रसिद्ध दैनिक अखबार की एक रिपोर्ट को देखें तो लगता है कि स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने हेतु हम कृत संकल्पित हैं। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु राज्य के प्रत्येक पंचायत से शिक्षित बेरोजगार युवक एवं युवतियों को सामुदायिक स्वास्थ्य रक्षक के लिए चयनित कर प्रशिक्षण देगी और इनकी सेवा फाउण्डेशन के स्वास्थ्य परियोजनाओं एवं ग्रामीणों के कल्यानार्थ ली जायेगी।

स्वास्थ्य परियोजनाएं–

ग्राम पंचायत के सभी परिवारों का स्वास्थ्य सर्वेक्षण कर, एक विस्तृत कार्य योजना के तहत स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने हेतु अनुभवी चिकित्सकों की मदद ली जायेगी ताकि ग्रामीणों का उचित स्वास्थ्य संवर्द्धन हो सके। इस सर्वेक्षण में सभी परिवारों हेतु एक विशेष स्वास्थ्य दस्तावेज तैयार किए जाऐंगे, जिसमें परिवार के सदस्यों की संख्या शामिल की जाएंगी। जिसमें परिवार के सदस्यों की संख्या आनुवांशकीय बीमारी, परिवार अपने स्वास्थ्य सेवा के लिए किस चिकित्सक के सम्पर्क में हैं, मासिक व वार्षिक खर्च सहायक संगठन आदि की विस्तृत जानकारी सर्वेक्षण के दौरान ली जायेगी।

ताकि ग्रामीणों को किसी भी प्रकार के स्वास्थ्य की समस्या व समाधान के लिए उनके ग्राम पंचायत में प्रशिक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य रक्षक ;महिला एवं पुरूष चौबीसों घंटे उपस्थित हो सकें क्योंकि दवा एवं जाँच के लिए शहरों में जाने पर लागत से ज्यादा खर्च व समय लगता है जिससे उनका आर्थिक व श्रम दोनों की हानि होती है। उपरोक्त सभी काम फाउण्डेशन द्वारा प्रशिक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता करेंगे। ये केवल प्राथमिक स्वास्थ्य कार्य करेंगे और एमबीबीएस चिकित्सकों को सहायता प्रदान करेंगे।

सामुदायिक स्वास्थ्य रक्षक वस्तुतः ग्रामीणों के स्वास्थ्य रक्षक होंगे। यही सामुदायिक स्वास्थ्य रक्षक उनके अन्दर बैठे भ्रम, अंधविश्वास, झोलाछाप डॉक्टरों एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से मुक्ति दिलायेंगे।

प्रखण्ड स्तर की स्वास्थ्य सेवा–

राज्य के प्रत्येक प्रखण्ड स्तर पर फाउण्डेशन द्वारा 25 बेड वाले अत्याधुनिक अस्पताल बनाये जायेंगे, जहां एक्स–रे, पैथोलैब एवं एम्बुलेन्स आदि की सुविधा 24 घंटे तथा 5 पुरूष एवं 5 महिला एमबीबीएस चिकित्सक की व्यवस्था रहेगी। प्रखण्ड स्तर के इस स्वास्थ्य केन्द्र में पंचायत के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य रक्षक सहयोगी होंगे।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

जिला स्तर की स्वास्थ्य सेवा–

यह जिला का प्रमुख स्वास्थ्य केन्द्र होगा जहाँ जिला भर के सभी प्रखण्ड के चिकित्सा केन्द्रों से भेजे गये रोगियों के लिए राज्य चिकित्सा एवं आपातकालीन सेवा उपलब्ध रहेगी। यहाँ बच्चों, महिलाओं एवं वृद्धों के लिए अलग–अलग वार्ड की भी व्यवस्था होगी। फाउण्डेशन अपने तीन स्तरीय (पंचायत/प्रखण्ड एवं जिला) कार्यक्रमों से आम जनता को स्वास्थ्य संबंधित सेवा हेतु सुखद एहसास दिलाना चाहती है और बताना चाहती है कि उन्हें अथवा उनके परिजन की बीमारी के समय हम उनके साथ दिल से जुड़े हैं। इस कार्यक्रम से हम उस कमी और अभाव को भी खत्म करना चाहते हैं जो उन्हें इलाज के दौरान खलती है। हम विश्वास और सेवा की परम्परा कायम करना चाहते हैं क्योंकि आप हमारे हैं और हमें आपका ख्याल है।

स्वस्थ राष्ट्र संकल्प हमारा–

राज्य के प्रत्येक पंचायत में बनने वाले इस गौतम बुद्धा स्मृति भवन से फाउण्डेशन की चारों परियोजनाएँ (शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं मानवाधिकार) संचालित की जाएगी। इसी भवन में दवा घर एवं जाँच घर तथा बूथ भी होगी। जहाँ से (सी.एच.डब्ल्यू) जनता की सेवा कर सकेंगे।

जीबीआरडीएफ की ओर से आयोजित स्वास्थ्य शिविर में जांच कराते आईजीआईएमएस के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. मनीष मंडल।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

ग्रामीण कृषि और बागवानी विकास, शोध एवं अनुसंधान परियोजना

Rural Agricultures Gardening Development Research & investigation project (RAGDRIP)

सामुदायिक जन कृषि के क्षेत्र में दो पुरूष, दो महिलाओं को प्रत्येक पंचायत से चयन कर एक साल के प्रशिक्षण उपरान्त उन्हें पंचायत में नियोजित करना जिनका प्रमाण–पत्र मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के द्वारा दिया जाएगा। इन्हें सामुदायिक कृषि रक्षक के नाम से जाना जायेगा। जिनका कार्य कृषकों को कृषि से संबंधित सभी समस्याओं का समाधन करना होगा। साथ ही कृषि संबंधी कार्य के लिए साधन की व्यवस्था गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन के द्वारा महात्मा गांधी स्मृति कृषि केन्द्र पर दिया जाएगा। यह भवन पंचायत स्तर पर होगी और इससे बड़े प्रखण्ड और प्रमुख जिलों में होगी।

कृषि केन्द्र पर खाद, बीज, कीटनाशक दवा, अत्याधुनिक उपकरण, सौर–उर्जा द्वारा प्रकाश, पीने का पानी, सिंचाई की समुचित व्यवस्था, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती एवं प्रसंस्करण विकास कार्यक्रम (हर्बल स्वास्थ्य वाटिका योजना सहित) जल कृषि विकास कार्यक्रम (हर्बल स्वास्थ्य वाटिका योजना सहित) जन कृषि विकास कार्यक्रम, जैविक खेती एवं वर्मीकल्चर विकास कार्यक्रम, विदेशी संबंधी खेती विकास कार्यक्रम, ग्रामीण मानव संसाधन विकास कार्यक्रम, समन्वित कृषि तकनीकी प्रसार कार्यक्रम, खाद्य प्रसंस्करण विकास कार्यक्रम, उन्नत बीज उत्पादन विकास कार्यक्रम, फूलों की खेती एवं प्रसंस्करण विकास कार्यक्रम, उन्नत मधुमक्खी पालन एवं प्रसंस्करण विकास कार्यक्रम, उन्नत उद्यान विकास कार्यक्रम, एग्री क्लीसिक्स एवं कृषि व्यवसाय केन्द्रों, उद्यमिता विकास केन्द्रों की श्रृंखला (चेन), कृषि–उत्पाद विपणन विकास कार्यक्रम आदि की व्यवस्था के साथ ही प्रखण्डों में चार कृषि विशेषज्ञों की नियुक्ति की जायेगी।

ग्रामीण कृषि और बागवानी विकास, शोध एवं अनुसंधान के कार्य परियोजना द्वारा इस प्रकार होगी–

1. कृषि के क्षेत्र में अन्वेषित नवीन प्रौद्यौगिकी विकसित करना एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी, बायोटेक्नोलॉजी का स्थानान्तरण ग्रामीण क्षेत्रों में करना और किसानों को उन्नत कृषि में प्रशिक्षण प्रदान हमारा लक्ष्य है।
2. जल छाजन, अति सूक्ष्म जल छाजन, जल एवं भूमि संरक्षण, बंजर भूमि विकास, कृषि और वृक्षारोपण कार्यक्रम के क्रियान्वयन में राज्य सरकार, भारत सरकार, संगठनों एवं ट्रस्टों को सहयोग प्रदान करना एवं संचालन में सदस्य संस्थाओं को आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करना।
3. बाढ़ नियंत्रण हेतु कार्यक्रम क्रियान्वित करना और कृषि के क्षेत्र में होने वाली क्षति की पूर्ति हेतु कार्य योजना तैयार करना और सरकार एवं संगठनों के सहयोग से क्रियान्वयन करना।
4. कृषि, जल और पेयजल के जीवन स्त्रोत विकसित करना, प्राकृतिक जल संसाधन जैसे झील, नदी, बांध, तालाब के जीर्णोद्धार हेतु कार्यक्रम सृजित करना, नहर, आहर, छिलका, पैन इत्यादि का निर्माण और जीणोद्धार कार्य करना और जल संकट से बचाने हेतु जल स्तर को उँचा उठाने के लिए अन्वेषण, शोध एवं प्रयोगात्मक कार्यक्रम क्रियान्वित करना और अन्वेषण से प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर सरकार, राजीव गाँधी फाउण्डेशन, विश्व बैंक, विश्व स्वास्थ्य संगठन, एशियन डेवलपमेंट बैंक, यूनिसेफ आदि के सहयोग से परियोजना सुनिश्चित एवं क्रियान्वित करना।
5. किसानों को उन्नत कोटि के बीज एवं खाद उपलब्ध कराना, विकसित यंत्र उपलब्ध कराना, औषधीय पौधे की खेती हेतु किसानों को प्रशिक्षित करना, उत्पादित वस्तुओं के विपणन, भंडारण और सुरक्षा हेतु बिक्री केन्द्र, शीतगृह और भंडारगृह, बीमा योजना आरंभ करना, कृषि उत्पाद बीमा, कृषि क्लीनिक, कृषि व्यापार, कृषि सूचना केन्द्र एवं परियोजना निर्माण इत्यादि की स्थापना करना और स्थापना हेतु परामर्श देना।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

6. किसानों के लिए ग्रामीण क्षेत्र में कार्य करने वाले स्वयंसेवी संगठनों और किसानों के लिए बैंक की स्थापना करना उनके हितों के लिए कार्यक्रम संचालित करना, वृद्ध किसानों के लिए वृद्धाश्रम का संचालन करना और कृषकों के स्वास्थ्य संवर्द्धन हेतु आकस्मिक चलंत चिकित्सा केन्द्र की स्थापना करना।

7. कृषि एवं बागवानी विकास पर सेमिनार, कार्यशाला, गोष्ठी/बैठक का आयोजन करना और अनुभवों का आदान–प्रदान करना। पंचायत स्तर, प्रखण्ड स्तर, जिला स्तर एवं राज्य स्तर पर कृषि विकास केन्द्र की स्थापना करना एवं शोध कार्य करना।

8. कृषकों के विकास हेतु देश के सभी क्षेत्रों में कृषक पंचायत की स्थापना और उसके माध्यम से सरकारी सुविधा उपलब्ध कराने हेतु कार्यक्रम का क्रियान्वयन करना, कृषकों को जैविक खेती हेतु प्रोत्साहित करना तथा उन्हें सुरक्षित करना। उनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं का संग्रहण, विपणन करना एवं कृषकों को ऋण एवं अनुदान हेतु किसान कार्ड तथा कृषकों के स्वास्थ्य बीमा आदि की व्यवस्था करना।

9. सौर ऊर्जा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र को सौर ऊर्जा ग्राम के रूप में विकसित करना, सोलर पार्क विकसित करना। पंचायतों के सशक्तीकरण हेतु कार्यक्रम सुनिश्चित करना एवं निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को ग्रामीण विकास के क्षेत्र में प्रशिक्षित करना और परियोजना निर्माण में तकनीकी सहायता उपलब्ध कराना और जनप्रतिनिधियों से ग्रामीण विकास कार्यक्रम संचालित करने हेतु निधि प्राप्त करना।

10. पंचायतों के सशक्तीकरण हेतु कार्यक्रम सुनिश्चित करना एवं निर्वाचित जन–प्रतिनिधियों को ग्रामीण विकास के क्षेत्र में प्रशिक्षित करना और परियोजना निर्माण में तकनीकी सहायता उपलब्ध करवाना और जन–प्रतिनिधियों से ग्रामीण विकास कार्यक्रम संचालित करने हेतु निधि प्राप्त करना।

11. गरीबों की आय–उत्थान, सीमांत किसानों, मजदूरों एवं अन्य गरीबों की आय में बढ़ोतरी के लिए उनका मार्गदर्शन एवं सहायता करने हेतु कृषि, पशुपालन, डेयरी एवं अन्य लघु उद्योगों से संबंधित जानकारी देकर गरीबों का मार्गदर्शन करना तथा उनकी आय वृद्धि के लिए प्रयास करना।

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन कृषि एवं कृषकों की दशा एवं दिशा पर व्यापक नजर रखे हुए हैं। उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित कराने हेतु हम प्रयत्न जारी रखेंगे। 70.4 प्रतिशत गाँव में रहने वाली आबादी में से 70 प्रतिशत भाग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अपनी आजीविका के लिए कृषि पर आश्रित हैं। सरकार के प्रयत्न एवं लाखों–करोड़ों रूपयों की लागत वाली परियोजनाओं के बावजूद कृषि समस्या सुलझे नहीं सुलझ रही है और किसान दिन–प्रतिदिन खेती के प्रति उदासीन हो रहे हैं। कृषि प्रधान देश के लिए यह खतरे की घंटी है। गौतम बुद्धा विकास फाउण्डेशन अपने कृषि परियोजनाओं में कृषि के विकास पर बल देती है। कृषकों के सशक्तीकरण, सामाजिक प्रतिष्ठा एवं आर्थिक उन्नति हेतु गौतम बुद्धा फाउण्डेशन द्वारा परियोजनाएँ संचालित की जाएंगी।

किसान सूचना केन्द्र : महात्मा गाँधी स्मृति कृषि केन्द्र भवन में पंचायत के किसानों हेतु कृषि संबंधी सभी आवश्यक जानकारियां उपलब्ध होंगी। उनकी (कृषकों) आवश्यकता के अनुसार कृषि संबंधी जानकारियां भी उपलब्ध करायी जाएंगी।

कृषकों का संगठन : कृषकों के असंगठित होने के कारण कृषकों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ता है और इसका फायदा बाजार में बैठे बिचौलिये व दलाल उठाते हैं। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन किसानों को संगठित करने की तरफ कदम उठायेगी। इसके लिए किसान पंचायत का गठन किया जायेगा। इसमें पंचायत के प्रत्येक गाँव से किसानों को किसान पंचायत की सदस्यता दी जायेगी।

कृषकों के लिए प्रशिक्षण : गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किये गये अत्याधुनिक खोजों को क्षेत्रीय अथवा हिन्दी भाषा में प्रकाशित कर किसानों तक उपलब्ध करायेगी। इनके लिए समय–समय पर निःशुल्क प्रशिक्षण इन्हीं की भाषा में दिये जायेंगे।

उपलब्धता : आज भी कृषि क्षेत्र में लगे अधिसंख्य लोग अशिक्षित हैं। इसका फायदा बाजार में बैठे चतुर व्यवसायी उठा ले जाते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए किसानों द्वारा ही संचालित पंचायत स्तर पर सभी प्रकार के कीटनाशकों, दवाओं, रसायनिक खादों, बीज, कृषि में उपयोग आनेवाले औजारों व वृक्षारोपण के साथ–साथ कृषि एवं किसान बीमा की सेवा उपलब्ध कराई जायेगी।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

जीबीआरडीएफ की ओर से आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में तत्कालीन मुख्य सचिव अंजनी कुमार सिंह एवं अन्य।

महात्मा गाँधी एवं भारत रत्न राजीव गाँधी के सपने प्रशिक्षित गाँव, स्वस्थ गाँव, समृद्ध गाँव, सुखी गाँव एवं भयमुक्त गाँव तब सुखी भारत के अनुसार कृषकों की आत्मनिर्भरता के लिए सिंचाई एवं पीने के पानी के साथ–साथ बिजली की व्यवस्था करना अनिवार्य है। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन के द्वारा कृषि परियोजनाओं में पशुपालन पर खास नजर रखी जायेगी एवं इसके लिए विशेष सहयोग पंचायत के किसानों को दी जायेगी।

इस कार्यक्रम के तहत विशेष सहयोग पंचायत के किसानों को दी जायेगी। इस कार्यक्रम के तहत गाय पालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, भेड़ पालन आदि की जानकारी दी जायेगी। गौ पालन की विशेष जानकारी एवं किसानों को उससे होने वाले लाभ के बारे में बताया जायेगा।

अपरम्परागत खेती : किसानों को बागवानी एवं अप. रम्परागत खेती, जैसे मशरूम, वन औषधीय पौधे की खेती के विषय में प्रशिक्षिण एवं उनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बिक्री एवं मूल्यांकन की व्यवस्था की जायेगी। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन की कृषि परियोजना का मुख्य उद्देश्य देश के किसानों को संगठित करना एवं उनकी भाषा में वैज्ञानिक खोज को बताना है ताकि वे खुद आत्मनिर्भर बन सकें एवं देश के विकास में अपना सहयोग दे सकें। उन्हें ऐसा न लगे कि विकास की इस दौड़ में हम पीछे हैं और हमें देखने वाला कोई नहीं है।

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन की चारों परियोजनाएँ देश के सभी पंचायतों में अगले चन्द वर्षों के अन्दर पहुँचायी जायेगी। इन चारों कार्यक्रम को भारत के महान सपूत महात्मा गाँधी को श्रद्धांजलि स्वरूप समर्पित किया गया है, एवं उनकी परिकल्पना प्रशिक्षित गाँव, स्वस्थ गाँव, समृद्ध गाँव, सुखी गांव एवं भयमुक्त गाँव तब सुखी भारत का सपना साकार करने के लिए गौतम बुद्धा फाउण्डेशन कृत संकल्पित है।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं न्याय संरक्षण

International Conservation of Human Rights & Justic (ICHRJ)

मानवाधिकार का सम्पूर्ण विचार दर्शन, मानव सभ्यता और संस्कृति से संबंधित है। व्यक्ति से परिवार और परिवार से समाज की यात्रा में मनुष्य के नैसर्गिक एवं प्राकृतिक अधिकारों के विचार ने जन्म लिया। सभ्यता और संस्कृति की चिंतनधारा में मानव की अस्मिता, मानवीय गरिमा की सर्वोच्चता, मानवीय प्रतिष्ठा की अपरिहार्यता और मानव के सर्वांगीण विकास का भाव प्रकट हुआ। इस विश्वव्यापी और सार्वभौमिक अवधारणा में देश और समाज के परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकार के विभिन्न संदर्भ और आयाम भी दृष्टिगोचर होंगे। समाज में माता–पिता और बच्चों की देखभाल, बाल–विवाह, बाल श्रम, बाल दुर्व्यवहार, बंधुआ मजदूरी, महिलाओं का देह व्यापार, महिलाओं पर अत्याचार, भ्रूण हत्या, भ्रष्टाचार, अपराध, अल्पसंख्यकों, दलितों, वृद्धजनों तथा कमजोर वर्ग की समस्याओं, गरीबी आदि मानवाधिकारों का जो गंभीर उल्लघंन होगा, उसके समाधन की दिशा में कार्य किया जायेगा। वस्तुतः शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के अधिकार की मनाही, मानव अस्तित्व को हाशिये पर खड़ा करती है। किसानों द्वारा आत्म हत्याएँ, भुखमरी से हुई मौत सभ्य समाज पर कलंक है। मानव से संबंधित समस्याओं, अत्याचार आदि को दूर करने के लिए गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन के उपक्रम अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं न्याय संरक्षण का गठन किया गया है। जो भारत में मानव अधिकारों के संरक्षण तथा प्रोत्साहन के लिए किए जा रहे कार्यों का बोध कराता है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के क्रियाकलापों एवं संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा मानवाधिकारों की सर्वभौम घोषणा के उपरांत है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन 12 अक्टूबर 1993 में भारत में किया गया था।

इसी के कार्यों में सहयोग देने एवं अपने स्तर से भी कार्यों के निष्पादन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं न्याय सरंक्षण का गठन गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन के अर्न्तगत किया गया है। यह एक राष्ट्रीय स्तर का न्याय ट्रस्ट है, जिसका कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण भारत है।

अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार पर जीबीआरडीएफ के कार्यक्रम में उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस राजेन्द्र प्रसाद, पीयू के पूर्व वीसी प्रो. आर. बी. सिंह व अन्य।

1. **अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं न्याय संरक्षण (आई.सी.एच.आर.जे)** – यह मानवाधिकार एवं न्याय के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई है।
2. **कानूनी सहायता के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई** – अन्तर्राष्ट्रीय लोक न्याय एवं कानूनी सहायता विश्वसंघ अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं न्याय संरक्षण (आई.सी.एच.आर.जे)

(IPJLAWF International Public Justice & Legal Aid World Federation)

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

3. भ्रष्टाचार निरोधक एवं अपराध से सुरक्षा के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई – अन्तर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक एवं अपराध सुरक्षा विश्वसंघ
(IACCPWF International Anti corruption & crime protective world Federation)

4. जाँच एवं अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई :– अन्तर्राष्ट्रीय अपराध जाँच एवं अनुसंधान विश्व संघ (ICBIWF International crime bureaks Investigation world Federation)

5. अपराध मुक्त व्यापार के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई :– अन्तर्राष्ट्रीय अपराधमुक्त व्यापार विश्व संघ
(ICFTWF International crime free rude world federation)

6. सेना कार्य के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई – अन्तर्राष्ट्रीय अपराधमुक्त सेना
(ICSA International Crime Solvation Picket)

7. भ्रूण हत्या के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई – अन्तर्राष्ट्रीय भ्रूण हत्या निरोधक एवं सुरक्षा विश्व संघ
(IAFPWF International Anti Feticides Protective World federation)

8. बाल मजदूरी के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई – अन्तर्राष्ट्रीय बाल मजदूरी सुरक्षा एवं संरक्षण विश्व संघ
(ICLCPWF International Child Labour Conservation & Protection World Federation)

9. मानव संसाधन एवं जन कल्याण के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई – अन्तर्राष्ट्रीय मानव संसाधन एवं जन कल्याण विकास विश्वसंघ
(ICLCPWF International Child Labour Conservation & Protection World Federation)

10. मूल्य नियंत्रण एवं निर्धारण के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई – अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य नियंत्रण एवं निर्धारण विश्वसंघ (IPCVWF International Price Controls Valuation World Federation)

11. महिला अधिकार एवं अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई– अन्तर्राष्ट्रीय महिला अधिकार एवं अपराध नियंत्रण विश्वसंघ
(IWRCCWF International Women Rights and Crime Control World Federation)

12. चिकित्सा एवं तकनीकी के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई – अन्तर्राष्ट्रीय चिकित्सा एवं तकनीकी जाँच अनुसंधान विश्व संघ
(IMTIBWF International Medicals Technical Investigation Bureau)

13. सूचना एवं प्रौद्योगिकी विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई – अन्तर्राष्ट्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी खोज एवं प्रशिक्षण विश्वसंघ
(IITRTWF International Information & Technological Resource & Training World Federation)

14. पुरातत्व सुरक्षा एवं संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई – अन्तर्राष्ट्रीय पुरातत्व सुरक्षा एवं संरक्षण विश्व संघ
(IAPCWF International Archeological Conversations Protection World Federation)

15. वृद्धों के संरक्षण एवं सुरक्षा के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई :–
(IOCPWF International Old Age Conversations Protection World Federation)

16. सफाई कर्मचारी के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई – अन्तर्राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी संरक्षण एवं सुरक्षा विश्वसंघ (ISKCPWF International Safai Karmchari Conservation & Protection World Federation)

17. विकलांगता के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई – अन्तर्राष्ट्रीय विकलांग संरक्षण एवं सुरक्षा विश्वसंघ (IHCPWF International Handicapped Conservation & Protection World Federation)

18. जासूसी के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई– अन्तर्राष्ट्रीय जासूसी विश्वसंघ (IDWF International Detective World Federation)

19. अनाथ बालक के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई – अन्तर्राष्ट्रीय अनाथ बालक संरक्षण एवं सुरक्षा विश्वसंघ (IOCCPWF International Orphan Child Conservation to Protection World Federation)

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

20. बाल एवं वयस्क वेश्यावृत्ति के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई – अन्तर्राष्ट्रीय बाल एवं वयस्क वेश्यावृत्ति संरक्षण एवं सुरक्षा विश्वसंघ (ICEPCPWF International Child Adults Prostitution Conversations Protection World Federation)

21. पशु पर्यावरण एवं वातावरण के क्षेत्र में कार्य करने वाली इकाई – अन्तर्राष्ट्रीय पशु पर्यावरण एवं वातावरण संरक्षण सुरक्षा विश्वसंघ (IAPECPWF International Animals Polluting Environment Conversations Protection World Federation)

निम्नलिखित सभी कार्यों अथवा इनमें से किसी एक कार्य का निष्पादन करेगा–

(ICHRJ International Conservation of Human Rights & Justice)

1. संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा मानवाधिकारों की सर्वभौम घोषणा 10 दिसम्बर 1948 महासभा संकल्प 217 (II) द्वारा पारित घोषणा के अनुरूप कार्य सम्पादित करना।
2. मानवाधिकार की रक्षा हेतु कानून के द्वारा शांतिपूर्ण ढ़ंग से प्रयास करना।
3. मानवाधिकार की सुनिश्चितता हेतु भारतीय नागरिकों के भोजन, आवास, वस्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य क्षेत्रों में कल्याणकारी एवं वैचारिक कार्य करना।
4. सरकारी, अर्द्धसरकारी महकमों से सम्बन्धित मानवाधिकारों के विपरीत जन–शिकायतों को प्राप्त करना, समाधान हेतु प्रयास करना, भ्रष्टाचार उन्मूलन हेतु प्रयास करना तथा आवश्यक स्त्रोतों के द्वारा न्याय दिलाना, सूचना का अधिकार तथा पारदर्शिता को सार्वजनिक सरकारी कार्यकलापों का अनिवार्य अंग बनाने हेतु जनहित में वांछित सूचनाओं को प्राप्त करना ताकि मानवाधिकार को महफूज रखा जा सके।
5. सरकारी/गैर सरकारी क्षेत्रों में या समाज के किसी वर्ग या व्यक्ति से यदि मानवाधिकार पर खतरा हो या हनन हो तो उसके निवारणार्थ प्रयास करना तथा पीड़ित नागरिक को सभी प्रकार से सहायता प्रदान करना।
6. नागरिक सुरक्षा अधिनियम का प्रचार–प्रसार करना एवं हर नागरिक के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना इत्यादि।
7. सूचना केन्द्रों की स्थापना, आम जनता एवं मीडिया को प्रत्येक कार्यक्रम के तहत मानवाधिकारों की जानकारी देना।
8. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम का प्रचार–प्रसार करना एवं कानूनी संरक्षण एवं सहायता दिलाना।
9. पंचायती राज के अधिकारों को लोगों के बीच जानकारी देना।
10. मानवाधिकार विषयक संधियों तथा अन्य अन्तर्राष्ट्रीय प्रपत्रों का अध्ययन करना एवं उसके प्रभावी कार्यान्वयन की अनुशंसा करना।
11. किसी न्यायालय में विचाराधीन मानव अधिकारों के हनन के मामले में न्यायालय की अनुमति से ऐसे मामले की कार्यवाही में हस्तक्षेप करना।
12. सरकार से सहयोग लेकर किसी जेल अथवा राज्य सरकार के नियंत्राणधीन किसी ऐसे संस्थान का जहाँ लोगों को चिकित्सा सुधार अथवा सुरक्षा हेतु अथवा ठहराया गया है, वहाँ के निवासियों को आवासीय दशाओं के अध्यनार्थ निरीक्षण करना और उनके बारे में अपने सुझाव एवं सहायता देना।
13. आतंकवादियों सहित ऐसे तत्वों की समीक्षा करना जो मानव अधिकारों का उपयोग करने में बाधा डालते हैं ताकि उनके निवारण के लिए समुचित उपायों की सिफारिश की जा सके।
14. मानवाधिकार विषयक संधियों, अनुसंधान कार्यों को अपने हाथ में लेना एवं उसे बढ़ावा देना।
15. उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए निःस्वार्थ और निःशुल्क रूप से आवश्यक कदम उठाना एवं सरकार या समाज सेवी संस्थाओं को सभी तरह के सहयोग करना।
16. देश के सभी राज्यों की सामाजिक समस्या का अध्ययन एवं निराकरण का उपाय ढूंढ़ना।
17. देश के सभी राज्यों में हो रही हत्याओं तथा दलित एवं कमजोर वर्गों पर किये जा रहे जुल्म को रोकने के उपाय करना।
18. लिंग, जाति या धर्म के मामले में भेद–भाव को रोकना।
19. भय से मुक्ति, जिसके अन्तर्गत व्यक्ति को मनमाने तरीके से गिरफ्तारी से बचाना।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

20. तिलक, दहेज जैसी सामाजिक समस्याओं को सामाजिक स्तर पर ही निपटाने का वातावरण तैयार करना। महिलाओं को जुल्म से छुटकारा दिलाना, स्वयंसेवी जत्था सृजित करना, दहेज–प्रथा के विरूद्ध प्रचार अभियान चलाना एवं दहेज विरोधी कानून के कार्यान्वयन के लिए प्रभावशाली जन सहयोग एवं प्रशासन तंत्र के गठन के लिए अभियान चलाना एवं प्रशासनतंत्र के गठन के लिए अभियान चलाना।

21. कृषि मजदूर, औद्योगिक मजदूर, ईट–भठ्टा, पत्थर काटने वाला, तोड़ने वाला मजदूर, बीड़ी मजदूर, चालक, दर्जी, दुकानदार, मछुआरा एवं अन्य असंगठित मजदूरों की समस्याओं का अध्ययन एवं सभी वर्गों के मजदूरों को न्याय दिलाने के लिए प्रयास किया जाना।

22. जेलों में बंद पड़े विचाराधीन कैदियों को जेल मनुअल के अन्तर्गत उचित कानूनी सहायता प्रदान करना।

23. बौद्ध अल्पसंख्यकों एवं अन्य समुदाय के नागरिकों की समग्र स्थिति में सुधार करने के लिए तथा उनके आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धर्मिक उन्नयन के लिए संविधान एवं कानून की सीमा में रहकर शांतिपूर्ण प्रयास करना ताकि इसे मिटने से बचाया जा सके।

24. पर्यावरण की रक्षा हेतु वानिकी कार्यक्रम का संचालन, वन विकास से संबंधित पौधशाला का निर्माण एवं पौधरोपण कार्यक्रम चलाना। किसी भी प्रकार के प्रदूषण के लिए जागृति एवं प्रशिक्षित करना।

25. हर शाखा एवं मुख्यालय के लिए कानूनी सलाह समिति का गठन कर जरूरतमंद असहाय लोगों को मानवाधिकार की रक्षा हेतु कानूनी मदद, साथ ही संविधान की जानकारी सर्वसुलभ करना तथा अधिवक्ता सलाहकार केन्द्र की स्थापना करना।

26. बाल श्रमिकों पर हो रहे अत्याचारों से उन्हें मुक्ति दिलाना तथा उनके स्वरोजगार एवं पुनर्वास का कार्य करना।

27. वृद्धजनों (महिला एवं पुरूष) के जीवन को सुखमय बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों (संगीत, भजन, परिचर्चा) का आयोजन। उनके उत्तम स्वास्थ्य हेतु निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श की व्यवस्था। साथ ही नई पीढ़ी के साथ–साथ अपना अनुभव बांटने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन।

28. अपनी ओर से स्वंय अथवा पीड़ित व्यक्ति द्वारा अथवा उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रार्थना–पत्र देकर यह शिकायत करने पर कि

(क) किसी सरकारी कर्मचारी अथवा किसी अन्य व्यक्ति या समूह द्वारा मानव अधिकारों का हनन किया गया है।

(ख) उसने ऐसा हनन रोकने की उपेक्षा की है। इन संदर्भों में उचित कार्रवाई करना।

उपरोक्त उद्देश्यों, विषयों से संबंधित तथा अन्य किसी प्रकार का कार्य जो उल्लिखित नहीं है, पर इससे संबंधित है उसे तथा अन्य सामाजिक, शैक्षणिक कल्याणार्थ कार्यों को सम्पादित करना।

कानूनी सहायता के क्षेत्र में कार्य करनेवाली इकाई अंतराष्ट्रीय लोक न्याय एवं कानूनी सहायता विश्व संघः–

(IPJLAWF) International Public Justice & Legal Aid World Federation

अंतर्राष्ट्रीय लोकन्याय कानूनी सहायता विश्व संघ, उच्च न्यायलय एवं अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं न्याय संरक्षण द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम में सहयोग प्राप्त करने के लिए आप सादर आमंत्रित है तथा स्थायी लाभ लेने हेतु मुहल्ला, पंचायत, प्रखण्ड, अनुमण्डल एवं जिला स्तर पर नई यूनिट प्रारंभ कर संगठन के कार्यो का लाभ प्राप्त करें।

कार्य इस प्रकार हैं। संस्था का सदस्य बनने हेतु भी सम्पर्क करें।

नोट :

1. मानवाधिकार आयोग, महिला आयोग, अनुसूचित जाति, जनजाति आयोग, पिछड़ा वर्ग आयोग एवं अल्प संख्यक आयोग, श्रमिक आयोग, वित निगमों के लिए।
2. प्रखण्ड, पंचायत, जिला एवं राज्य स्तर पर विभिन्न विभागों के शिकायत का निपटारा हेतु या भ्रष्टाचार से संबंधित अन्य शिकायत के निवारण हेतु।
3. राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों की शिकायतों एवं लम्बित मामलों के तुरंत निपटारा हेतु सम्पर्क करें।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

4. विभिन्न बैंकों से विभिन्न प्रकार के ऋण प्राप्त करने हेतु या ऋण राशि के भुगतान में आये व्यवधान के निपटारा हेतु।

5. महिलाओं के अधिकार, वैवाहिक हक की वापसी, समाज की ठुकराई हुई महिलाओं का यौन शोषण आदि से संबंधित मामलों के निपटारा हेतु।

6. एक्सीडेंट में मृत व्यक्तियों के मुआवजे, आतंकवादी, उग्रवादी, भूमि विवाद, आपसी लड़ाई में मृत व्यक्तियों के उत्तराधिकारी को नौकरी एवं 50 हजार या भूस्खलन, तूफान, बर्फ या चट्टान खिसकना, ज्वालामुखी फटना, बादल फटना, उल्का पात, भगदड़, दंगे, ट्रेन दुर्घटना, परमाणु परीक्षण, आंधी से मृत्यु होने पर मुआवजा एवं क्षतिपूर्ति प्राप्त करने हेतु पुराने मामलों को भी ला सकते हैं। गैस सिलेंडर से मृत्यु या घायल होने पर एक लाख तक मुआवजा विभागीय शिकायत वाले मामले को भी लाएं। सूदखोरों से पीड़ितों को निजात दिलाने हेतु संपर्क करें। बैंको में राशि डूब जाने पर संपर्क करें।

7. जन वितरण प्रणाली दुकानदार, मुखिया, वार्ड कमिश्नर के खिलाफ, जीव–जंतु के काटने से मृत्यु होने पर तथा बाढ़ एवं सुखाड़ की स्थिति में कृषकों को क्षतिपूर्ति हेतु मुआवजा एवं मालगुजारी माफ कराने हेतु प्रावधान है।

8. पर्यावरण प्रदूषण जैसे ध्वनि प्रदूषण, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण एवं कल–कारखानों द्वारा वृहत पैमाने पर फैलाये जा रहे प्रदूषण संबंधी शिकायत के निपट. ारा हेतु। यदि किसी सड़क पर कूड़ों का अंबार लगा हो या सड़क पर सालों भर पानी जमा रहता हो या कागज पर धोखाधड़ी करके सड़क का निर्माण किया गया हो या सरकार से राशि प्राप्त कर जमीन पर कार्य नहीं किया गया हो या कार्य में लापरवाही बरता गया हो तो उसकी शिकायत सामूहिक रूप से करें। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार मामलों का निपटारा संभव है। एल.आई.सी., जी.आई.सी., इंश्योरेंस वाले मामले हेतु संपर्क करें। वज्रपात, किसी भी बैंक में पड़ी अज्ञात राशि या डूबी हुई राशि को निकालने हेतु संपर्क करें।

9. अनुमंडल न्यायालय, जिला न्यायालय, हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट में वर्षों से लम्बित मामलों में सहायता हेतु।

10. अन्तर्जातीय विवाह करनेवाली महिलाओं को 25 हजार रूपयों की राशि सरकारी अनुदान प्राप्त करने हेतु न्यायालय द्वारा विवाह करने हेतु।

11. दुकानदार, एजेन्सी, डॉक्टर, बैंक एवं अन्य पेशे से जुड़े लोगों के खिलाफ शिकायतों के निपटारा हेतु।

12. नौकरी से संबंधित सभी तरह के मामलों का निष्पादन हेतु एवं पुराने गलत विद्युत बिल में संशोधन हेतु सम्पर्क करें।

13. जमीन–जायदाद वाले मामलों जैसे–रजिस्ट्री, बंदोबस्ती, दाखिल–खारिज, आपसी बंटवारा, बेनामी संम्पति, पब्लिक न्यूसेन्स, केसरी हिन्द जमीन, वसीयतनामा, अवैध कब्जा इत्यादि से जुड़े मामलों के निष्पादन हेतु।

14. थाने में एफ.आई.आर. दर्ज कराने, प्रशासनिक दबाव दिलाकर समझौता कराने में सहयोग, अनुसूचित जाति–जनजाति, अत्याचार, पीड़ित महिलाओं को अनुदान देने तथा किसी भी जाति एवं धर्म के लोगों को अत्यंत गरीब लोगों से अनुमण्डल, न्यायालय, सिविल कोर्ट, हाई कोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट में निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने हेतु एवं नाविक मछुआरा एवं गोताखोर कार्य करनेवाले लोगों को सरकार द्वारा 100 रूपये प्रतिदिन के हिसाब से अनुदान राशि दिलाना।

15. रिश्वत लेनेवाले भ्रष्टाचारी सरकारी सेवकों के खिलाफ सूचना देने एवं भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कानूनी कार्रवाई हेतु।

मानवाधिकार की सर्वाभौम घोषणा (महासभा)– भारतीय संविधान एवं इनका क्रियान्वयन मानव चेतना के संपूर्ण विकास के लिए मानव अधिकारों का होना अत्यावश्यक है। वे सभी अधिकार जो मनुष्य की स्वतंत्रता व गरिमा को पोषित करते हैं और उसके सामाजिक, भौतिक एवं आध्यात्मिक कल्याण के लिए आवश्यक है, मानवाधिकार कहलाते हैं। मानवाधिकार के सार्वभौमिक घोषणा पत्र में भी उल्लेख है कि कानून के समक्ष सभी समान हैं और बिना किसी भेदभाव के कानून की सुरक्षा पाने के अधिकारी हैं।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

भारतीय संविधान में भी इसे कुछ परिवर्तन के साथ सम्मिलित किया गया है। मानव अधिकारों की घोषणा से संपूर्ण मानव जाति में सुरक्षित भविष्य के प्रति विश्वास उत्पन्न हुआ है।

मानवाधिकारों की प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने 12 अक्टूबर 1993 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना की। भारत में मानवाधिकरों के क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को सशक्त एवं सक्षम बनाया गया है। सिविल न्यायालय को प्राप्त शक्तियाँ, शिकायतों की जाँच के लिए आयोग को भी प्राप्त है। मानवाधिकार की रक्षा के लिए विभिन्न आयोग गठित किए गए हैं। रक्षा के लिए विभिन्न आयोग गठित किए गए हैं। जैसेः– राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग, बाल अधिकार संरक्षण आयोग आदि। मानवाधिकारों की रक्षा एवं क्रियान्वयन हेतु सूचना प्राप्त करने का अधिकार महत्वपूर्ण साधन हैं। अधिक. ारों के साथ–साथ कर्तव्यों को शामिल किया जाना आवश्यक है अन्यथा टकराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। मनुष्य अपने दायित्वों के प्रति जागरूक रहेगा तो अधिकार प्रत्येक को स्वयं ही प्राप्त हो पाएंगे।

अतः मानवीय संवेदनाओं के आधार पर मानवाधिकारों का क्रियान्वयन अधिक सहज हो पाएगा। इस सार्वभौम घोषणा को सभी लोगों और सभी राष्ट्र के लिए इसके उद्देश्य की प्राप्ति के लिए एक सामान्य मानक रूप में उद्घोषित करती है कि प्रत्येक व्यक्ति और समाज का प्रत्येक अंग इस घोषणा को निरन्तर ध्यान में रखते हुए शिक्षा और संस्कार द्वारा इन अधिकारों और स्वतंत्रताओं के प्रति सम्मान जागृत करेगा और राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय प्रभावी उपायों के द्वारा सदस्य राज्यों के लोगों के बीच और उनकी अधिकारिता के अधीन राज्य क्षेत्रों के लोगों के बीच इन अधिकारों की विश्वव्यापी और प्रभावी मान्यता और उनके पालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करेगा।

एक बार संक्षिप्त रूप में यह देखें कि इस सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा के 30 अनुच्छेदों में किन अधिक. ारों को स्वीकृत और सम्मिलित किया गया है :

1. सभी मनुष्य प्रतिष्ठा और अधिकारों के संदर्भ में स्वतंत्र और समान पैदा हुए हैं।

2. सभी को बिना किसी भेदभाव के इस घोषणा में सन्निहित अधिकारों और स्वतंत्रताओं का हक है। जैसे – मूलवंश, वर्ण, लिंग, भाषा, धर्म, राजनीतिक या अन्य विचार, राष्ट्रीय या सामाजिक उद्भव, सम्पति, जन्म या अन्य परिस्थिति आदि।

3. प्रत्येक व्यक्ति को प्राण, स्वतंत्रता और अपने शरीर की सुरक्षा का अधिकार है।

4. किसी भी व्यक्ति को दास या गुलाम नहीं रखा जाएगा।

5. किसी के प्रति निर्दय, अमानुषिक और अपमानजनक व्यवहार नहीं किया जाएगा।

6. प्रत्येक व्यक्ति को प्रत्येक स्थान पर कानून की दृष्टि में व्यक्ति के रूप में स्वीकार किए जाने का अधिकार है।

7. कानून की दृष्टि में सभी समान हैं और सभी को बिना भेदभाव के समान कानूनी संरक्षण का अधिकार है।

8. प्रत्येक व्यक्ति को संविधान या विधि द्वारा प्रदत मूल अधिकारों का अतिक्रमण करने वाले कार्यों के विरूद्ध सक्षम राष्ट्रीय अधिकरणों द्वारा प्रभावी उपचार का अधिकार है।

9. किसी व्यक्ति को मनमाने ढंग से बंदी बनाना, नजरबन्द या देश से निष्कासित नहीं किया जा सकता।

10. आपराधिक मामले में आरोपित व्यक्ति की सुनवाई, न्याय संगत और निष्पक्ष न्यायाधिकरण में सार्वजनिक तौर पर होगी।

11. अदालत द्वारा अपराधी घोषित होने तक प्रत्येक व्यक्ति को निर्दोष माने जाने का अधिकार है।

12. किसी भी व्यक्ति को एकान्तता, घर या पत्र–व्यवहार के साथ मनमाना हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा और उसके सम्मान और ख्याति पर प्रहार नहीं किया जाएगा। प्रत्येक व्यक्ति को ऐसा हस्तक्षेप या प्रहार के विरूद्ध विधि (कानून) के संरक्षण का अधिकार है।

13. प्रत्येक व्यक्ति को अपने देश में आवागमन एवं आवास का अधिकार है और उसे स्वदेश सहित किसी भी देश को छोड़ने और स्वदेश लौटने का अधिकार है।

14. प्रत्येक व्यक्ति को राजनीतिक कारणों से उत्पीड़न से बचने के लिए अन्य देश में शरण लेने का अधिकार है।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

15. प्रत्येक व्यक्ति को एक राष्ट्रीयता का अधिकार है जिसे मनमर्जी से नकारा नहीं जाएगा।

16. प्रत्येक वयस्क स्त्री और पुरूष को विवाह करने और परिवार बनाने का अधिकार है।

17. प्रत्येक व्यक्ति को सम्पति का अधिकार है और उसे मनमाने ढंग से सम्पति से वंचित नहीं किया जाएगा।

18. प्रत्येक व्यक्ति को विचार, अन्तरात्मा अर्थात अन्तर्भावना और धैर्य की स्वतंत्रता का अधिकार है तथा इन्हें प्रकट करने की स्वतंत्रता है।

19. प्रत्येक व्यक्ति को विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है।

20. प्रत्येक व्यक्ति को शान्तिपूर्ण ढंग से एकत्रित होने तथा संघ बनाने की स्वतंत्रता है।

21. प्रत्येक व्यक्ति को अपने देश की सरकार में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेने तथा लोक सेवा में प्रवेश पाने का अधिकार है।

22. प्रत्येक व्यक्ति को सामाजिक सुरक्षा का अधिकार है तथा उसे राज्य द्वारा प्रदत आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकार की प्राप्ति का अधिकार है।

23. प्रत्येक व्यक्ति को काम करने तथा रोजगार चुनने तथा बेरोजगारी से संरक्षण का अधिकार है। प्रत्येक को समान काम के लिए समान वेतन का अधिकार है।

24. प्रत्येक को काम के घंटों की न्यायपूर्ण सीमा तथा विश्राम और अवकाश का अधिकार है।

25. प्रत्येक व्यक्ति को तथा उसके परिवार को स्वस्थ एवं कल्याण की दृष्टि से उपयुक्त जीवन स्तर का अधिकार है तथा विवाहित तथा अविवाहित से जन्में समस्त बच्चों को समान सामाजिक संरक्षण का अधिकार है।

26. प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है और प्राथमिक शिक्षा निःशुल्क उपलब्ध होनी चाहिए।

27. प्रत्येक व्यक्ति को सांस्कृतिक जीवन में भाग लेने, कलाओं का रसास्वादन करने, वैज्ञानिक उन्नति तथा उसके लाभ में भागीदार होने का अधिकार है तथा उसे अपनी वैज्ञानिक, साहित्यिक अथवा कलात्मक कृति से उत्पन्न नैतिक और आर्थिक हितों की सुरक्षा का अधिकार है।

28. प्रत्येक व्यक्ति को ऐसी व्यवस्था का अधिकार है जिसमें इसे घोषणा में उल्लेखित अधिकारों और स्वतंत्रताओं को पूर्णतः प्राप्त कर सकें।

29. (क) प्रत्येक व्यक्ति का उस समुदाय के प्रति कर्तव्य है जिसमें उसके व्यक्तित्व का उन्मुक्त और विकास संभव है।

(ख) प्रत्येक व्यक्ति पर अपने अधिकारों और स्वतंत्रताओं के प्रयोग में वही मर्यादायएं लगाई जाएंगी जो अन्य व्यक्तियों के अधिकारों और स्वतंत्रताओं की सम्यक् मान्यता और सम्मान सुनिश्चित करने और प्रजातंत्रात्मक समाज में नैतिकता, लोक व्यवस्था और साधारण कल्याण की न्यायोचित अपेक्षाओं को पूरा करने के प्रयोजन के लिए विधि (कानून) द्वारा अवधारित की गई है।

(ग) किसी भी दशा में इन अधिकारों, स्वतंत्रताओं का संयुक्त राष्ट्र के प्रयोजनों और सिद्धान्तों के प्रतिकूल प्रयोग नहीं किया जाएगा।

30. इस घोषणा के किसी भी भाग का यह अर्थ नहीं लगाया जाना चाहिए जिससे यह प्रतीत हो कि किसी भी राज्य समूह अथवा व्यक्ति को किसी ऐसे प्रयास में संलग्न होने का अधिकार है जो इस घोषणा में वर्णित अधिकारों को नष्ट करने का लक्ष्य लिए हों।

इन मानवाधिकारों की घोषणा से पूरी मानव जाति में नव आशा का संचार हुआ है और एक सुरक्षित भविष्य के प्रति विश्वास उत्पन्न हुआ है। मानवाधिकारों की घोषणा तथा संविदाओं पर कई देशों ने हस्ताक्षर किए हैं और अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की है। स्वयं संयुक्त राष्ट्र ने भी इस सिद्धान्त के रूप में स्वीकार किया है। इन मानवाधिकारों को व्यावहारिक रूप देने के लिए नागरिक तथा राजनीतिक प्रसंविदा के भाग–4 में प्रावधान किया गया है कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक मानवाधिकार समिति का गठन होगा जिसके लिए सदस्य देशों के नामित सदस्य 18 सदस्यों का निर्वाचन करेंगे। इस समिति का कार्यकाल चार वर्ष निश्चित किया गया है और इसका मुख्यालय जेनेवा में बनाया गया है। सदस्य देशों के नागरिक, मानवाधिकरों के उल्लघंन की शिकायतें इस समिति के समक्ष कर सकेंगे। मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक तथा राजनीतिक प्रसंविदा में एक कार्य नियमावली निश्चित की गई है जिसके अनुसार यह समिति कार्य करती है।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

जल जीवन हरियाली-पर्यावरण संरक्षण के लिए केंद्र और राज्य की पहल

जिस प्रकृति ने मानव समेत समस्त जीव–जंतुओं को लाखों वर्षों से पाला–पोसा है, वह आज स्वयं संकट में है। जंगल समाप्त हो रहे हैं। ग्लेशियर पिघल रहे हैं। जमीन बंजर होती जा रही है। जीवनदायिनी नदियाँ सूख रही हैं। प्राणवायु में जहर घुलता जा रहा है। समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। धरती का तापमान अप्रत्याशित गति से बढ़ता जा रहा है। कई तरह के जीव–जंतुओं की प्रजातियां लुप्त हो गई हैं। कई विलुप्ति के कगार पर हैं। प्रकृति अपना लय खो चुकी है।

कभी भीषण बाढ़ तो कभी भयंकर सुखाड़ कभी भूकंप तो कभी विनाशकारी तूफान धरती की नियति बनती जा रही है। स्थिति दिनोंदिन भयावह होती जा रही है। अगर हम अब भी न चेते तो हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए उनका अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा।

यह समय सबके जगने का समय है एवं अपने तथा इस जीव जगत के अस्तित्व के लिए पर्यावरण को संरक्षित एवं संवर्धित करने के लिए संकल्प लेने का समय है। वह स्थिति बड़ी भयावह होगी, जब हमें बोतलबंद पानी की तरह बोतल में हवा भी खरीदनी होगी। हालांकि दिल्ली जैसे महानगरों में इसकी शुरूआत भी हो चुकी है। हमारे पूर्वजों ने हमें स्वच्छ हवा, साफ पानी एवं भोजन उपलब्ध कराएँ।

हमारा भी फर्ज बनता है कि हम अपने आने वाली पीढ़ियों के लिए भोजन के साथ–साथ साफ पानी एवं स्वच्छ हवा की विरासत छोड़कर जाएँ। इसके लिए जरूरी है कि हम सबसे पहले जनसंख्या नियंत्रण पर ध्यान दें। जब लोगों की आबादी कम होगी तो उनकी जरूरतें भी कम होंगी तथा प्राकृतिक संसाधनों के दोहन में भी कमी आएगी।

दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें नदियों एवं जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखने की आदत डालनी होगी। निजी वाहनों की जगह सार्वजनिक वाहन एवं साइकिल जैसे वाहनों के प्रयोग को प्रोत्साहित करना होगा। यह एक ओर जहाँ स्वास्थ्य तथा आर्थिक दृष्टि के अनुकूल होगा, दूसरी ओर यह कदम पर्यावरण को भी संरक्षित करने में सहायक होगा।

स्वच्छ हवा में सांस हमें लेना है तो हवा को शुद्ध रखने की जिम्मेदारी भी हमें ही लेनी होगी। साफ एवं प्रदूषण रहित जल हमें चाहिए तो जल स्त्रोतों के अस्तित्व को स्वच्छ बनाए रखने का काम भी हमें ही करना होगा। पिछले 100 सालों में पृथ्वी पर इंसानों की आबादी में 6 गुणा इजाफा हुआ है। इन्हीं एक सौ वर्षों में विविध प्रकार के जीव जंतुओं की संख्या में 70 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी तथा पौधों की संख्या में 80 प्रतिशत तक की कमी आई है। वायुमंडल में कार्बन डाईऑक्साइड एवं ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा जितनी आज हो गई है उतनी कभी न थी।

पहले शहरों का तापमान अधिकतम 35°C हुआ करता था, अब पूरी दुनिया में हर साल लगभग 90 लाख लोग वायु प्रदूषण की वजह से भयंकर बीमारी एवं असमय मौत के शिकार हो रहे हैं। इस वजह से करोड़ों लोग बीमार होकर जीने को अभिशप्त हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो दुनिया में सिर्फ 8 प्रतिशत लोगों को ही स्वच्छ हवा नसीब हो रही है। 2017 की ग्लोबल एयर क्वालिटी इंडेक्स के मुताबिक स्वच्छ पर्यावरण मामले में भारत का स्थान 180 देशों में 177वां है।

दुनिया के 20 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में 14 भारत में हैं और उसमें से तीन पटना, गया एवं मुजफ्फरपुर तो बिहार के ही हैं। स्थिति तो यह हो गई है कि हमारे यहाँ ली गई हर सांस हमें बीमारियों के करीब ला रहा है। महानगरों में बच्चों के चेहरे पर मास्क चढ़ गए हैं। अगर समय रहते हम लोग नहीं चेते तो बच्चों के बैग में पानी की बोतलों के साथ–साथ ऑक्सीजन का सिलेंडर भी देखने को मिलने लगेगा।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

यही हालत जल की उपलब्धता का भी है। जिन नदियों के किनारे मानव सभ्यता का विकास हुआ, वैसी सभी नदियाँ सिकुड़ती जा रही हैं। गंगा, यमुना, ब्रहमपुत्रा, कावेरी, कृष्णा, गोदावरी नर्मदा जैसी सदानीरा मौसमी की तरह बनी जा रही है। भूगर्भीय जल पर पाताल की ओर खिसकता जा रहा है बरसात में सही मात्रा में बारिश न होने की वजह से सूखे की स्थिति बनती जा रही है कई देशों में पेयजल की अनुपलब्धता हो रही है, वहां से लोगों का पलायन भी शुरू हो चुका है। हवा एवं जल के प्रदूषित होने से इन दिनों कैंसर एवं इस तरह की भयानक बीमारियों का प्रकोप भी बढ़ता जा रहा है। अब यह फिर से बचाना होगा क्योंकि कई शोधों से यह प्रमाणित हुआ है कि जंगलों की वजह से ही नदियों का अस्तित्व है।

पेड़ ही हमारे पूर्वज हैं। पेड़ों के कारण ही जीवन संभव हुआ है। पेड़ों से ही ऑक्सीजन मिलता है। पेड़ ही वर्षा का कारण होता है। पेड़ों से ही मिट्टी की उर्वरा शक्ति मिलती है। संभवतः हमारी पीढ़ी वह अंतिम पीढ़ी है जिसके पास पर्यावरण संकट से निपटने का अवसर बचा है। अगली पीढ़ी के पास न तो संसाधन होगा, न ही अवसर। आज पृथ्वी पर 100 अरब पेड़ लगाने की जरूरत है। अपने देश में भी कई अरब के लगाने की आवश्यकता है, तभी हमारा पर्यावरण बचेगा।

ऐसा नहीं है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए लोग चिंतित एवं प्रयत्नशील नहीं है। देश में कई व्यक्ति एवं संगठन इस दिशा में अहर्निश लगे हुए है। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन भी इस दिशा में काफी काम कर रहा है। फाउण्डेशन के द्वारा पर्यावरण जागरूकता रैलियों के साथ–साथ पौधरोपण के भी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। अपने संसाधन से यह फाउण्डेशन धरती पर हरियाली लाने के लिए काम कर रही है तथा लोगों में जागरूकता भी फैला रही है जिससे कि सब लोग पेड़ पौधे लगाने एवं उसको संरक्षित संवर्धित करने के लिए आगे आएं।

अभियान–40 (आईएएस) संस्थान में आयोजित सेमिनार का उद्घाटन करते अतिथिगण ।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

GBRDF: एक संकल्पित यात्रा

यह स्मारिका समर्पित है उन ग्रामीण बच्चों को, जो कठिन परिस्थितियों में भी सपने देखना नहीं छोड़ते। उन माता–पिता को, जो अपनी आवश्यकताओं का त्याग कर अपने बच्चों के भविष्य को प्राथमिकता देते हैं, और उस भारत को, जिसका हृदय उसके गाँवों में धड़कता है, और जिसका भविष्य उसके युवाओं की चेतना में बसता है।

इस सम्पूर्ण परिवर्तन–यात्रा में साथ रहने वाले–विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षक, मार्गदर्शकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, मीडिया बंधुओं और उन सभी अदृश्य सहयोगियों का हृदय से धन्यवाद, जिनकी प्रेरणा, विश्वास और सतत सहभागिता ने इस मिशन को गति, दिशा और सार्थकता प्रदान की।

हम यह मानते हैं– "समाज तब बदलता है, जब लोग केवल दर्शक नहीं, सहभागी बनते हैं।"

"गाँव की आँखों में देश का सपना"

भारत की वास्तविक आत्मा उसके गाँवों में बसती है। यही मिट्टी वह स्थान है जहाँ मासूम आँखें बड़े सपनों को जन्म देती हैं। यह स्वप्न केवल करियर का नहीं, बल्कि गरिमा, परिवर्तन और पहचान का होता है। गाँव का बच्चा सपने देखने में कभी पीछे नहीं रहता ,पीछे

अभियान–40 (आईएएस), दिल्ली शाखा के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से रू–ब–रू होते निदेशक श्री बिलास कुमार व आईएएस श्री गिरिवर दयाल सिंह।

रहती हैं केवल परिस्थितियाँ। गाँव के बच्चे में जिद होती है, लगन होती है, मेहनत होती है, बस वह

स्वतंत्रता दिवस पर अभियान–40 (आईएएस) के छात्र–छात्राएं।

वातावरण नहीं होता जो उसे यह कह सके, "हाँ, तुम भी कर सकते हो।"

हमारी शिक्षा–व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना यही रही कि अवसर शहरों में केंद्रित रहे, संसाधन सीमित लोगों तक सिमटे रहे और गाँव के बच्चे संघर्ष में अकेले खड़े रहे। समस्या प्रतिभा की नहीं थी, अवसर की थी। समस्या क्षमता की नहीं, दिशा की थी। इसी दर्द, इसी असमानता और इसी यथार्थ ने एक बड़े विचार को जन्म दिया कि यदि गाँव को अवसर, मार्गदर्शन और नेतृत्व से जोड़ा जाए, तो भारत का भविष्य बदला जा सकता है। इसी सोच ने बाद में अभियान–40 (IAS) और गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन की दिशा तय की। गाँव तब मजबूत होता है, जब उसका युवा जागता है और राष्ट्र तब मजबूत होता है, जब गाँव मजबूत होते हैं। यह प्रस्तावना केवल भूमिका नहीं, उद्देश्य है कि गाँव अब सपने "छिपाएगा नहीं", गाँव अब सपनों को "पूरा करेगा।"

"एक संकल्प से जन्मी संस्था"

गाँव के बच्चे सपने तो बड़े देखते हैं, पर उन्हें पूरा करने का वातावरण अक्सर उनके पास नहीं होता।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

यूपीएससी में अभियान–40 (आईएएस) के छात्र पीयूष कुमार के सम्मान में आयोजित समारोह।

यही विरोधाभास भारत की सबसे बड़ी सामाजिक चुनौती है, जहाँ प्रतिभा व्यापक है, पर अवसर सी. मित। इसी सच्चाई ने एक संकल्प को जन्म दिया, ग्रामीण भारत के सपनों को नेतृत्व से जोड़ने का सं. कल्प।

वर्ष 2013 में इसी संवेदनशीलता और सामाजिक समझ से गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन (GBRDF) की स्थापना हुई। इसके संस्थापक श्री बिलास कुमार ने यह प्रत्यक्ष अनुभव किया कि "प्रतिभा का जन्म स्थान गाँव हो सकता है, पर उसकी मंजिल शहर या सत्ता तक तभी पहुँचती है, जब उसे और बेहतर प्रयास के साथ किया जाए।"

संस्था का मूल उद्देश्य बना

शिक्षा, ज्ञान, लक्ष्य, दृष्टि, संस्कार, नैतिकता, संवे. दनशीलता, मानवता, अवसर, मार्गदर्शन, वातावरण, मंच। इनका सम्मिलित लक्ष्य है नेतृत्व का निर्माण। यही वह विचारधारा है जो फाउंडेशन को केवल "शिक्षण" संस्था नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय निर्माण का केंद्र बनाती है। शहर और गाँव की दूरी संसाधनों में हो सकती है, क्षमता में नहीं। प्रशासनिक नेतृत्व सिर्फ शहर के उन पढ़े बच्चों तक सीमित क्यों रहे? गाँव से उठे युवा ही गाँव की समस्याओं को सबसे गहराई से समझ सकते हैं, यदि नेतृत्व गाँव से आएगा, तभी नीतियाँ जमीनी स्तर पर बनेंगी। इसी दर्शन ने आगे चलकर जन्म दिया, भारत के ग्रामीण युवाओं के लिए सबसे प्रभावशाली पहल अभियान–40 (IAS) ।

एक क्रांतिकारी पहल

"जहाँ संभावनाएँ दिशा पाती हैं, वहीं से क्रांति जन्म लेती है" अभियान–40 (IAS) की शुरुआत एक निर्णायक सवाल से हुई । "गाँव का बच्चा सिविल सेवा में शीर्ष स्थान क्यों नहीं हासिल कर पाता, जबकि वह प्रतिभा में किसी से कम नहीं?" उत्तर स्पष्ट था–उसे एक बेहतर मार्गदर्शन, वातावरण और निरंतरता नहीं मिल पाती। इसलिए तय किया गया कि हर वर्ष 40 ग्रामीण और होनहार विद्यार्थियों को चिन्हित कर, उन्हें IAS/PCS/BPSC जैसी सिविल सेवा की परीक्षाओं की तैयारी के लिए– अनुशासित दिनचर्या, मेंटॉरशिप, बेहतर वातावरण, संसाधन, बेहतर सुविधाएं, मानसिक और नैतिक बल यह सब एक ही छत के नीचे दिया जाए।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

"40" संख्या का दर्शन

"ज्यादा" मॉडल "अभियान–40" मॉडल– भीड़, बैच, चयन, लक्ष्य, व्यक्तित्व, संख्या पर ध्यान, गुणवत्ता पर ध्यान, नेतृत्व गढ़ना। यह पहल केवल पढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि बनाने के लिए है। अफसर नहीं, संवेदनशील अफसर, नेता नहीं, नैतिक नेता।

यह पहल दूसरे संस्थानों से अलग क्यों है?

क्योंकि यहाँ विद्यार्थी से यह नहीं पूछा जाता कि "तुम अफसर क्यों बनना चाहते हो?" बल्कि पूछा जाता है कि "अफसर बनकर तुम बदलोगे क्या?" यही प्रश्न इस पूरे मिशन की आत्मा है।

भारत की वास्तविक आत्मा उसके गांवों में बसती है। गांव की मिट्टी वह स्थान है जहां मासूम आंखें बड़े सपनों को जन्म देती हैं यह स्वप्न केवल करियर का नहीं बल्कि गरिमा परिवर्तन और पहचान का होता है। गांव का बच्चा सपने देखने में कभी पीछे नहीं रहता, पीछे रहती है केवल परिस्थितियां।

गांव के बच्चे में जिद होती है, लगन होती है, मेहनत होती है बस वह वातावरण नहीं होता जो उसे कह सके– हां तुम भी कर सकते हो।

हमारी शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना यही रही है कि अवसर शहरों में केंद्रित रहे। संसाधन सीमित लोगों तक सीमित है और गांव के बच्चे संघर्ष में अकेले खड़े रहे। समस्या प्रतिभा की नहीं थी, अवसर की थी। समस्या क्षमता की नहीं, दिशा की थी। इसी दर्द, इसी असमानता और ही इसी यथार्थ ने एक बड़े विचार को जन्म दिया कि यदि गांव को अवसर, मार्गदर्शन और नेतृत्व से जोड़ा जाए तो भारत का भविष्य बदल सकता है।

इसी सोच ने बाद में अभियान–40 (IAS) और गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन की दिशा तय की। गांव तब मजबूत होता है जब उसका युवा जागता है। राष्ट्र तब मजबूत होता है जब गांव मजबूत होते हैं। यह प्रस्तावना केवल भूमिका नहीं, उद्देश्य है कि गांव अब सपने छिपाएगा नहीं गांव अब सपनों को पूरा करेगा।

13 वर्षों की उपलब्धियाँ और प्रभाव

"बदलाव आंकड़ों से नहीं, परिणामों से पहचाना जाता है"–

2013 से 2025 तक की यह 13 वर्षों की यात्रा यह प्रमाण है कि इच्छाशक्ति, निरंतरता और सही दिशा समाज में वास्तविक परिवर्तन ला सकती है। गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन ने गाँवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, नशा–मुक्ति, मानवाधिकार, महिला सशक्तिकरण, नैतिक चेतना और नेतृत्व निर्माण जैसे क्षेत्रों में लगातार कार्य किया। इन प्रयासों का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम यह रहा कि गाँवों में सोच बदली, आत्मविश्वास लौटा, और सपनों के प्रति स्वीकृति पैदा हुई।

1. शिक्षा क्षेत्र में ठोस कार्य

अभियान–40 (IAS) के माध्यम से ग्रामीण युवाओं में नेतृत्व की नई आशा, अध्ययन संस्कृति को गाँव तक फैलाना, निःशुल्क मार्गदर्शन, पुस्तक सहयोग और करियर दिशा, प्रेरक गोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ और युवा चेतना सत्र।

2. नशा मुक्ति और स्वास्थ्य अभियान

गाँव स्तर पर 'No Drugs, Yes Dreams' संदेश, स्वास्थ्य शिविर और जीवन शैली, जागरूकता, परिवारों और युवाओं में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन।

3. महिला और सामाजिक सशक्तिकरण

"शिक्षित बेटी –सशक्त समाज" अभियान, महिलाओं में अधिकार, आत्मसम्मान और सुरक्षा की भावना, पंचायत स्तर पर संवाद और सहभागिता।

4. मानवाधिकार और जागरूकता

ग्रामीण समाज में "अधिकार दायित्व" की समझ विक. सित, कमजोर वर्गों में आत्मविश्वास और सुरक्षा का भाव।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

5. मीडिया स्वीकृति और जन विश्वास

समाचार पत्रों और मंचों द्वारा सराहना, समाज में पहचान, विश्वसनीयता और समर्थन।

6. वास्तविक प्रभाव

पहले	आज
संकीर्ण सोच	वृहत सोच
दिशाहीनता	लक्ष्य केंद्रित
भय	आत्मविश्वास
प्रतीक्षा	पहल
निर्भरता	नेतृत्व

परिवर्तन वहीं है जहाँ गाँव बैठकर समस्या नहीं, उठकर समाधान ढूँढने लगे।

बदलाव की कहानियां

"जब सपनों को दिशा मिलती है तो समाज बदलता है" ग्रामीण भारत में बदलाव तब दिखता है जब सपनों की भाषा बदलने लगे।

परिवार "क्या होगा?" से "होकर रहेगा" तक पहुँच जाए समाज "यह हमारे बस का नहीं" से "हम भी कर सकते हैं" कहने लगे।

अभियान–40 (IAS) से जुड़ी अनेक कहानियों ने यही साबित किया। एक विद्यार्थी, जो अभावों से टूटा था, आज कहता है, "मेरी गरीबी मेरी सीमा नहीं, मेरी ताकत है।" एक माँ, जिसने पहले बेटे से कहा था,"इतना बड़ा सपना मत देखो", आज गर्व से कहती है "मेरा बेटा अधिकारी बनेगा, गाँव बदलेगा।" ये कहानियाँ केवल व्यक्तिगत नहीं। ये गाँव की सामूहिक चेतना की कहानियाँ हैं। अंततः "जहाँ सपने डरना छोड़ देते हैं, वहीं समाज बदलना शुरू कर देता है।"

"ग्रामोदय से राष्ट्रोदय–यही भविष्य की राह"

भारत का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब गाँव केवल जनसंख्या नहीं, बल्कि नेतृत्व उत्पन्न करने वाले केंद्र बने। Vision 2030 इसी सोच पर आधारित है। जहाँ हर गाँव शिक्षित, सशक्त, जागरूक और अवसरों से जुड़ा हुआ दिखे।

Vision 2030 के मुख्य लक्ष्य

हर गाँव में Study Culture स्थापित करना, युवाओं को सिविल सेवा और नेतृत्व से जोड़ना, महिला सश. क्तिकरण और नशा–मुक्त समाज की स्थापना। ग्रामीण क्षेत्रों में मानवाधिकार और स्वास्थ्य चेतना फैलाना।

Roadmap (2025–2047)

चरण	लक्ष्य
Phase–1	10 जिलों में अभियान विस्तृत मॉडल
Phase–2	10 राज्यों में ग्रामीण नेतृत्व केंद्र
Phase–3	राष्ट्रीय Rural Leadership Model

" इस रोडमैप का अंतिम उद्देश्य यही है कि हर गाँव से नेतृत्व उठे और हर घर का युवा राष्ट्र निर्माण में भागीदार बने।"

समापन और राष्ट्रीय आह्वान

" अब यह यात्रा केवल संस्था की नहीं, समाज की है" आज आवश्यकता केवल योजनाओं की नहीं, भागीदारी की है। गाँव बदलेंगे, तो देश बदलेगा। और देश बदलेगा,
तो भविष्य बदलेगा।

हमारा संदेश स्पष्ट है–

गाँव केवल वोटर नहीं कृ नेता बनें। युवा केवल नौकरी की तलाश में नहीं, राष्ट्र निर्माता बनें। परिवार डर में नहीं, विश्वास में जिएं और समाज मूक दर्शक नहीं, सक्रिय सहभागी बने।

संस्थापक का संदेश

"गाँव को मैंने भूगोल नहीं, भावना के रूप में देखा, सपनों को मैंने करियर नहीं, कर्तव्य के रूप में समझा और शिक्षा को मैंने नौकरी नहीं, नेतृत्व के रूप में जाना। अभियान–40 (IAS) मेरे लिए एक 'प्रोजेक्ट' नहीं, यह एक पीढ़ी गढ़ने का संकल्प है। मेरा विश्वास है कि आने वाला भारत गाँवों की मिट्टी से ही अपना स्वर्णिम नेतृत्व पाएगा।

राष्ट्रीय प्रतिज्ञा

मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि शिक्षा को अपना पहला धर्म मानूँगा/मानूँगी। नशा, भेदभाव और हिंसा से दूर रहूँगा/रहूँगी। समाज में सम्मान, न्याय और संवेदना के लिए कार्य करूँगा/करूँगी। और एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में भारत निर्माण में अपना योगदान दूँगा/दूँगी। " मैं बदलूँगा और मेरा भारत बदलेगा।" अंत में कहना चाहूंगा– "जहाँ सपनों को अवसर मिलते हैं, वहाँ राष्ट्र आगे बढ़ता है। और जहाँ नेतृत्व गाँव से उठता है, वहाँ इतिहास बदलता है।"

– प्रमोद कुमार

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

करूणा का प्रतिफल है GBRDF

हिन्दी के महान कवि अज्ञेय की एक अत्यंत सारगर्भित रचना है –

दुःख सबको मांजता है
और –
चाहे स्वयं सबको मुक्ति देना वह न जाने
किन्तु जिनको मांजता है
उन्हें यह सीख देता है कि सबको मुक्त रखे ।

दुःख मानव को कष्ट तो देता है, लेकिन हमारे आंतरिक और वास्तविक स्वरूप को उद्घाटित भी कर देता है। जैसे– कालिख से लीपा–पुता बर्तन रगड़ते ही चमक उठता है। हम दुःख के आघात से स्वभावतः टूट जाते हैं, लेकिन नदी के जल की तरह हमारी बिखरी शक्तियां फिर एकत्र हो जाती हैं और सब पूर्ववत् हो जाता है। हमारे स्वभाव में भरपाई का अद्भुत गुण है। एक सकारात्मक सोच हजारों लाखों नकारात्मक आक्रमणों पर भारी पड़ता है। मनुष्य भीतर से इतना तरल है कि वह मानव तो क्या, किसी भी निरीह प्राणियों के करूणा भरे स्पर्श को भी नहीं सह पाता और दूसरे के दुःख से स्वयं भी तड़प उठता है। मानव स्वभाव और उसके अन्दर उत्पन्न होने वाले करूणा का यही भाव गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन का आधार बना।

ट्रस्ट के संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष बिलास कुमार अपने पिता के असामयिक निधन से स्तब्ध, दुःखी और हताश थे। उस समय उनकी उम्र मात्र 16–17 वर्ष की रही होगी। आर्थिक तंगी, बदहाली और विपरीत परिस्थितियों से व्याकुल रोजी–रोटी की तलाश में वह बिहार की राजधानी पटना पहुंचे। पटना जंक्शन पर कई रातें खुले आसमान में जागकर गुजारीं। यहां उन्होंने कई बच्चों को भटकता हुआ पाया। इनमें से कइयों की स्थिति तो इतनी खराब थी कि उन्हें अपना दुःख बहुत कम नजर आने लगा। तभी उन्होंने एक कठोर प्रण लिया कि जो तकलीफें आज वे झेल रहे हैं, दूसरे को नहीं झेलने देंगे।

निज चले/हम चले/तुम चले/सब चले/वाह क्या चले...

वर्ष 2012 में कुछ साहसी लोगों के साथ मिलकर उन्होंने गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन की नींव डाली। इनकी कर्मठता, लगनशीलता, समाज के प्रति समर्पण और सेवाभाव देखकर वर्ष 2008 बैच के आईआरएस अधिकारी अजय सिंह इनके साथ जुड़े। बाद में उनके प्रयास से पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं भूगोल विषय के विद्वान प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह, पटना विश्वविद्यालय के प्रोफेसर व हिंदी साहित्य के प्रख्यात विद्वान प्रो. बलराम तिवारी, भारतीय प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी गिरिवर दयाल सिंह, उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस राजेन्द्र प्रसाद, आयकर विभाग के बिहार–झारखंड के मुख्य आयुक्त वीके सिंह, आईआरएस अधिकारी रंजीत कुमार मधुकर समेत कई महान हस्तियों के मार्गदर्शन से इस संस्थान को मानो पंख ही लग गये। अपने दस वर्षों की अल्प अवधि में ट्रस्ट ने समाज में ज्ञान–विज्ञान एवं सामाजिक सेवा का जो संदेश पहुंचाया है, वह ऐतिहासिक है। भगवान बुद्ध के संदेशों को सार्थक करते हुए मानवबुद्धि का अद्भूत साम्राज्य स्थापित करने के लिए यह संस्था कटिबद्ध है। इसी कड़ी में ट्रस्ट की ओर से अभियान–40 (आईएएस) की स्थापना की गई, जहां आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी छात्रों का चयन कर सिविल सर्विसेज की तैयारी कराई जाती है, ताकि समाज में अधिक से अधिक संवेदनशील,

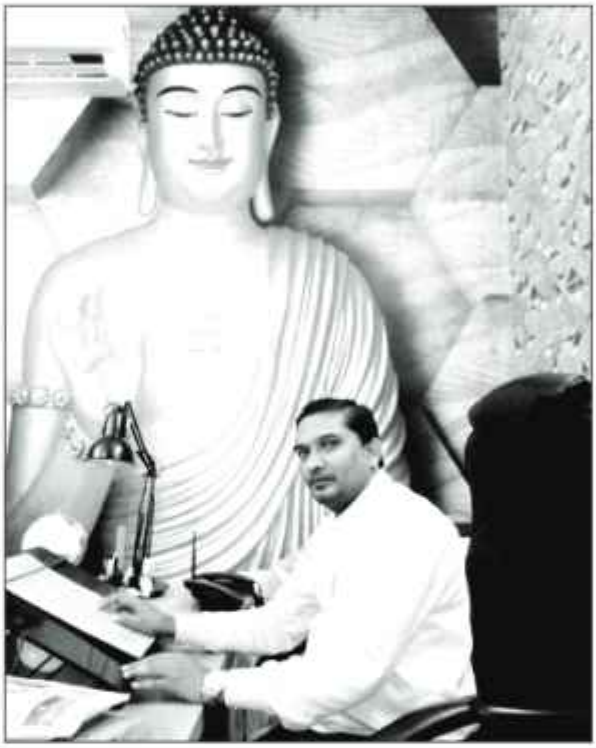

ईमानदार और कर्मठ प्रशासकों की फौज तैयार की जा सके। इसके अतिरिक्त ट्रस्ट ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि एवं मानवाधिकार जैसे क्षेत्रों में भी अनूठा और सराहनीय कार्य किया है। इस महान विचार और प्रयास की सफलता अब इस बात पर निर्भर करती है कि हम सभी संवेदनशील, जागरूक और बुद्धिजीवी लोग किस तरह इसमें अपना योगदान और सहयोग प्रदान करते हैं। इसी कारण यह संगठन आपसे ज्यादा सहयोग की अपेक्षा रखता है। इस संगठन को स्थापित करने में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों की अहम भूमिका रही है, जिसका जिक्र अगले पृष्ठों में किया गया है। ये सभी महानुभाव अपनी व्यस्तताओं के बीच संगठन के लिए समय निकालते रहे हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी गिरिवर दयाल सिंह की तो जितनी तारीफ की जाये कम है। उन्होंने न सिर्फ संगठन के द्वारा संचालित अभियान (आईएएस) में पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं का मार्गदर्शन किया, वरन् संगठन के कार्यों में हर पायदान पर मदद भी दी।

–प्रमोद कुमार

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

CHANGING ROLE OF THE CIVIL SERVICES IN INDIA

In India, the executive consists of two parts–first, the political executive consisting of the people's representatives, and second, the Civil Service consisting of officers selected on the basis of their merit assessed in an examination. While the political executive enjoys the status of the master having power and authority in the form of confidence and support of the people in our democratic set up, the Civil Service has the cream of intelligentsia of the country and its members enjoy security of tenure. The political masters exercise their power in making decisions, whereas civil servants make their influence and importance felt while implementing these decisions. Various roles of the Civil Service may very briefly be enumerated in the following manner.

Regulator: Our country inherited from the British at the time of independence a sound and efficient administrative machinery with the Indian Civil Service forming the steel frame of the administration. But at that time, the role of the Civil Service – a form of "ruler bureaucracy" – was regulatory in nature whose main concern was to ensure perpetuation of the British Empire. Welfare of the common man was of secondary interest. The regulatory role of the Civil Service has the same importance today but with considerable modifications in its objectives. Now, the maintenance of law and order and collection of revenue must primarily be correlated with the protection and development of the people.

Implementer: The role of a civil servant as an implementer is very evident from the fact that it is a part of the executive. The importance of implementation lies in the fact that the people do not get influenced by the high sounding policies as much as they are concerned and worried about their actual implementation. While implementing policies, a civil servant has to maintain objectivity, impartiality, and neutrality. The business of the civil servant is to thoroughly and wholeheartedly implement the decisions of the government irrespective of his personal views in the matter. Political objectives while being translated into practical realities must remain uncontaminated. This is the essence of an honest, apolitical, and efficient civil service.

Advisor: Sardar Patel had held much emphasis on the advisory role of a civil servant. But while exercising his advisory role, a civil servant should observe anonymity, he should encourage and respect different views of technical persons, and the advice given by him should be fair and exhaustive without omitting the aspects of the matter which are contrary to his own views. In this role, his intellectual integrity is on test.

Facilitator: In the roles of a regulator, implementer, and advisor, a civil servant obeys, follows, and assists their political masters. But the civil servant of today has also to be a facilitator with a high degree of sensibility to the needs and aspirations of the people.Long ago, Mr. L.K. Jha had suggested that the civil servants should have been called public servants instead of government servants. While addressing a gathering of civil servants, Mahatma Gandhi had said, "Your worth will not be judged by the faultless speeches in English you make but by the services you render to the poorest of the poor".

Professional Manager: The drastic changes which have taken place after liberalization, privatization, globalization, and market economy underscore the need for a highly skilled and professional civil service. In the literatures of Public Administration, it is being continuously felt that successful management of public sector and efficient production of organizational outputs cannot be correlated with classical models of public administration given by Weber and Wilson. As a result, the concept of New Public Management (NPM) is increasingly gaining ground. Civil servants should now act as "Public Managers" and possess the competence of the specialists and vision of the generalists.

Devnandan Sharma
(Member)
Bihar Pubic Service Commission, Patna

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

अभियान: एक सफर

कोचिंग का उद्देश्य स्वयं के प्रदर्शन को अधिकतम करने के लिए लोगों की क्षमता को Unlock करना है। इसी कड़ी में अभियान–40 आईएएस ने प्रतियोगी अभ्यर्थियों को अपने स्थापना के 10 वर्ष के काल में 1000 लोगों को जिन्दगी संवारी है।

आसमान को छूने का हौसला दिया है। कैसे कहा जाता है कि अनुशिक्षण अध्यापन व्यापारिक रूप से फन लेकर प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए व्यक्तिगत रूप से किया जाने वाला शैक्षिक मार्गदर्शन होता है। परन्तु इस संस्था Common Schooling System की तरह शैक्षिक मार्गदर्शक का काम कर रही है। अगर कहा जाए कि सुपर–30 की तरह प्रतियोगिता प्रवेश 11 होती है और निःशुल्क लोगों को शिक्षा दी जाती है। ठीक उसी प्रकार 40 अभियार्थियों को प्रतियोगिता के माध्यम से अनवरत 10 वर्षों से अपना परचम लहराया है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के महत्ता को बढ़ाने के लिए बहुत से जागरूकता शिक्षा अभियान भी चलाये जा रहे हैं।

चूँकि अभियान–40 आईएएस का उद्देश्य केवल एक क्षेत्र में ही नहीं बल्कि चार क्षेत्रों पर Focus देना है यानि अभियान चलाना शैक्षणिक, कृषि, सामा. जिक, मानवाधिकार चार क्षेत्र में उत्थान करना है। यही कारण है कि इस संस्था की प्रसिद्धि में चार चाँद लग गये और चार केन्द्र पटना, दिल्ली, लखनऊ और जयपुर में सुचारू रूप से संचालित हो रही है। इस संस्था के फाउंडर श्री बिलास कुमार जी संघर्षशील, उर्जावान, प्रतिभावन एवं युवा हैं जो उत्तरदायी पूर्ण कारवां को आगे बढ़ा रहे हैं और ऐसा क्यों न हो कि प्रकाण्ड विद्वान लोगों की शोहबत चाहे श्री गिरिवर दयाल सिंह आईएएस, श्री रासबिहारी प्रसाद सिंह, पूर्व कुलपति पटना विश्वविद्यालय, श्री डी.एन. शर्मा, पूर्व बीपीएससी मेंबर्स, डॉ. आर. एन. दिवाकर जैसे कई नाम जिन प्रसिद्ध गुरूओं के सानिध्य में रहकर सफलता का परचम लहराया जा रहा है।

इस अभियान संस्था ने सफलता के गूढ़मंत्र को अपनाया है। उदाहरण स्वरूप कह सकते हैं कि जीवन में सफलता अगर प्राप्त करनी है चाहे किसी भी क्षेत्र का हो Focus Carrier पर देना है। सफलता का मूलमंत्र है 'GOD' इसका रूपांतर है–

G = Gudiance Knowledge प्राप्त करना, सीखना।

O = Obedient आज्ञाकारी बनकर बच्चा बनकर जीवन जीएं।

D = Disciplined जैसा कहा है वैसा है, वैसा लगातार करते रहेंगे।

इस संस्था ने इसको मूर्त रूप दिया है।

गुरू ऐसे कुम्हार हैं जो बच्चे को देखकर जान जाते हैं कि छात्र ऐसी मिट्टी के हैं जिसे चाहे दिया बनाना हो, सुराही बनाना, घड़ा बनाना है Mentor को ज्ञान है।

नए बैच का उद्घाटन करते पीयू के तत्कालीन कुलपति प्रो. आर. बी. सिंह, आईएएस श्री गिरिवर दयाल सिंह व निदेशक।

एक किवदंती बनती जा रही है कि उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिला के अन्तर्गत माधेपुर एक गांव है, जहाँ पर आईएएस बनने की होड़ है और जितनी आबादी है गाँव की उससे 75 लोग आईएएस/आंपीएस बनते जा रहे हैं। वह दिन दूर नहीं कि यह संस्था पूरे भारत में माधेपुर गाँव जैसा हो जाए। वैसे जानकर आपको भी आश्चर्य होगा कि बिहारी के सपना को सच करने जा रहे है क्योंकि BIHAR का अर्थ ही होता है–

B = Brilliant I = Innovating
H = Hardworking A = Action oriented
R = Resourceful

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

यह संस्था Blue Print (रूप रेखा बनाकर) UPSC/BPSC के लिए Dry Run (पूर्व परीक्षण) अनवरत रूप से कर रहा है।

परीक्षार्थियों के लिए एक संदेश है– दरिया तलाश कर ना समुद्र तलाश कर, राहत जहाँ मिले वो घर तलाश कर, लोगों के पीछे चलने से कोई फायदा नहीं जो राह हक दिलाये वो रहबर तलाश कर।

अतः हमारी नजरों में एक अभियान रहबर बन गया है जिस तरह Competitors are not born they are created. हमारी ओर से प्रतियोगी परीक्षार्थी के लिए एक संदेश है कि दुनिया का हर शौक पाला नहीं जाता, कांच के खिलौनों को उछाला नहीं जाता और मेहतन करने से मुश्किले हो जाती हैं आसान क्योंकि हर काम तकदीर पर टाला नहीं जाता–मूलक्षेत्र है–प्रयत्न, मेहनत, आशावान हो कर ही बढ़ना चाहिए।

फाउंडर श्री बिलासजी के लिए एक शब्द बरबस निकल जाती है– 'ऐसी हुनर, ऐसी सादगी, ऐसी रहनुमाई की केफियत नहीं देखी, किरदार तो बहुत देखे हैं जमाने में, पर आप जैसी शख्सियत कभी नहीं देखी।'

इस संस्था को शिखर पर पहुँचाने के लिए जो त्याग, संघर्ष, समन्वय और उजाले में लाने के लिए जो कदम उठाया है सराहनीय है।

नागेन्द्र प्रसाद लाल
State Quality Monitor
ग्रामीण विकास विभाग
बिहार सरकार

66वीं बीपीएससी परीक्षा में संस्थान के सफल छात्र–छात्राओं के लिए आयोजित सम्मान समारोह।

गणतंत्र दिवस पर संस्थान परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पीयू के पूर्व कुलपति प्रो. आर. बी. सिंह, बीपीएससी के पूर्व सदस्य प्रो. डी. एन. शर्मा, प्रो. आर. एन. दिवाकर व अन्य।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन की प्रमुख उपलब्धियां

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली की स्थापना 2012 में हुई थी। यह नई दिल्ली की रजिस्टर्ड संस्था है। स्थापना के दौरान इसके कुशल संचालन के लिए श्री बिलास कुमार की अध्यक्षता में 9 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। वर्तमान में श्री बिलास कुमार इसके संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। इसकी पहली सेमिनार जकारिया पुल बड़ी पहाड़ी, पटना में आयोजित की गई। इस दौरान होली मिलन समारोह और हेल्थ कैंप का भी आयोजन किया गया।

वर्ष 2013 में संस्था द्वारा जस्टिस राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में आरकेडी कॉलेज, कंकड़बाग पटना में मानवाधिकार पर सेमिनार का आयोजन किया गया। दीघा, पटना में स्लम एरिया के लोगों के बीच कंबल एवं मानवाधिकार पर सेमिनार का भी आयोजन जस्टिस राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में किया गया। इस मौके पर श्री अजय सिंह, आ. ईआरएस, श्री शशि रंजन, ई. अर्जुन प्रसाद, ई. राजेश कुमार और दीघा के समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। 2014 में मानवाधिकार पर सेमिनार का आयोजन बिहारशरीफ में किया गया। इसमें श्री अजय सिंह, आईआरएस, प्रो. (डॉ.) संजय कुमार, श्री शशि रंजन, एडीजे आदि मौजूद थे। बिहारशरीफ के महिला कॉलेज में प्रिंसिपल पूनम कुमारी की अध्यक्षता में मानवाधिकार सह सिविल सेवा की तैयारी विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि प्रो. आरबी प्रसाद सिंह, श्री अजय सिंह, आईआरएस, श्री निराला यादव एवं कॉलेज के शिक्षकगण आदि उपस्थित थे।

प्रतिभा कभी छिपनी नहीं चाहिए

संस्थान का उद्देश्य है कि प्रतिभा कभी छिपनी नहीं चाहिए। इसी उद्देश्य से सितंबर 2014 में अभियान–40 (आईएएस) की स्थापना श्री अजय सिंह, आईआरएस के मार्गदर्शन में की गई। इसका उद्घाटन प्रो. (डॉ.) बलराम तिवारी ने किया। इसके बाद इसमें आशीष भारती, आईपीएस, प्रो. (डॉ.) रास बिहारी प्रसाद सिंह, श्री विजय शर्मा, पूर्व आईआरएस और कई गणमान्य लोग जुड़ते चले गए। 2015 में संस्थान को बो. रिंग रोड से स्थानांतरित कर राजवंशी नगर में ले जाया गया। उसके बाद इसके तत्वावधान में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं मानवाधिकार पर कई सेमिनार आयोजित किए गए।

गरीब व मेधावी बच्चों के लिए कक्षा का आयोजन

2015 के अंतिम चरण में राजवंशी नगर से जक्कनपुर थाना, मीठापुर में संस्थान का कार्यालय शिफ्ट किया गया। यहां प्रत्येक महीने हेल्थ कैंप का निःशुल्क आयोजन किया जाता रहा। अभियान–40 (आईएएस) संस्थान में प्रतिदिन आईएएस, आईपीएस तथा शिक्षाविदों द्वारा गरीब और मेधावी बच्चों के लिए कक्षा का आयोजन किया जाने लगा। बीपीएससी एवं जुडिशियल सर्विसेज के छात्रों को साक्षात्कार के लिए निःशुल्क दिशा–निर्देश भी प्रदान किया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन

संस्था द्वारा कई जिलों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र एवं पटना यूनिवर्सिटी एवं पाट. लिपुत्र यूनिवर्सिटी के विभिन्न कॉलेजों में निःशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया जिसमें आईजीआईएमएस के अधीक्षक प्रो. (डॉ.) मनीष मंडल के साथ डॉ. सुनीता कुमारी, डॉ रेखा कुमारी तथा डॉ. मनीष कुमार, डॉ. देवेंद्र प्रसाद और अन्य की मदद से संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को जागरूक किया गया। इस प्रकार संस्थान में कई डॉक्टर, प्रोफेसर इंजीनियर, समाजसेवी, मीडियाकर्मियों के साथ आईएएस, आईपीएस एवं शिक्षाविद् जुड़ते चले गए। इन लोगों ने संस्था को बढ़ाने में अपना बहुमूल्य एवं निःशुल्क योगदान किया। माह में दो बार शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मानवाधिकार जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। इसमें हिलसा के एसी कॉलेज में मुख्य अतिथि श्री अजय सिंह, आईआरएस, हिलसा अनुमंडल की एसडीओ सृष्टि राज सिंह एवं अन्य समाजसेवी भी उपस्थिति थे।

इस मौके पर सिविल सेवा परीक्षा पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस्लामपुर में सिविल सेवा एवं अन्य प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी हेतु निःशुल्क शाखा का शुभारंभ श्रीमती तनुजा कुमार जिला परिषद अध्यक्ष, प्रखंड इस्लामपुर के बीडीओ, हिलसा के एसडीओ, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी श्री लाल बाबू सिंह द्वारा किया गया। दिसंबर–जनवरी में स्वास्थ्य जांच एवं कंबल वितरण बतौर मुख्य अतिथि विधायक श्री चंद्रशेखर, एसडीओ एवं स्वास्थ्य प्रभारी द्वारा संस्था के सहयोग से किया गया। बिहारशरीफ जेल, हिलसा एवं बेउर जेल में एड्स जागरूकता एवं मानवाधिकार विषय पर सेमिनार का आयोजन प्रतिवर्ष संस्था द्वारा किया जाता है। जिसमें संस्था के संरक्षक डॉ. देवेंद्र प्रसाद, डॉ. देव प्रसाद, संस्था के पदाधिकारी एंव समाजसेवी की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोन किया गया।

सैकड़ों छात्र–छात्राएं सिविल सेवा में सफल हुए

2017 में संस्थान के कार्यालय को स्थाई रूप से कंकड़बाग में स्थानांतरित कर दिया गया। 2017 में ही संस्था की कई शाखाएं स्थापित की गईं जिसमें कई प्रबुद्ध लोग जुड़ते चले गए। अब तक अभियान–40 (आईएएस) के माध्यम से सैकड़ों छात्र–छात्राएं सिविल सेवा की विभिन्न परीक्षाओं में सफलता अर्जित कर चुके हैं। कई विद्यार्थी बिहार न्यायिक सेवा में भी सफल घोषित किए गए हैं।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

2016 में पुस्तकालय की स्थापना

2016 में संस्था की ओर से एक पुस्तकालय की स्थापना भी की गई है। यहां काफी संख्या में विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र–छात्राएं निःशुल्क अध्ययन करते हैं। यहां निःशुल्क किताबें, मैगजीन, नोट्स की उपलब्ध कराए जाते हैं।

लखनऊ एवं दिल्ली में नई शाखाएं स्थापित

अभियान–40 (आईएएस) की अब तक कई राज्यों में शाखाएं एवं लाइब्रेरी शुरू की जा चुकी हैं। पटना में दो शाखाएं कंकड़बाग और बोरिंग रोड में कार्यरत हैं। हाल ही में अल. ीगंज, लखनऊ एवं दिल्ली के बजीराबाद में शाखाएं स्थापित की गईं। नवंबर 2022 से जयपुर में अभियान–40 (आईएएस) की नई शाखा शुरू की गई है। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन का उद्देश्य है कि आगामी वर्षों तक प्रत्येक हिंदी भाषी प्रदेश में अभियान–40 (आईएएस) की शाखा खोली जाए।

मंथली ई–मैगजीन की शुरूआत

संस्था द्वारा करेंट अफेयर्स पर आधारित ई–मैगजीन की ऑनलाइन शुरुआत की गई है। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन की 2030 तक स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय स्थापित करने की योजना है। गांव–गांव जाकर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण एवं मानवाधिकार से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाने की भी योजना है।

नई तकनीक से उत्पादन एवं जागरूकता कार्यक्रम

संस्था द्वारा कुटीर उद्योग के अंतर्गत मधुबनी पेंटिंग, शॉल टी–शर्ट, साड़ी एवं फूड आइटम के उत्पादन द्वारा रोजगार की व्यवस्था एवं भारत तथा विदेशों में इसके निर्यात की भी योजना है। पर्यावरण दिवस पर मीठापुर कृषि फार्म से पदयात्रा शुरू की गई। श्री अजय सिंह आईआरएस एवं माननीय विधायक श्री राजेश कुमार एवं जदयू विधायक संजय गांधी की उपस्थिति में गांधी मैदान तक बड़ी संख्या में संस्था के कार्यकर्ता महिला एवं पुरूष शामिल हुए। यहां पदयात्रा सेमिनार में तब्दील हो गई। सेमिनार की अध्यक्षता आईएएस श्री आनंद किशोर ने की। पर्यावरण दिवस पर अभियान–40 आईएएस कंकड़बाग से एक पदयात्रा गांधी मैदान के निकली जिसमें पटना के आईजी श्री सुनील कुमार (आईपीएस) ने झंडा दिखाकर इसे रवाना किया। इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में शिक्षाविद् एवं छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इस मौके पर गांधी मैदान स्थित गांधी मूर्ति के पास पौध वितरण का भी आयोजन किया गया।

इसमें जागरूकता एवं पौधा वितरण एवं नर्सरी खोलने की भी योजना है। कृषि के क्षेत्र में संस्था द्वारा नई तकनीक के माध्यम से उत्पादन एवं जागरूकता लाकर उसे उचित मूल्य पर खरीद–बिक्री की भी योजना है। कृषि क्षेत्र में सही मार्गदर्शन के लिए प्रत्येक पंचायत में कृषि आधारित प्रशिक्षण केंद्र खोलने की भी योजना है। संस्था द्वारा कृषि महाविद्यालय स्थापित करने की भी भविष्यकालीन योजना है।

पिछले 12 वर्षों में लगभग हजारों सदस्य बनाए

संस्था की मानवाधिकार पर भारत में जागरूकता केंद्र एवं विश्वविद्यालय खोलने की योजना है। यह उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा निर्देशित मानवाधिकार विश्वविद्यालय की योजना पर आधारित है। संस्था ने पिछले 12 वर्षों में लगभग हजारों सदस्य बनाए हैं। ये सभी संस्था के प्रतिनिधि के तौर पर जागरूकता अभियान में मदद कर रहे हैं। इसके जरिये कई लोगों को रोजगार भी प्रदान किया गया है जो देश के विभिन्न हिस्सों में कार्य कर रहे हैं। संस्था द्वारा गरीब बच्चों में निःशुल्क कलम, पेन, कॉपी एवं पुराने कपड़ों का समय–समय पर वितरण भी किया जाता है। वर्ष 2012 से ही ग्रामीण क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में कंबल वितरण कार्यक्रम नियमित तौर पर चलाए जा रहे हैं। बिहारशरीफ, हिलसा और बेउर जेल, पटना में एड्स जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है। मानवाधिकार दिवस पर प्रत्येक वर्ष विभिन्न कॉलेजों, स्कूलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों एवं जेल परिसर में कार्यक्रम का आयोजन संस्था द्वारा किया जाता है।

कोविड–19 के दौरान बड़े स्तर पर सैनिटाइजर, डिटॉल, साबुन व भोजन का वितरण

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा कोविड–19 के दौरान बड़ी संख्या में सैनिटाइजर, मास्क, डिटॉल, साबुन, भोजन आदि की व्यवस्था नालंदा के नगरनौसा के विभिन्न पंचायतों में पटना के विभिन्न स्लम एरिया तथा आईजीआईएमएस में अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल एवं संस्था के संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बिलास कुमार की उपस्थिति में किया गया तथा को. विड–19 के लिए जागरूक भी किया गया। संस्था की ओर से वितरण का यह क्रम 2021 तक चलता रहा।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को उत्कृष्ट सेवा सम्मान

संस्था अब प्रतिवर्ष शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण एवं मानवाधिकार क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को अपने स्थापना वर्ष पर सम्मानित करेगी जिसके तहत गौतम बुद्धा उत्कृष्ट सेवा सम्मान प्रदान किया जाएगा।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

GBRDF के 13 साल: अखबारों की नजर से...

बिहार सरकार और जीबीआरडीएफ के बीच समझौता

दीपक कुमार

पटना। बिहार सरकार के पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग और गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते के तहत, पटना स्थित जन नायक कर्पूरी ठाकुर हॉस्टल में एक जन नायक पुस्तकालय (लाइब्रेरी) और राज्य डिजिटल अध्ययन केंद्र (स्टेट डिजिटल स्टडी सेंटर) का संचालन किया जाएगा। समझौते का मुख्य उद्देश्य पिछड़े और अति पिछड़े वर्ग के छात्रों के शैक्षणिक स्तर को बेहतर बनाना और उन्हें संघ लोक सेवा आयोग, बिहार लोक सेवा आयोग और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार सरकार की ओर से बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम के प्रबंध निदेशक ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। वहीं, गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान, नई दिल्ली की ओर से फाउंडेशन के निदेशक बिलास कुमार ने हस्ताक्षर किए। गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान भारत सरकार के तहत पंजीकृत एक ट्रस्ट है, जो बिहार में भी अपना पंजीकृत कार्यालय संचालित करता है। यह समझौता विभाग द्वारा संचालित 60 से अधिक छात्रावासों में रहने वाले हजारों छात्रों के लिए एक बड़ी पहल है, जो उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर संसाधन और डिजिटल सुविधाएं प्रदान करेगा।

Bihar Government Signs MoU with GBRDF to Boost Educational Support for Backward Class Students

Deepak Kumar

Patna: A significant Memorandum of Understanding (MoU) was signed between the Department of Backward and Extremely Backward Class Welfare, Government of Bihar, and Gautam Buddha Rural Development Foundation (GBRDF), New Delhi. Under this agreement, a Jan Nayak Library and a State Digital Study Center will be established and operated at the Jan Nayak Karpoori Thakur Hostel located in Patna. The primary objective of this collaboration is to enhance the academic standards of students belonging to backward and extremely backward communities and to prepare them for competitive examinations such as the Union Public Service Commission (UPSC), Bihar Public Service Commission (BPSC), and others. The agreement was signed on behalf of the Bihar Government by the Managing Director of the Bihar State Backward Classes Finance and Development Corporation. On behalf of GBRDF, Director Bilas Kumar signed the document.

यूपीएससी में पीयू का घटता प्रतिनिधित्व काफी चिंताजनक है: प्रो रास बिहारी

अभियान - 40 आईएएस भवन परिसर का उद्घाटन

पटना। देश का निर्माण बड़े-बड़े भवनों और कल-कारखानों से नहीं होगा, बल्कि युवाओं के निर्माण से होगा। देश की विशाल युवा आबादी हमारे लिए एक अवसर है, जिसमें सरकारी तंत्र के साथ ही साथ निजी संस्थाओं व सामाजिक संगठनों की बड़ी भूमिका है। ये बातें कंकड़बाग टेम्पू स्टैंड के निकट स्थित अभियान 40 (आईएएस) के नए भवन परिसर के उद्घाटन के मौके पर सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कहीं। कार्यक्रम में पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि पैसे से मकान और राष्ट्र का निर्माण नहीं होता, बल्कि राष्ट्र का निर्माण ज्ञान और विज्ञान से होता है। भू राजस्व विभाग के सचिव गिरिवर दयाल सिंह, श्री आरएल दिवाकर, सेवानिवृत्त आईपीएस चन्द्रिका प्रसाद, बीएसपी अरुणोदय पांडेय, व पीएमसीएच के डॉ. अरुण कुमार शर्मा, डॉ. सुनील, संस्थान के निदेशक बिलास कुमार समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग शामिल हुए।

अभियान-40 में यूपीएससी के पूर्व अध्यक्ष ने दिए सफलता के मंत्र

Seminar on "Emerging Trends and Challenges" Organized at MG English International School, Jaipur

Deepak Kumar

Jaipur : A seminar titled "UPSC in the Changing Scenario: Emerging Trends and Challenges" was organized on Monday at MG English International School, Bagru, Jaipur, under the joint aegis of Gautam Buddha Rural Development Foundation (GBRDF), New Delhi, and the school. The event aimed to guide students on the evolving nature of the UPSC Civil Services Examination and strategies to tackle these changes effectively. The seminar was graced by Prof. D.P. Agrawal, former Chairman of UPSC, as the chief guest. Other distinguished guests included Ankit Anand, a successful IRS officer from the UPSC 2024 batch; Mona Sharma, Assistant Commissioner (GST, Rajasthan); Prof. K. Tanveer from Delhi University; Vilas Kumar, Director of GBRDF; Motilal Sharma, SHO of Bagru; and Manish Gupta, Director of MG English International School, along with several respected community members. All the guests encouraged the students to prepare themselves for future challenges and stay committed to their goals. The seminar was part of the "Abhiyan-40 (IAS)" initiative run by GBRDF, which focuses on providing direction and support to aspiring civil servants and aims to nurture honest, dedicated, and sensitive administrators for the society.

Vilas Kumar, Director of the Foundation, shared that Abhiyan-40 (IAS) currently operates five successful branches across Bihar, Lucknow, Delhi, and Jaipur. The foundation offers free coaching for the civil services to meritorious students, along with free hostel facilities for underprivileged yet talented aspirants. So far, the initiative has helped more than a thousand students achieve success in competitive exams. He expressed gratitude for Prof. D.P. Agrawal's guidance and blessings, which have been instrumental in the program's success.

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

शिक्षक बिहार की मिट्टी की उपज हैं, शिक्षा को बढ़ाने की बड़ी जिम्मेदारी इन्हें सौंपी गयी है

शिक्षा सम्मान समारोह में शिक्षक हुए सम्मानित

भारत को फिर से समृद्ध करने की जरूरत

प्रकृति की नजर में नर-नारी समान

पटना सिटी। चौकशिकारपुर स्थित आरपीएम कॉलेज में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन करते हुए पूर्व न्यायाधीश राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि प्रकृति की नजर में नर और नारी दोनों समान हैं।

प्राचीन काल में दोनों में भेद की घटनाएं कम ही दिखती हैं। वेदों में भी महिलाओं को सम्मान दिया गया है। आज के समाज का चरित्र बदल गया है। ऐसा समाज कमजोर होने की वजह से हुआ है। इसने नारी जिम्मेदारी सरकार पर सौंप दी है। मेहमानों का स्वागत करते हुए प्राचार्या डॉ. पूनम ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। सरकारी स्तर पर भी महिलाओं को सशक्त करने का प्रयास जारी है। स्त्री-पुरुष सबको समान अवसर मिलेगा तभी राष्ट्र का उत्थान होगा। गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन के अध्यक्ष विजय कुमार ने छात्राओं से अपने अंदर की आत्मशक्ति और ऊर्जा को पहचान कर आगे बढ़ने का आह्वान किया। राकेश अनुराग ने बिहार गौरव गीत गाया। संचालन डॉ. अंजू जैन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शहनाज फातमा ने किया।

20 स्कूलों को जीबीआरडीएफ ने लिया गोद

जरूरतमंदो के बीच कपड़े एवं कंबल का किया वितरण

Senior IAS discussed UPSC exam strategy

अभियान-40 (आईएएस) के 28 छात्रों ने 66 वीं बीपीएससी परीक्षा में पाई सफलता

अपने विषय पर बनाएं पूरी पकड़, कभी भी न अपनाएं शॉटकर्ट

बिहारशरीफ | निज संवाददाता

समसामयिक घटनाओं पर हमेशा पूरी नजर रखें। अपने विषयों पर अपनी पूरी पकड़ बनाएं। तैयारी में कभी भी शॉटकर्ट रास्ता न अपनाएं। शुरू से ही सही रणनीति बनाकर ईमानदारी से मेहनत करें। यूपीएससी परीक्षा को कभी भी कठिन समझने की भूल न करें। एकदम निडर होकर इस परीक्षा की तैयारी करें। आपको सफलता अवश्य मिलेगी। बिहारशरीफ के आईएमए हॉल में आयकर विभाग के संयुक्त आयुक्त रजनीश कुमार मधुकर (आईआरएस) ने छात्र-छात्राओं को यूपीएससी (यूनियन पब्लिक सर्विस कमिशन) की परीक्षा में सफल होने के आसान टिप्स बताए।

उन्होंने कहा कि एक बार मन में कठिन शब्द आया तो उसे खत्म करना बहुत ही मुश्किल है। सही रणनीति व प्रबंधन से हर मुश्किल काम को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है। विलास कुमार ने कहा कि यह परीक्षा तीन चरणों में आयोजित होती है। हर स्टेज की बाधा को खत्म कर ही छात्र इसमें सफल हो सकते हैं। प्रीलिम्स, मेन परीक्षा व साक्षात्कार परीक्षा में अपनी दक्षता को सिद्ध करना होता है। इसमें डीईओ केशव प्रसाद, पप्पू कुमार व अन्य ने सफलता के टिप्स बताए। प्रमोद कुमार ने कहा कि तैयारी के दौरान कामों बातों पर ध्यान रखना चाहिए। खासकर अपने अंदर लिखने की क्षमता विकसित करें। बेसिक पुस्तकों का अध्ययन करें। किसी विषय को लेकर अपने कंसेप्ट यानि सोच एकदम साफ रखें। इसमें किसी तरह का किंतु परंतु नहीं होना चाहिए।

इसके लिए कम से कम एक अखबार रोज पढ़ें। साथ ही अनुभवी या सफल छात्रों से मार्गदर्शन लेते रहें।

वाद विवाद में भी लें भाग: बीपीएससी के पूर्व सदस्य प्रो. डीएन शर्मा ने छात्रों को कहा कि किसी भी विषय वस्तु पर पकड़ बनाने के लिए वाद विवाद सबसे उत्तम साधन है। एक साथ चार, पांच या अधिक छात्र किसी एक विषय पर अपनी अपनी बातें कहें। उसपर विस्तार से चर्चा करें। इससे एक दूसरे के अनुभवों व जानकारी को समझने का मौका मिलेगा। नित्य अलग अलग विषयों पर सामूहिक चर्चा करें। इससे उस विषय पर आपकी पकड़ बढ़ेगी।

टिप्स

- यूपीएससी परीक्षा को कठिन समझने की न करें भूल, निडर हो करें तैयारी
- आईएमए सभागार में सफल शिक्षाविदों ने छात्रों को परीक्षा में सफल होने के बताए टिप्स

बिहारशरीफ के आईएमए हॉल में छात्र छात्राओं को यूपीएससी की परीक्षा में सफल होने के लिए टिप्स बताते शिक्षाविद। • हिन्दुस्तान

सिलेबस के अनुसार करें तैयारी

सिविल सेवा परीक्षा: चुनौती एवं समाधान विषय पर आयोजित सेमिनार में पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि इस परीक्षा के लिए सिलेबस का अपना महत्व है। इसकी तैयारी में मैट्रिक तक की एनसीईआरटी की किताबें बहुत ही सहायक हैं। वैसे तो इसमें सामान्य तौर पर सभी विषयों पर पकड़ होनी चाहिए। लेकिन, मुख्य परीक्षा की तैयारी में पठनीय विषयों के सिलेबस के अनुसार ही तैयारी करें। उन्होंने कहा कि जब आप हिमालय से निकलने वाली नदियों एवं प्रायद्वीपीय पठार की नदियों में अंतर पढ़ रहे होते हैं। तो ये भी पढ़ें कि इन नदियों का संबंधित क्षेत्र में सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक परिदृश्य में प्रभाव क्या पड़ा।

सफलता के सात मंत्र

- सबसे पहले इस परीक्षा से संबंधित सारी जानकारी एकत्र करें।
- परीक्षा के सिलेबस को समझें, उसके बाद विषय संबंधित निर्णय लें।
- रणनीति और अध्ययन की पाठ्य सामग्री इकट्ठा करें।
- एकाग्रता के साथ लगन से पढ़ाई करें, पढ़ने के बाद उन विषय वस्तु पर अवश्य लिखें।
- सुविधा के अनुसार सप्ताह में एक बार मॉडल प्रश्नों का हल कर समय व हल प्रश्नों के अनुपात को दखते रहें।
- डेली नियमित तौर से अखबार व पत्रिकाएं पढ़ते रहें। इसमें समसामयिक घटनाओं पर अवश्य ध्यान दें।
- देश व विदेश में चल रही हलचल व अन्य गतिविधियों पर अखबार के माध्यम से नजर बनाए रखें।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

हर क्षेत्र में बढ़ रही महिलाओं की भागीदारी

अभियान 40 (आईएएस) के एप का विमोचन

बीपीएससी परीक्षा में सफल हुए संस्थान के 56 बच्चे व गुरुजन सम्मानित

[illegible]

'अभियान 40' करेंट अफेयर्स पत्रिका का विमोचन

पटना. गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन की ओर से संचालित कंकड़बाग स्थित 'अभियान 40' आईएएस संस्थान के सभागार में पत्रिका का विमोचन किया गया. समारोह की अध्यक्षता करते हुए पटना विवि के पूर्व कुलपति प्रो (डॉ) रासबिहारी सिंह ने कहा कि इस पत्रिका में गागर में सागर समाहित है. [illegible] ... विलास, कौशल सिंह, विजय पांडेय, आयुष, प्रमोद, कमलेश, दीपक, एनपी लाल, पूर्व डीआइजी चंद्रिका प्रसाद, विलास समेत अन्य मौजूद रहे.

'साक्षात्कार की तैयारी की रणनीति एवं गुणवत्ता कार्यक्रम'

नवबिहार दूत संवाददाता

पटना. साक्षात्कार के दौरान उत्तर देते समय आत्मविश्वास एवं निश्चित दृष्टिकोण सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। यदि प्रश्न का विश्लेषण कर तर्कपूर्ण जवाब दिए जाएं तो साक्षात्कार लेने वाला निश्चित ही प्रभावित होगा। आकर्षक व्यक्तित्व और सौम्य व्यवहार साक्षात्कार में सफलता की कुंजी मानी जाती है। ये बातें बिहार लोक सेवा आयोग की-66वीं मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए आयोजित 'साक्षात्कार की तैयारी की रणनीति एवं गुणवत्ता कार्यक्रम' में बिहार के अपर पुलिस महानिदेशक पारस नाथ ने कही। 'अभियान - 40 (आईएएस) की ओर से रविवार को आयोजित निःशुल्क सेमिनार में पूर्व डीआइजी चन्द्रिका प्रसाद, प्रो. आरएन दिवाकर, प्रो. अजय प्रताप, विद्यासागर समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

अभियान - 40 (आईएएस) के संस्थापक सह निदेशक विलास कुमार ने बताया कि 66 वीं बीपीएससी मुख्य परीक्षा में शामिल परीक्षार्थियों में से कुल 1828 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। आयोग द्वारा सफल अभ्यर्थियों को मध्य मई में साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने की संभावना है। इन बच्चों के लिये संस्थान की ओर से इस बार भी अनुभवी विशेषज्ञों की टीम (बिहार लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य, प्रशासनीय पदाधिकारी, प्रोफेसर एवं वरिष्ठ पत्रकार आदि की देख-रेख में विशेष कक्षाएं एवं मॉक साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा, जिसका शुभारंभ आज बिहार के एडीजी पारस नाथ ने की। इस बार संस्थान के कंकड़बाग स्थित परिसर के अलावा बोरिंग रोड ब्रांच में भी मॉक साक्षात्कार लिया जाएगा।

सफलता के लिए जरूरी है जुनून : उपमुख्यमंत्री

बीआइए सभागार में आयोजित समारोह को संबोधित करतीं उपमुख्यमंत्री रेणु देवी.

संवाददाता [illegible]

उपमुख्यमंत्री रेणु देवी ने कहा कि सफलता के लिए छात्रों में एक जुनून होना चाहिए, [illegible] ... 'गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन' नयी दिल्ली द्वारा संचालित अभियान-40 (आइएएस) की ओर से बीआइए सभागार में रविवार को गुरुजनों व 64वीं बीपीएससी परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए सम्मान समारोह सह वेबसाइट व एप के विमोचन समारोह का [illegible]

उपमुख्यमंत्री ने समारोह का उद्घाटन किया. पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो (डॉ) रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि पैसे से समाज और राष्ट्र का निर्माण नहीं होता, बल्कि राष्ट्र का निर्माण ज्ञान और विज्ञान से होता है. [illegible] ... समारोह में शिक्षकों और संस्थान के 56 सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित किया गया. मौके पर [illegible] ... प्रो डीएन शर्मा, राजकिशोर प्रसाद, प्रो [illegible] आदि मौजूद थे.

छिपी प्रतिभाओं को संवारना आवश्यक : प्रो. रास बिहारी

सामान्य अध्ययन की पांच पुस्तकों का एक साथ किया गया विमोचन

[illegible]

पुस्तकों का विमोचन करते अतिथि।

[illegible]

युवा निर्माण से ही होगा देश का विकास : गंगा प्रसाद

पटना। देश का निर्माण बड़ी - बड़ी भवनों और कल - कारखानों से नहीं होगा, बल्कि युवाओं के निर्माण से होगा। देश की विशाल युवा आबादी हमारे लिए एक अवसर है, जिसमें सरकारी तंत्र के साथ ही साथ निजी संस्थाओं व सामाजिक संगठनों की बड़ी भूमिका है। समाज के गरीब और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सिविल सेवा की तैयारी कराने वाले अभियान - 40 (आईएएस) युवा निर्माण के लिए काम कर रहा है और युवा निर्माण से ही राष्ट्र का निर्माण होगा। ये बातें रविवार कंकड़बाग टेम्पू स्टैंड के निकट स्थित अभियान -40 (आईएएस) के नए भवन परिसर के उदघाटन के मौके पर सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कही। इस कार्यक्रम में पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह, भू राजस्व विभाग के सचिव गिरिवर दयाल सिंह, प्रो. आरएन दिवाकर, सेवानिवृत्त आईपीएस चन्द्रिका प्रसाद, डीएसपी अरुणोदय पांडेय, ल पीएमसीएच के डॉ. अरुण कुमार शर्मा, डॉ. सुनीता समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग शामिल हुए। पटना विश्वविद्यालय के

पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ-) रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि पैसे से समाज और राष्ट्र का निर्माण नहीं होता, बल्कि राष्ट्र का निर्माण ज्ञान और विज्ञान से होता है। उन्होंने कहा कि अभियान - 40 (आईएएस) उसी दिशा में कार्य कर रहा है। संस्थान के द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। इससे पहले संस्थान के निदेशक बिलास कुमार ने अतिथियों को जीबीआरडीएफ के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन द्वारा पटना, लखनऊ तथा दिल्ली में अभियान - 40

अभियान - 40 (आईएएस) के नए भवन परिसर का उदघाटन

अब एक ही कैम्पस में क्लास रूम, लाइब्रेरी व छात्रावास की होगी व्यवस्था

(आईएएस) नाम से निःशुल्क कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें समाज के गरीब एवं प्रतिभाशाली बच्चों को सिविल सर्विसेज की तैयारी कराई जाती है। आज यहां से निकले हुए सैकड़ों छात्र - छात्राएं देश भर में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर रहे हैं। फाउंडेशन के द्वारा लोगों के बीच स्वास्थ्य संबंधित जागरूकता लाने का भी कार्य किया जा रहा है। फाउंडेशन अपने सामाजिक दायित्वों को समझते हुए इस दिशा में और भी कई कार्य करने की योजनाएं बना रहा है। इसके तहत आने वाले दिनों में गरीब बच्चों के लिए बारहवीं तक की स्कूल की स्थापना, युवाओं में संगीत के प्रति रूझान पैदा करने एवं इस दिशा में बेहतर कैरियर बनाने के उद्देश्य से शास्त्रीय गायन, नृत्य, तबला वादन, गिटार वादन सीखाने के लिए संगीत विद्यालय की भी स्थापना करने की योजना है।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

हर क्षेत्र में बढ़ रही महिलाओं की भागीदारी

अभियान 40 (आईएएस) के एप का विमोचन

विमोचन समारोह में उपमुख्यमंत्री रेणु देवी और अन्य लोग।

बीपीएससी परीक्षा में सफल हुए संस्थान के 56 बच्चे व गुरुजन सम्मानित

पटना (एसएनबी)। सफलता के लिए छात्रों में जुनून होना चाहिए। सफलता के आगे जो हार गया वह कभी सफल नहीं हो सकता। आज महिलाओं के अंदर जो सशक्तिकरण आया है, वह पूरे समाज की दशा - दिशा बदल रहा है। लड़कियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं तथा पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। चाहे वह क्षेत्र राजनीति का हो या प्रशासनिक सेवा का, महिलाओं की बढ़ती भागीदारी बेहद ही उत्साहवर्द्धक है।

ये बातें रविवार को बीआईए सभागार में गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा संचालित अभियान-40 (आईएएस) की ओर से गुरुजनों एवं 64वीं बीपीएससी परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए आयोजित सम्मान समारोह सह एप के विमोचन समारोह में उपमुख्यमंत्री रेणु देवी ने कहीं। समारोह में संस्थान की ओर से संचालित 64वीं बीपीएससी परीक्षा की तैयारी में बच्चों को उचित मार्गदर्शन व अध्ययन कराने वाले गुरुजनों तथा संस्थान के 56 सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री रेणु देवी ने अभियान-40 (आईएएस) के वेबसाइट एवं एप का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) रास बिहारी प्रसाद सिंह, रिटा. आयुक्त गिरीश दयाल सिंह, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग की निदेशक प्रो. (डॉ.) पूर्णिमा शेखर सिंह, पुलिस विभाग के आईजी मिथिलेश मिश्रा, संयुक्त आयकर आयुक्त रंजीत कुमार मधुकर, पूर्व बीपीएससी सदस्य प्रो. (डॉ.) डीएन शर्मा, राजकिशोर प्रसाद, प्रो. बीके मंगलम तथा बिहार - झारखंड के पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त विजय शर्मा समेत कई लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक बिलास कुमार ने की। इस मौके पर रिटा. आयुक्त गिरीश दयाल सिंह ने कहा कि यह एप विभिन्न प्रतियोगिता की तैयारी करने वाले बच्चों के लिए काफी लाभदायक साबित होगा। यह सही मायने में क्रांति होगी क्योंकि इसकी सहायता से सुदूर गांव में रहने वाले प्रतिभाशाली बच्चे भी घर बैठे विभिन्न प्रतियोगिता की परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। इससे पहले संस्थान के निदेशक बिलास कुमार ने अतिथियों को बीपीएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन द्वारा पटना, लखनऊ तथा दिल्ली में अभियान - 40 (आईएएस) नाम से निःशुल्क कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें समाज के गरीब एवं प्रतिभाशाली बच्चों को विभिन्न प्रतियोगिता की तैयारी कराई जाती है। इसी कड़ी में इस वर्ष 64 वीं बीपीएससी परीक्षा में संस्थान के 56 बच्चों ने सफलता प्राप्त की।

'अभियान 40' करेंट अफेयर्स पत्रिका का विमोचन

पटना. गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन की ओर से संचालित कंकड़बाग स्थित 'अभियान 40' आइएएस संस्थान के सभागार में पत्रिका का विमोचन किया गया. समारोह की अध्यक्षता करते हुए पटना विवि के पूर्व कुलपति प्रो (डॉ) रासबिहारी सिंह ने कहा कि इस पत्रिका में गागर में सागर समाहित है. वहीं, वरिष्ठ आइएएस अधिकारी गिरीश दयाल सिंह ने कहा कि पत्रिका का अध्ययन कर विद्यार्थी अपने लक्षित मुकाम को प्राप्त कर सकते हैं. मौके पर एडीजी पारसनाथ, प्रधान संपादक प्रो डॉ आरएन दिवाकर, बिलास, कौशल सिंह, विजय पांडेय, आनंद, प्रमोद, कमलेश, दीपक, एनपी लाल, पूर्व डीआइजी चंद्रिका प्रसाद, बिलास समेत अन्य मौजूद रहे.

'साक्षात्कार की तैयारी की रणनीति एवं गुणवत्ता कार्यक्रम'

नवबिहार दूत संवाददाता

पटना: साक्षात्कार के दौरान उत्तर देते समय आत्मविश्वास एवं निश्चित दृष्टिकोण सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। यदि प्रश्न का विश्लेषण कर तर्कपूर्ण जवाब दिए जाएं तो साक्षात्कार लेने वाला निश्चित ही प्रभावित होगा। आकर्षक व्यक्तित्व और सौम्य व्यवहार साक्षात्कार में सफलता की कुंजी मानी जाती है। ये बातें बिहार लोक सेवा आयोग की-66वीं मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए आयोजित 'साक्षात्कार की तैयारी की रणनीति एवं गुणवत्ता कार्यक्रम' में बिहार के अपर पुलिस महानिदेशक पारस नाथ ने कही। 'अभियान - 40 (आईएएस) की ओर से रविवार को आयोजित निःशुल्क सेमिनार में पूर्व डीआइजी चन्द्रिका प्रसाद, प्रो. आरएन दिवाकर, प्रो. अजय प्रताप, विद्यासागर समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

अभियान - 40 (आईएएस) के संस्थापक सह निदेशक बिलास कुमार ने बताया कि 66 वीं बीपीएससी मुख्य परीक्षा में शामिल परीक्षार्थियों में से कुल 1828 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। आयोग द्वारा सफल अभ्यर्थियों को मध्य मई में साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने की संभावना है। इन बच्चों के लिये संस्थान की ओर से इस बार भी अनुभवी विशेषज्ञों की टीम (बिहार लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य, प्रशासनीय पदाधिकारी, प्रोफेसर एवं वरिष्ठ पत्रकार आदि की देख-रेख में विशेष कक्षाएं एवं मॉक साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा, जिसका शुभारंभ आज बिहार के एडीजी पारस नाथ ने की। इस बार संस्थान के कंकड़बाग स्थित परिसर के अलावा बोरिंग रोड ब्रांच में भी मॉक साक्षात्कार लिया जाएगा।

सफलता के लिए जरूरी है जुनून : उपमुख्यमंत्री

बीआइए सभागार में आयोजित समारोह को संबोधित करती उपमुख्यमंत्री रेणु देवी.

संवाददाता | पटना

उपमुख्यमंत्री रेणु देवी ने कहा कि सफलता के लिए छात्रों में एक जुनून होना चाहिए, सफलता के आगे जो हार गया वह कभी सफल नहीं हो सकता. मौका था 'गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन' नयी दिल्ली द्वारा संचालित अभियान-40 (आइएएस) की ओर से बीआइए सभागार में रविवार को गुरुजनों व 64वीं बीपीएससी परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए सम्मान समारोह सह वेबसाइट व एप के विमोचन समारोह का.

उपमुख्यमंत्री ने समारोह का उद्घाटन किया. पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो (डॉ) रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि पैसे से समाज और राष्ट्र का निर्माण नहीं होता, बल्कि राष्ट्र का निर्माण ज्ञान और विज्ञान से होता है. रिटा. उद्योग विभाग के आयुक्त गिरीश दयाल सिंह ने एप व वेबसाइट की विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला. समारोह में शिक्षकों और संस्थान के 56 सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित किया गया. मौके पर आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग की निदेशक प्रो पूर्णिमा शेखर सिंह, आइजी मिथिलेश मिश्रा, संयुक्त आयकर आयुक्त रंजीत कुमार मधुकर, प्रो डीएन शर्मा, राजकिशोर प्रसाद, प्रो बीके मंगलम आदि मौजूद थे.

प्रकृति की नजर में नर-नारी समान

पटना सिटी। चौकशिकारपुर स्थित आरपीएम कॉलेज में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन करते हुए पूर्व न्यायाधीश राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि प्रकृति की तरफ से नर और नारी दोनों समान हैं।

प्राचीन काल में दोनों में भेद की घटनाएं कम ही दिखती हैं। वेदों में भी महिलाओं को सम्मान दिया गया है। आज के समाज का चरित्र बदल गया है। ऐसा सम्मान कमजोर होने की वजह से हुआ है। हमने सारी जिम्मेदारी सरकार पर सौंप दी है। मेहमानों का स्वागत करते हुए प्राचार्या डॉ. पूनम ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। सरकारी स्तर पर भी महिलाओं को सशक्त करने का प्रयास जारी है। स्त्री-पुरुष सबको समान अवसर मिलेगा तभी राष्ट्र का उत्थान होगा। गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन के अध्यक्ष बिलास कुमार ने छात्राओं से अपने अंदर की आत्मशक्ति और ऊर्जा को पहचान कर आगे बढ़ने का आह्वान किया। राकेश अनुराग ने बिहार गौरव गीत गाया। संचालन डॉ. अंजू जैन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सहजाद फातमा ने किया।

बिलास कुमार सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद से उनके आवास पर जाकर मिले

नवबिहार दूत संवाददाता

पटना: गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा संचालित 'अभियान - 40 (आईएएस) के संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष बिलास कुमार गुरुवार को सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद से उनके आवास पटना पर जाकर मिले। उनके साथ पटना विश्वविद्यालय में फिलॉसफी के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. आरएन दिवाकर भी मौजूद थे।

राज्यपाल गंगा प्रसाद ने अभियान - 40 (आईएएस) के कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए बेहद ही कल्याणकारी कार्य बताया।

इस मौके पर अभियान के निदेशक बिलास कुमार ने महामहिम राज्यपाल को संस्थान के द्वारा किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि इस संस्थान में ये तमाम सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है जो देश के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में मिलती है। उन्होंने बताया की अभी तक इस संस्थान के चार ब्रांच खुल चुके हैं, जो बिहार, लखनऊ और दिल्ली में स्थापित है। यहां से प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में छात्र - छात्राएं सफल होकर प्रशासनिक सेवाओं में जा रहे हैं।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता को अनुशासन व धैर्य आवश्यक : गिरिवर सिंह

सेमिनार में राजस्व व चकबंदी लेखपाल की तैयारी पर हुई चर्चा

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिये अभ्यर्थियों में शैक्षिक योग्यता के साथ साथ अनुशासन और धैर्य होना अति आवश्यक है। अभी तक की असफलता से आपको घबराने की जरूरत नहीं है। आप सही दिशा में लगातार और कठिन परिश्रम करें। सफलता निश्चित रूप से आपके कदम चूमेगी। बिहार में कार्यरत वरिष्ठ आईएएस गिरिवर दयाल सिंह ने यह मार्गदर्शन उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से राजस्व एवं चकबंदी लेखपाल की तैयारियों को लेकर रविवार को आयोजित एक सेमिनार में प्रतिभागियों को दिया। इस मौके पर राजस्व एवं चकबंदी लेखपाल परीक्षा की तैयारी के लिए नए बैच का शुभारंभ भी हुआ।

वरिष्ठ आईएएस पदाधिकारी गिरिवर दयाल सिंह एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में सेमिनार का आयोजन गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा संचालित अभियान 40 (आईएएस) की ओर से किया गया। सेमिनार में बिहार में कार्यरत वरिष्ठ आईएएस पदाधिकारी गिरिवर दयाल सिंह, आईआरएस जगनाथ वर्मा, आईआरएस पदाधिकारी शिवशंकर, कमलेश वर्मा एवं राजकीय कन्या इण्टर कॉलेज की प्राचार्या कुसुम वर्मा समेत अन्य विशेषज्ञों ने परीक्षा की तैयारियों पर चर्चा की तथा बच्चों को सफलता के गुर बताए। वरिष्ठ आईएएस गिरिवर दयाल सिंह ने विभिन्न विषयों के संदर्भ में उनके तथ्यों के बहु आयामी रूपों पर विस्तृत चर्चा की। इस मौके पर आईआरएस जगनाथ वर्मा ने परीक्षा में पूछे जाने वाले महत्वपूर्ण विषयों के संदर्भ में बच्चों का मार्गदर्शन किया। वहीं प्राचार्या कुसुम वर्मा ने परीक्षा में ऋणात्मक अंक को कम करने के लिये विशेष रणनीति पर चर्चा की। इस मौके पर तकनीकी परिषद, उत्तर प्रदेश के सदस्य कमलेश अग्रवाल एवं अन्य विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों से अपना अनुभव साझा किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक विलास कुमार ने कहा कि इस संस्थान में वे तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जो देश के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में मिलती हैं। उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश के सभी महाविद्यालयों एवं विद्यालयों में इस तरह का जागरूकता कार्यक्रम चलाया जायेगा। उन्होंने बताया कि अभी तक यह संस्थान बिहार और दिल्ली में अपनी कक्षाएं आयोजित कर रहा है।

'अभियान-40 आईएएस' राज्य भर से चुने हुए 200 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को नि:शुल्क यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कराएगा

नवबिहार टुडे संवाददाता

पटना: 'गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन' (जी बी आर डी एफ), नई दिल्ली के द्वारा संचालित 'अभियान - 40 आईएएस' राज्य भर से चुने हुए 200 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को नि:शुल्क यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कराएगा। इन सभी चयनित विद्यार्थियों को रहने के लिए हॉस्टल की भी व्यवस्था की जाएगी ताकि उन्हें उचित शैक्षणिक माहौल मिल सके। इस बात की जानकारी रविवार को पटना स्थित [illegible] भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में जी बी आर डी एफ के सलाहकार समिति के अध्यक्ष एवं पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रास बिहारी सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इसके लिए 24 नवम्बर को राज्य भर में मेधा [illegible] टेस्ट का आयोजन किया जाएगा, जिसमें इच्छुक प्रतिभागी शामिल हो सकते हैं। इस मौके पर बीपीएससी के पूर्व सदस्य प्रो. दीपक शर्मा ने बताया कि इस परीक्षा में शामिल होने के लिए विद्यार्थियों को 23 सितम्बर से 26 अक्टूबर के बीच रजिस्ट्रेशन करा लेना होगा। इस मौके पर फाउंडेशन के अध्यक्ष विलास कुमार ने बताया कि अभियान-40 (आईएएस) की ओर से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पिछले 11 वर्षों से सिविल सर्विसेज की नि:शुल्क तैयारी कराई जा रही है। अभी तक यहां से काफी संख्या में विद्यार्थी सफलता प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में इस फाउंडेशन के द्वारा पटना, लखनऊ, दिल्ली एवं जयपुर में छह जगहों पर अभियान - 40 (आईएएस) के नाम से कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। इस अवसर पर पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रासबिहारी सिंह, बीपीएससी के पूर्व सदस्य प्रो. दीपक शर्मा, प्रो. [illegible] दिवाकर एवं फाउंडेशन के संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष विलास कुमार समेत अन्य लोग शामिल हुए।

हमें अध्यात्म की ओर मुड़ना होगा : जस्टिस राजेन्द्र प्रसाद

पटना (आससे)। कोविड-19 के दौरान महीनों तक न्यायालय में काम-काज प्रभावित रहा गया, जिससे बड़ी संख्या में लोग न्याय से वंचित रह गए। [illegible]

[illegible]

प्रतियोगी परीक्षा के अनुकूल उत्तर लिखने का अभ्यास करें

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

अभियान-40 (आईएएस) के कंकड़बाग स्थित सभागार में सम्मान समारोह सह शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला हुई। मुख्य अतिथि पीयू के पूर्व कुलपति प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि सिविल सेवा की परीक्षा में सफल होने के लिए विश्वविद्यालय की पढ़ाई से अलग प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुकूल उत्तर लिखने का अभ्यास करना होगा। वरिष्ठ आईएएस गिरिवर दयाल सिंह ने भी टिप्स दिए। कार्यक्रम में ऑडिटर की परीक्षा में संस्थान के सफल प्रतिभागियों को प्रशस्ति एवं स्मृति चिह्न दिया गया। संस्थान के निदेशक बिलास कुमार ने भी संबोधित किया।

अभियान-40 गरीब व प्रतिभाशाली छात्रों के लिए वरदान

पटना। 64वीं बीपीएससी परीक्षा में गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन की ओर से संचालित अभियान-40 (आईएएस) गरीब व प्रतिभाशाली छात्रों के लिए वरदान साबित हो रहा है। सूबे में कार्यरत कई भारतीय प्रशासनिक सेवा व बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों, विभिन्न कॉलेजों के प्रोफेसर तथा शिक्षाविदों के सहयोग से चलाये जा रहे इस संस्थान की शिक्षण शैली व अनुशासन अनुकरणीय है। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए नि:शुल्क तैयारी कराने वाले इस संस्थान से 64वीं बीपीएससी में कुल 56 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। संस्थान के निदेशक विलास कुमार ने बताया कि इस संस्थान से 132 विद्यार्थियों ने 64वीं बीपीएससी का साक्षात्कार दिया था। इनमें से अभी 56 के चयनित होने की सूचना मिल चुकी है तथा सफल हुए छात्रों की गिनती जारी है। अंतिम परिणाम और भी उत्साहवर्धक होने की संभावना है। सफल छात्रों के लिए बहुत शीघ्र संस्थान की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया जायेगा। विदित हो कि इस संस्थान से पटना विवि के पूर्व कुलपति प्रो. रासबिहारी सिंह, प्रो. [illegible] दिवाकर, बीपीएससी के पूर्व सदस्य दीपक शर्मा, आर्यभट्ट ज्ञान विवि के पूर्व रजिस्ट्रार डॉ. [illegible], प्रो. [illegible] कुमार जैसे शिक्षाविद जुड़े हुए हैं। संस्थान के निदेशक श्री कुमार ने अपने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

स्वास्थ्य शिविर में 70 छात्राओं में मिला एनीमिया

पटना सिटी। [illegible]

साक्षात्कार में आत्मविश्वास महत्वपूर्ण

पटना (एसएनबी)। साक्षात्कार के दौरान उत्तर देते समय आत्मविश्वास एवं विनिम्र दृष्टिकोण सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। यदि प्रश्न का विनिम्रता का तर्कपूर्ण जवाब दिए जाएं तो साक्षात्कार लेने वाला निश्चित ही प्रभावित होगा। [illegible]

में पूर्व डीजीपी अभयानंद, प्रो. [illegible] दिवाकर, प्रो. [illegible], शिक्षाविद समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

इस मौके पर अभियान-40 (आईएएस) के संस्थापक सह निदेशक विलास कुमार ने बताया कि 66 वीं बीपीएससी मुख्य परीक्षा में शामिल परीक्षार्थियों में से कुल 1828 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। [illegible]

अभियान 40 (आईएएस) के सेमिनार में बोले अधिकारी

[illegible]

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

युवा निर्माण से होगा देश का विकास : प्रो. सिंह

पटना (एसएनबी)। देश का निर्माण विशाल इमारतों और कल- कारखानों से नहीं होगा, बल्कि रचनात्मक व प्रतिभावान युवाओं के निर्माण से होगा। हमें इजरायल से सीखना होगा, जो सबसे अधिक खर्चा युवाओं के निर्माण में करता है। देश की विशाल युवा आबादी हमारे लिए एक अवसर है, जिसके रचनात्मक निर्माण में सरकारी तंत्र के साथ ही साथ निजी संस्थाओं व सामाजिक संगठनों की बड़ी भूमिका है।

आईएएस गिरिवर दयाल सिंह ने यूपीएससी परीक्षा की रणनीतियों पर की चर्चा

ये बातें रविवार को पीसी कॉलोनी, कंकड़बाग में अभियान - 40 (आईएएस) के नए भवन परिसर के उद्घाटन के मौके पर पीयू के पूर्व कुलपति प्रो. आरबी सिंह ने कहीं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में यूनेस्को ने एक श्वेत पत्र जारी किया, जिसमें कहा गया है कि स्टैंडर्ड वन से पोस्ट ग्रेजुएट तक की पढ़ाई करने वाली 157 करोड़ युवा पीढ़ी घर में बैठ गयी, जिनमें 58 करोड़ भारतीय थे। पूरे ऐतिहासिक काल में इतना बड़ा हादसा कभी नहीं हुआ। 2050 ईसवी तक आते-आते यह वर्ग 20 से 55 आयु वर्ग का होगा। हमें अब उस दिशा में सोचना होगा कि 2050 का भारत कौन बनाएगा। यदि हमारा देश उन युवाओं को नियोजित नहीं करता तो यह हमारा सबसे बड़ा दुर्भाग्य होगा। वहीं, उद्घाटनकर्ता प्रशासनिक पदाधिकारी गिरिवर दयाल सिंह ने छात्रों को सिविल सेवा की तैयारी के गुर बताए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन हो तो कोई भी छात्र सफल हो सकता है। इस अवसर पर प्रो. आरएन दिवाकर, सेवानिवृत्त आईपीएस चन्द्रिका प्रसाद, डीएसपी अरुणोदय पांडेय, सेवानिवृत्त आईआरएस नवीन चन्द्र, बिहार प्रोबेशन सेवा के डॉ. राजीव कुमार, डॉ. अरुण कुमार शर्मा, शिक्षक जितेंद्र कुमार, कौशल सिंह समेत बड़ी संख्या में छात्र- छात्रायें मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के निदेशक विलास कुमार ने किया।

कर्त्तव्यनिष्ठा व समय पालन पर जोर दें : गिरिवर दयाल

पटना (एसएनबी)। बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित 67वीं एवं 68वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में अभियान-40 (आईएएस) के 16 सफल प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। संस्थान के कंकड़बाग शाखा स्थित सभागार में आयोजित सम्मान समारोह सह सेमिनार में वरिष्ठ आईएएस व गन्ना आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने सफल प्रतिभागियों को कर्त्तव्यनिष्ठा व समय पालन का संदेश देते हुए जीवन की नई पारी के लिए शुभकामना दी। सिविल सेवा की तैयारी कर रहे प्रतिभागियों को भी उन्होंने कठिन मेहनत और आत्मअनुशासन की सलाह दी। अध्यक्षता पूर्व कुलपति (पटना विवि) के डॉ. (प्रो.) रास बिहारी सिंह ने की। इस अवसर पर 67वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा की चयनित उम्मीदवार अंजलि कुमारी (54वां रैंक एसडीएम), अनंत कुमार (419वां रैंक) एवं सुधांशु कुमार (703वां रैंक), 68वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के शिवम प्रतीक (25वां रैंक), आकाश रंजन (93वां रैंक), साक्षी कुमारी (128वां रैंक) और प्रशांत कुमार (282वां रैंक) को प्रतीक चिन्ह, प्रमाण-पत्र और पौधा देकर सम्मानित किया गया। एडीजी पारसनाथ (आईपीएस) ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

पढ़ने में कमजोर बच्चे भी प्राप्त कर सकते हैं मंजिल : गिरिवर दयाल सिंह

अभियान - 40 (आईएएस)

- वरिष्ठ आईएएस गिरिवर दयाल सिंह ने यूपीएससी परीक्षा की रणनीतियों पर की चर्चा

सिविल सर्विसेज की तैयारी में भाषा बाधक नहीं: प्रो डी पी अग्रवाल

गौतम बुद्धा फाउंडेशन की ओर से जरूरत मंद लोगों को कंबल वितरण किया गया

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

मिशन विद मोटिवेशन से मिलेगी सफलता

पटना (एसएनबी)। विद्यार्थी मिशन के साथ मोटिवेशन से प्रयास करें, सफलता जरूर मिलेगी। आर्थिक तंगी आपकी सफलता में कभी बाधा नहीं बन सकती। ये बातें बीआईए हॉल में आयोजित 66 वीं बीपीएससी परीक्षा में सफल विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में पटना विवि के पूर्व कुलपति प्रो. आरबी सिंह ने कही। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा संचालित संस्था अभियान-40 आईएएस के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और बीपीएससी की पूर्व अध्यक्ष रजिया तबस्सुम ने कहा कि सफल होने पर आप जिस किसी पद पर रहें पद की गरिमा के अनुरूप कार्य करें और उसकी प्रतिष्ठा बनाए रखें। राज्य के ईखायुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने कहा कि कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आप अपनी मां से प्रेरणा लें। इससे आपको भरपूर मोटिवेशन मिलेगा।

■ बीपीएससी में अभियान-40 के सफल अभ्यर्थियों के सम्मान समारोह में बोले पूर्व वीसी प्रो. आरबी सिंह

सम्मानित होने वालों में अजीत कुमार, कुमार गौरव, नीतू सिंह, अनुराधा, निकिता सिंह, सोनाली कुमारी, नन्दन प्रिया, सिद्धिदात्री कुमारी, एकता कुमारी, संगीता कुमारी, सोमलता, खुशबू और पूजा कुमारी शामिल थीं। वहीं, प्रो डॉ. आरएन दिवाकर की दर्शनशास्त्र की पुस्तक का विमोचन भी किया गया। संस्थापक सह निदेशक विलास कुमार ने 11 अक्टूबर से सिविल सेवा परीक्षा के लिए नए बैच शुरू करने की घोषणा की। समारोह में सूचना आयुक्त पीसी चौधरी, बिहार लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य प्रो. डीएन शर्मा, पटना विवि के दर्शनशास्त्र के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. आरएन दिवाकर, विजिलेंस में डीएसपी अरुणोदय कुमार पाण्डेय समेत अन्य लोग मौजूद थे।

सम्मान समारोह में शामिल अतिथि व अन्य।

सीतामढ़ी 07-08-2022

बीपीएससी की परीक्षा में सफल सिद्धिदात्री बनी आपूर्ति निरीक्षक

सीतामढ़ी।मुख्यालय डुमरा स्थित बाड़ी बाजार निवासी राजकिशोर प्रसाद की बेटी सिद्धिदात्री कुमारी ने बीपीएससी की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। इन्हें आपूर्ति निरीक्षक के पद पर चयनित किया गया है। [illegible]

सेमिनार आज

[illegible]

[illegible]

'पद की गरिमा के अनुरूप कार्य करें'

65वीं एवं 66वीं बीपीएससी परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

पटना (आससे)। विद्यार्थी मिशन के साथ मोटिवेशन से प्रयास करें, सफलता जरूर मिलेगी। ये बातें गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा संचालित संस्था अभियान-४० आईएएस के ६६वीं बीपीएससी परीक्षा में सफल विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में पटना विवि के पूर्व वीसी प्रो. डा. आरबी सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी आपकी सफलता में कभी बाधा नहीं बन सकती। मुख्य अतिथि और बीपीएससी की पूर्व अध्यक्षा रजिया तबस्सुम ने कहा कि सफल होने पर आप जिस किसी पद पर रहें पद की गरिमा के अनुरूप कार्य करें और उसकी प्रतिष्ठा बनाये रखें। आईएएस गिरिवर दयाल सिंह ने कहा कि कुछ भी असंभव नहीं है। समय का सदुपयोग करें। सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि आप अपनी मां से प्रेरणा लें। इससे आपको भरपूर मोटिवेशन मिलेगा।

सफल विद्यार्थियों के सम्मान समारोह का आयोजन शनिवार को स्थानीय बीआईए हॉल में किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि बिहार लोक सेवा आयोग की पूर्व अध्यक्षा प्रो. रजिया तबस्सुम, पटना विश्वविद्यालय के पूर्व वीसी प्रो. डा. रासबिहारी प्रसाद सिंह, आईएएस गिरिवर दयाल सिंह, सूचना आयुक्त पीसी चौधरी, बिहार लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य प्रो. डा. डीएन शर्मा, पटना विवि के दर्शनशास्त्र के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डा. आरएन दिवाकर, अरुणोदय पाण्डेय समेत कई शिक्षाविद् और वरीय प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

इस मौके पर ६६वीं के साथ ६५वीं बीपीएससी परीक्षा के सफल छात्र-छात्राओं को शॉल, स्मृति चिह्न और पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में अजित कुमार, कुमार गौरव, नीतू सिंह, अनुराधा, निकिता सिंह, सोनाली कुमारी, नन्दन प्रिया, सिद्धिदात्री कुमारी, एकता कुमारी, संगीता कुमारी, सोमलता, खुशबू और पूजा कुमारी, सदानंद राजू शामिल थे।

सफल अभ्यर्थियों के साथ उनके माता-पिता को भी सम्मानित किया गया। अभियान-४० आईएएस के संस्थापक सह निदेशक विलास कुमार ने आगामी ११ अक्टूबर से सिविल सेवा परीक्षा के लिए नये बैच शुरू करने की घोषणा की।

250 से अधिक निःशुल्क पौधों का वितरण एवं वृक्षारोपण

पटना (एसएनबी)। शनिवार को राजकीय महिला महाविद्यालय गुलजारबाग पटना में गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउण्डेशन, नई दिल्ली के सौजन्य से विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रतिवर्ष जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अमरूद, अनार, नीबू, पपीता, फूल, मनिप्लांट इत्यादि के कुल 250 से ऊपर निःशुल्क पौधों का वितरण एवं वृक्षारोपण किया गया।

इस मौके पर गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउण्डेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विलास कुमार, महाविद्यालय के प्राचार्या प्रो. (डॉ.) जय श्री, सहायक प्रो. (डॉ.) उषा यादव, डॉ. कुमारी निमिषा, ई. राजेश कुमार, चन्द्रमणि कुमार मणि एवं संजय पटेल सहित महाविद्यालय के छात्रायें एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर छात्राओं के द्वारा बनाये गए पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रेषित करने वाले पोस्टरो की प्रतियोगिता सह प्रदर्शनी भी हुई।

गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउण्डेशन के सौजन्य से विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रतिवर्ष जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से निःशुल्क पौधों का वितरण एवं वृक्षारोपण किया गया।

छात्राओं के द्वारा बनाये गए पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रेषित करने वाले पोस्टरों की प्रतियोगिता सह प्रदर्शनी।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

मिशन के साथ मोटिवेशन से प्रयास करें सफलता जरूर मिलेगी : प्रो. डॉ. आरबी सिंह

66वीं-65वीं बीपीएससी परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा संचालित संस्था अभियान-40 ;आईएएस की ओर से आयोजन

11 अक्टूबर से सिविल सेवा परीक्षा के लिए नया बैच होगा शुरू

पटना। विद्यार्थी मिशन के साथ मोटिवेशन से प्रयास करें, सफलता जरूर मिलेगी। ये बातें गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा संचालित संस्था अभियान-40 ;आईएएस के 66वीं बीपीएससी परीक्षा में सफल विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में पटना विवि के पूर्व वीसी प्रो. डॉ. आरबी सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी आपकी सफलता में कभी बाधा नहीं बन सकती। मुख्य अतिथि और बीपीएससी की पूर्व अध्यक्ष रजिया तबस्सुम ने कहा कि सफल होने पर आप जिस किसी पद पर रहें पद की गरिमा के अनुरूप कार्य करें और उसकी प्रतिष्ठा बनाए रखें। आईएएस गिरिवर दयाल सिंह ने कहा कि कुछ भी असंभव नहीं है। समय का सदुपयोग करें। सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि आप अपनी मां से प्रेरणा लें। इससे आपको भरपूर मोटिवेशन मिलेगा। सफल विद्यार्थियों के सम्मान समारोह का आयोजन शनिवार को स्थानीय बीआईए हॉल में किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि बिहार लोक सेवा आयोग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. रजिया तबस्सुम, पटना विश्वविद्यालय के पूर्व वीसी प्रो. डॉ. राम बिहारी प्रसाद सिंह, आईएएस गिरिवर दयाल सिंह, सूचना आयुक्त पीसी चौधरी, बिहार लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य प्रो. डॉ. डीएन शर्मा, पटना विवि के दर्शनशास्त्र के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. आरएन दिवाकर, अरूणोदय पाण्डेय समेत कई शिक्षाविद् और वरीय प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर 66वीं के साथ 65वीं बीपीएससी परीक्षा के सफल छात्र-छात्राओं को शॉल, स्मृति चिह्न और पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में अजित कुमार, कुमार गौरव, नीतू सिंह, अनुराधा, निकिता सिंह, सोनाली कुमारी, नन्दन प्रिया, सिद्धिदात्री कुमारी, एकता कुमारी, संगीता कुमारी, सोमलता, खुशबू और पूजा कुमारी सदानंद राजू, शामिल थे। सफल अभ्यर्थियों के साथ उनके माता-पिता को भी सम्मानित किया गया। इससे पहले शुरूआत रंगारंग कार्यक्रम से हुई। इसमें क्विज से छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्द्धन किया गया। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी: असीम संभावनाएं विषय पर कार्यशाला में विद्वानों ने प्रतिभागियों को सफलता के कई टिप्स दिए। इस मौके पर प्रो. डॉ. आरएन दिवाकर की दर्शनशास्त्र की पुस्तक का विमोचन भी किया गया। अभियान-40 ;आईएएस के संस्थापक सह निदेशक बिलास कुमार ने आगामी 11 अक्टूबर से सिविल सेवा परीक्षा के लिए नए बैच शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गरीब एवं मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए संस्थान में विशेष व्यवस्था की गई है।

साक्षात्कार के लिए दिये जरूरी सुझाव

सहारा न्यूज ब्यूरो

सेमिनार

पटना।

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा संचालित अभियान-40 में संस्था के अध्यक्ष बिलास कुमार की अध्यक्षता में बीपीएससी मुख्य परीक्षा में सफल छात्र-छात्राओं को साक्षात्कार के लिए आवश्यक सुझाव व मार्गदर्शन

कार्यक्रम में मौजूद पीयू के कुलपति प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह।

के लिए एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। रविवार को आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में विख्यात शिक्षाविद् प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह (कुलपति, पटना विश्वविद्यालय, पटना), रंजीत कुमार मधुकर (उपायुक्त आबकर विभाग, पटना), डॉ राजीव कुमार आदि अन्य सदस्य के रूप में उपस्थित रहे।

इसके साथ ही छात्र-छात्राओं को भूगोल और अन्य विषयों में परिचर्चा के माध्यम से साक्षात्कार में सफल प्रदर्शन के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की गयी।

पर्यावरण एवं जल संरक्षण के लिए जागरूकता जरूरी

पदयात्रा में शामिल पटना आइजी व अन्य अधिकारी।

संवाददाता > पटना

आम लोगों को पर्यावरण और जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए शहर में एक पदयात्रा निकाली गयी. इसमें अधिकारी से लेकर आम लोगों ने तक ने शिरकत की और पर्यावरण जागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया. आम लोगों को पानी बचाने और पर्यावरण को हरा-भरा रखने के लिए पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया. इस दौरान सभी अधिकारियों और उपस्थित आप लोगों ने पौधा लगाने के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया. शहर के कंकड़बाग में गांधी मैदान तक निकाली गयी इस पदयात्रा में पटना जोन के आइजी सुनील कुमार पोस्ट मास्टर जनरल अनिल कुमार, श्रीडी इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार, साहित्यकार लक्ष्मीकांत सिंह, डॉ. डीएन शर्मा, डॉ. राजीव कुमार, गुमानंद प्रसाद शाही, राजेश कुमार, बिलास कुमार, रवि कुमार समेत अन्य शामिल थे. इस पदयात्रा का आयोजन गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन की तरफ से किया गया था.

छात्र-छात्राओं के मार्गदर्शन के लिए सेमिनार

पटना| गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन की ओर से रविवार को बीपीएससी परीक्षा में सफल छात्र-छात्राओं के मार्गदर्शन के लिए सेमिनार आयोजित किया गया। भूगोल एवं अन्य विषयों पर चर्चा के साथ-साथ साक्षात्कार में सफल प्रदर्शन के लिए जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि पीयू कुलपति प्रो. रासबिहारी सिंह, रंजीत कुमार मधुकर, डॉ. राजीव कुमार, निदेशक बिलास कुमार मौजूद थे।

गुरु का दर्जा सर्वोपरि : प्रो. आरबी सिंह

पटना (एसएनबी)। गुरू अपने छात्रों को सिर्फ ज्ञान ही नहीं देता बल्कि उनका उचित मार्गदर्शन भी करता है। इसलिए गुरू का दर्जा सर्वोपरि है। ये बातें पटना यूनिवर्सिटी के पूर्व वीसी प्रो. आरबी सिंह ने अभियान-40 आईएस के शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन में उत्कृष्ट शिक्षक के सभी गुण विद्यमान थे। आज के शिक्षकों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इससे पहले कार्यक्रम का आरंभ दीप जलाकर किया गया। इसमें पूर्व आईआरएस, विजय शर्मा, पूर्व बीपीएससी सदस्य प्रो. डीएन शर्मा, पूर्व आईपीएस चंद्रिका प्रसाद, प्रो. आरएन दिवाकर, पाटलिपुत्रा विवि के भूगोल विभाग के प्रोफेसर राधेश्याम प्रसाद, प्रो. राधाकांत, खैरूद्दीन अहमद, ज्योति मिश्रा, प्रमोद कुमार, कौशल, पीसी पांडेय, विजय पांडेय आदि मौजूद थे। इस मौके पर संस्थान के निदेशक बिलास कुमार ने फाउंडेशन बैच के लिए 25 सितंबर को सेलेक्शन टेस्ट और 11 अक्टूबर से क्लास शुरू होने की घोषणा की। शिक्षक दिवस पर संस्थान की मासिक पत्रिका कंपीटिटिव वर्ल्ड का विमोचन किया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं के बीच प्रैक्टिस सेट का निःशुल्क वितरण किया। शिक्षक दिवस कार्यक्रम बोरिंग रोड और कंकड़बाग ब्रांच में छात्र-छात्राओं ने धूम-धाम से मनाया। उधर, गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन नई दिल्ली द्वारा संचालित अभियान-40 (आईएएस) की ओर से शिक्षक दिवस पर गुरुजनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में संस्थान की ओर से संचालित यूपीएससी एवं बीपीएससी के बच्चों को पढ़ाने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न व देश के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए मनीष एवं अभिषेक ने कहा कि माता-पिता जन्म देते हैं। जीने का सही रास्ता गुरू ही दिखाते हैं।

संस्थान की मासिक पत्रिका का विमोचन किया गया।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

सफलता को चूमने के लिए जरूरी है जुनून: उपमुख्यमंत्री

नवबिहार टूर संवाददाता

पटना: "गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन" नई दिल्ली के द्वारा संचालित अभियान-40 (आईएएस) की ओर से बीआईए सभागार पटना में रविवार को पुस्तकालय एवं 64वीं बीपीएससी परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए सम्मान समारोह तथा वेबसाइट एवं एप का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में संस्थान की ओर से संचालित 64वीं बीपीएससी परीक्षा की तैयारी में बच्चों को उचित मार्गदर्शन व अध्यापन कराने वाले शिक्षकों तथा संस्थान के 56 सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित किया गया। इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बिहार के उप मुख्यमंत्री श्रीमति रेणु देवी ने अभियान-40 (आईएएस) का वेबसाइट एवं एप का भी विमोचन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री श्रीमति रेणु देवी के अलावा पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो- (डॉ-) रास बिहारी प्रसाद सिंह, बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग के ईख आयुक्त श्री गिरिवर दयाल सिंह, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग की निदेशक प्रो- (डॉ-) पूर्णिमा शेखर सिंह, गृह विभाग, बिहार सरकार के आईजी श्री विधिविरा मिश्रा, आयकर विभाग के संयुक्त आयकर आयुक्त श्री रंजीत कुमार मधुकर, पूर्व बीपीएससी सदस्य प्रो. (डॉ-) डी-एन- शर्मा, राजकिशोर प्रसाद, प्रो. चौके मंगलम तथा बिहार - झारखंड के पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त श्री विजय शर्मा समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक विलास कुमार ने किया।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री रेणु देवी ने कहा कि सफलता के लिए छात्रों में एक जुनून होनी चाहिए। हालात के आगे जो हार गया वह कभी सफल नहीं हो सकता। उन्होंने बीपीएससी में सफल हुए छात्रों को ईमानदारी पूर्वक कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने सफल छात्रों के उत्कृष्ट जीवन की कामना की। पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ-) रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि पैसे से समाज और राष्ट्र का निर्माण नहीं होता, बल्कि राष्ट्र का निर्माण ज्ञान और विज्ञान से होता है। बिहार के गन्ना उद्योग विभाग के ईख आयुक्त श्री गिरिवर दयाल सिंह (आई- ए- एस-) ने एप एवं वेबसाइट की विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सिविल सर्विसेज की तैयारी करनेवाले बच्चों के लिए यह एप एक वरदान साबित होगा। यह सही मायने में एक क्रांति होगी क्योंकि इसकी सहायता से सुदूर गांव में रहने वाले प्रतिभाशाली बच्चे भी घर बैठे सिविल सर्विसेज की परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। इस मौके पर आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय में भूगोल विभाग की निदेशक प्रो- (डॉ) पूर्णिमा शेखर सिंह ने कहा संस्थान के द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री रंजीत कुमार मधुकर (आईआरएस), संयुक्त आयकर आयुक्त, आयकर विभाग, भारत सरकार, प्रो- (डॉ-) डी-एन- शर्मा (पूर्व बीपीएससी सदस्य), श्री विजय शर्मा (आई- आर- एस-), पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त, बिहार एवं झारखंड समेत अन्य गणमान्य लोगों ने भी संबोधित किया। इससे पहले संस्थान के निदेशक विलास कुमार ने अतिथियों को जीबीजीवीएफ के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन द्वारा पटना, लखनऊ तथा दिल्ली में अभियान - 40 (आईएएस) नाम से निःशुल्क कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें समाज के गरीब एवं प्रतिभाशाली बच्चों को सिविल सर्विसेज की तैयारी कराई जाती है। आज यहां से निकले हुए सैकड़ों छात्र - छात्राएं देश भर में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर रहे हैं। इसी कड़ी में इस वर्ष 64 वीं बीपीएससी परीक्षा में संस्थान के 56 बच्चों ने सफलता प्राप्त की। इसके अलावा संस्थान की ओर से पुस्तकालय की भी स्थापना की गई है, जिसे आने वाले दिनों में राज्य के सभी जिलों में स्थापित करने की योजना है। फाउंडेशन के द्वारा लोगों के बीच स्वास्थ्य संबंधित जागरूकता लाने का भी कार्य किया जा रहा है। कोरोना काल में फाउंडेशन की ओर से पटना, नालंदा तथा नवादा जिलों में विभिन्न जगहों पर अभियान चलाकर राहत शिविर का आयोजन किया गया। इसके तहत बड़ी संख्या में लोगों के बीच हैंड सेनिटाइजर, साबुन, मास्क, खाद्य सामग्री आदि का वितरण किया गया। फाउंडेशन अपने सामाजिक दायित्वों को समझते हुए इस दिशा में और भी कई कार्य करने की योजनाएं बना रहा है। इसके तहत आने वाले दिनों में गरीब बच्चों के लिए बारहवीं तक की स्कूल की स्थापना, युवाओं में संगीत के प्रति रूझान पैदा करने एवं इस दिशा में बेहतर कैरियर बनाने के उद्देश्य से शास्त्रीय गायन, नृत्य, तबला वादन, सितार वादन सीखाने के लिए संगीत विद्यालय की भी स्थापना करने की योजना है। कार्यक्रम को पूर्व आईआरएस नवीन चन्द्र, पीएमसीएच के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ- अरूण कुमार शर्मा, बिजिलेंस के डीएसपी अरूणोदय पाण्डेय, तैमूर रहमान, विद्यासागर, ई- राजेश कुमार, रंजीत कुमार सिंह समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग शामिल हुए। धन्यवाद ज्ञापन डॉ- आर-एन- दिवाकर ने किया। कार्यक्रम के अंत में दूरदर्शन के कलाकार डॉ- संजय कश्यप ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया।

कोई भूखा न रहे इसकी भी निगरानी कर रहा बुद्धा फाउंडेशन

संवाद सूत्र, नगरनौसा : आपसी सहयोग से ही कोविड पर जीत संभव है। इस विकट परिस्थिति में हर संस्था, हर व्यक्ति को सेवा तथा सहयोग की भावना से काम करने की जरुरत है। गुरुवार को गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन की ओर से कोरोना संक्रमण को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रखंड के विभिन्न गांवों में 2 सौ मॉस्क तथा 2 सौ की संख्या में सैनिटाइजर बांटे गए। वहीं इस्लामपुर तथा हरनौत में भी सैंकड़ो लोगों के बीच मॉस्क तथा सेनिटाइजर का निःशुल्क वितरण किया गया। इस मौके पर फाउंडेशन के संस्थापक तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष विलास कुमार ने कहा कि कोरोना संक्रमण की स्थिति गांवों में भयावह होती जा रही है।

कॉलेज में सिविल सेवा पर सेमिनार

पटना सिटी। आरपीएम कॉलेज में सिविल सेवाओं में महिलाओं के बढ़ते कदम विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ। जॉब प्लेसमेंट सेल और गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि प्रो. डीएन शर्मा ने छात्राओं को बताया कि बीपीएससी द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में 35 फीसदी सीट महिलाओं के लिए आरक्षित है। यदि छात्राएं लक्ष्य निर्धारित कर प्रतियोगिता की तैयारी करे तो सफलता अवश्य मिलेगी। फाउंडेशन के अध्यक्ष विकास कुमार ने छात्राओं को सिविल सर्विस परीक्षा की तैयारी के लिए प्रोत्साहित किया। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्या प्रो. डॉ. पूनम ने भी छात्राओं को पहले लक्ष्य निर्धारित करने उसके बाद उसकी तैयारी में जुटने को प्रोत्साहित किया। संचालन जॉब प्लेसमेंट सेल के अध्यक्ष प्रो. डॉ. अंजु जैन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रजिया ने किया।

पढ़ने में कमजोर बच्चे भी प्राप्त कर सकते हैं मंजिल गिरिवर दयाल सिंह IAS

वरिष्ठ आईएएस ने यूपीएससी परीक्षा की रणनीति पर की चर्चा

आस मोहम्मद ब्यूरो चीफ

दिल्ली यूपीएससी की परीक्षाओं में सफल होने के लिए यह जरुरी नहीं कि वह अपने कॉलेज का टॉपर ही हो यदि ऐसा होता तो सभी कॉलेज में टॉप करने वाले बच्चे ही आईएएस बनते, जबकि हकीकत में ऐसा नहीं है एक अध्ययन में देखा गया है कि बहुत सारे बच्चे जो शुरू के दिनों में पढ़ाई में अव्वल रहते हैं वे कुछ खास उपलब्धि नहीं प्राप्त कर सके वहीं उनके साथ पढ़नेवाले कमजोर बच्चे बहुत आगे निकल जाते हैं ऐसे में, अभी तक की असफलता से आपको घबराने की जरुरत नहीं है आप सही दिशा में लगातार और कठिन परिश्रम करें सफलता आपकी कदम चूमेगी ये बातें रविवार को नई दिल्ली स्थित वजीराबाद में गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन की ओर से संचालित अभियान - 40 (IAS) का प्रधान कार्यालय सह नई शाखा के शुभारंभ एवं बीपीएससी क्रेक्षन बैंक का विमोचन के मौके पर कही इस मौके पर यूपीएससी परीक्षा की तैयारी असीम संभावनायें विषय पर सेमिनार भी आयोजित किया गया सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ पदाधिकारी श्री गिरिवर दयाल सिंह सेना मुख्यालय में कार्यरत कर्नल मनमोहन ठाकुर, गृह मंत्रालय में अवर सचिव संजीव कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी आशीष पांडेय समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं छात्र - छात्रायें मौजूद थे। इस मौके पर सेना मुख्यालय में कार्यरत कर्नल मनमोहन ठाकुर ने कहा कि विद्यार्थियों में दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन हो तो कोई भी परीक्षा उत्तीर्ण करना कठिन नहीं है, चाहे वह यूपीएससी ही क्यों नहीं हो। मुख्यतः इस कठिन परीक्षा में सफलता के लिये अभ्यर्थियों में शैक्षिक योग्यता के साथ अनुशासन और धैर्य होना अति आवश्यक है इस मौके पर संस्थान के निदेशक बिलास कुमार ने कहा कि इस संस्थान में वे तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है जो देश के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में मिलती है। उन्होंने कहा कि बिहार एवं उत्तर प्रदेश में अब तक इसकी तीन शाखायें हैं। इसी कड़ी में, अब नई दिल्ली में नई शाखा का उद्घाटन किया गया है।

बहुत जल्दी ही यहां सिविल सर्विसेज की कक्षायें शुरू कर दी जाएगी इस कार्यक्रम में, बिहारी वेलफेयर सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय भाई, वीर अब्दुल फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष K रुगुमा, देश के प्रसिद्ध कवि एवं गीतकार ऋतुराज, शिक्षाविद प्रमोद कुमार, वॉइस ऑफ खाकी ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी यूसुफ इदरीसी बड़ी संख्या लोग शामिल थे। मंच संचालन प्रमोद कुमार ने जबकि धन्यवाद ज्ञापन संजीव कुमार ने की।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

यूपीएससी परीक्षा में सफलता के लिये सही रणनीति जरूरी : डॉ. राजीव रंजन

पटना, (पंजाब केसरी) : यूपीएससी की परीक्षाओं में सफल होने के लिये यह जरुरी नहीं कि वह अपने कॉलेज का टॉपर ही हो। यदि ऐसा होता तो सभी कॉलेज में टॉप करने वाले बच्चे ही आईएएस बनते, जबकि हकीकत में ऐसा नहीं है। एक अध्ययन में देखा गया है कि बहुत सारे बच्चे जो शुरू के दिनों में पढ़ाई में अव्वल थे, वे कुछ खास उपलब्धि नहीं प्राप्त कर सके। वहीं उनके साथ पढ़नेवाले कमजोर बच्चे बहुत आगे निकल गए। ऐसे में, अभी तक की असफलता से आपको घबराने की जरुरत नहीं है। आप सही दिशा में लगातार और कठिन परिश्रम करें। सफलता आपकी कदम चूमेगी। ये बातें 'सिविल सेवा की तैयारी: असीम संभावनाएँ विषयक राष्ट्रीय सेमिनार में वक्ताओं ने कही। जीबीआरडीएफ, नईदिल्ली की ओर से संचालित अभियान - 40 (आईएएस) द्वारा आयोजित इस सेमिनार में दिल्ली , लखनऊ एवं पटना के ख्यातिप्राप्त विषय विशेषज्ञ , भारतीय प्रशासनिक सेवा , भारतीय पुलिस सेवा , भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए । इससे पहले सेमिनार का उदघाटन पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो . रासबिहारी प्रसाद सिंह, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी व बिहार के एडीजी पारसनाथ, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी व ईखाआयुक्त गिरिवर दयाल सिंह, दिल्ली से आये विशेषज्ञ डॉ. राजीव रंजन एवं लखनऊ से आये डॉ. एसपी सिंह ने संयुक्त रूप से किया । सेमिनार में प्रो. रासबिहारी सिंह ने सिविल सेवा की तैयारी में समय एवं प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की।

पटना में अभियान - 40 (आईएएस) सेमिनार का उदघाटन करते दिल्ली से आये विशेषज्ञ डॉ. राजीव रंजन एवं लखनऊ से आये डॉ. एसपी सिंह ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी व ईखाआयुक्त गिरिवर दयाल सिंह संयुक्त रूप से किया।

'स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम से गरीबों को मिलेगा लाभ'

पटना (एसएनबी)। स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए संयुक्त आयुक्त आयकर विभाग, पटना अजय कुमार ने 'गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन' नई दिल्ली की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्था बधाई के पात्र है, क्योंकि यह संस्था बराबर समाज को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम करती रहती है। इस तरह के कार्यक्रम से समाज के कमजोर वर्ग के लोगों को लाभ मिलता है। उन्हें विभिन्न बीमारियों के बारे में समुचित जानकारी मिलती है।

पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अनुभवी डाक्टर देवेन्द्र प्रसाद ने कहा कि हमारे यहां विभिन्न बीमारियों के बारे में आमलोगों को सही जानकारी नहीं रहने के कारण उन्हें काफी परेशानी होती है। यह संस्था इस तरह का कार्यक्रम आयोजित कर समाज के कमजोर वर्ग के लोगों को काफी मदद कर रहा है। इनके इस प्रयास की जितनी भी प्रशंसा की जाय कम है। उन्होंने उपस्थित लोगों को विभिन्न बीमारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन नई दिल्ली के अध्यक्ष बिलास कुमार ने कहा कि आपलोगों के स्नेह, प्यार एवं सहयोग के कारण इस तरह का कार्यक्रम करता आ रहा हूं।

असफलता से घबराने की जरूरत नहीं : गिरिवर

लखनऊ(एसएनबी)। आप सही दिशा में कठिन परिश्रम करें तो सफलता आपकी कदम चूमेगी। यूपीएससी की परीक्षाओं में सफल होने के लिए कॉलेज का टॉपर होना जरूरी नहीं है। यदि ऐसा होता तो सभी कॉलेज के टॉप बच्चे ही आईएएस बनते, जबकि हकीकत में ऐसा नहीं है। यह बात शनिवार को वरिष्ठ आईएएस अधिकारी गिरिवर दयाल सिंह ने जीबीआरडीएफ के तत्वावधान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज में सिविल सेवा परीक्षा : चनौती एवं संभावनाएं' विषय पर सेमिनार में बतौर मुख्यातिथि कही।

जीबीआरडीएफ के तत्वावधान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज में सिविल सेवा परीक्षा

उन्होंने कहा कि एक अध्ययन में देखा गया है कि बहुत सारे बच्चे जो शुरू के दिनों में पढ़ाई में अव्वल थे, वे कुछ खास उपलब्धि नहीं प्राप्त कर सके। वहीं उनके साथ पढ़ने वाले कमजोर बच्चे बहुत आगे निकल गए। ऐसे में अभी तक की असफलता से आपको घबराने की जरुरत नही है। श्री सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों में दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन हो तो कोई भी परीक्षा उतीर्ण करना कठिन नहीं है, चाहे वह यूपीएससी ही क्यों नहीं हो। इस मौके पर संस्थान के निदेशक बिलास कमार ने कहा कि इस संस्थान में वे तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है, जो देश के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में मिलती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सभी महाविद्यालयों एवं विद्यालयों में इस तरह का जागरूकता कार्यक्रम चलाया जायेगा। इस मौके पर तकनीकी परिषद के सदस्य कमलेश अग्रवाल, तारिक अहमद, अनुज्ञा रावत, एसआर कृष्णा मौजूद थे।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

आज के समय में कठिन परिश्रम से काम करें युवा

'सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए मार्गदर्शन कार्यशाला' पर आयोजित सेमिनार में बोले पीयू के कुलपति

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

पटना।

'सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए रणनीति एवं मार्गदर्शन कार्यशाला' विषय पर कंकड़बाग में एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन करते हुए पटना विश्वविद्यालय के कुलपति एवं शिक्षाविद् प्रो. रास बिहारी प्रसाद सिंह ने वर्तमान परिवेश में शिक्षा के परिदृश्य व चुनौतियों के बारे में जानकारी देते हुए युवाओं को आत्मविश्वास के साथ कठिन परिश्रम की सलाह दी।

मुख्य वक्ता के रूप में चीफ पोस्टमास्टर जनरल अनिल कुमार ने कहा कि गरीब एवं निर्धन छात्र-छात्राओं के लिए मुझसे जो भी सहयोग होगा करने के लिए तैयार रहूंगा। मिथिलेश मिश्रा (आईएएस) ने कहा कि सिविल सेवा की तैयारी के लिए जो बच्चे सोलह से अठारह माह तक पांच से छह घंटा लगातार पढ़ाई करेंगे तो उनको निश्चित सफलता प्राप्त होगी। अरविन्द वर्मा (आईएएस) ने कहा कि सिविल सेवा में सफलता के लिये प्रतिदिन लिखने का अभ्यास एवं मैगजिन और सुबह में न्यूज पेपर पढ़ना चाहिए। बीडी कॉलेज पटना के प्रो. डॉ. संजय कुमार ने छात्र-छात्राओं को सिविल सेवा एवं अन्य प्रतियोगिता परीक्षा के संबंध में मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन नई दिल्ली के अध्यक्ष विलास कुमार ने कहा कि संस्था 'अभियान-40 (आईएएस) निःशुल्क कक्षाएं' के माध्यम से निरंतर कैरियर परामर्श के साथ विषय विशेषज्ञों की कक्षाएं उपलब्ध करायी जाती है। इस क्रम में बीपीएससी (63 एवं 64 वीं) मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिये 28 दिसंबर 2018 से कक्षाएं आरंभ की जायेगी।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रास बिहारी प्रसाद सिंह।

दो सौ विद्यार्थियों को निशुल्क यूपीएससी की तैयारी

पटना, वरीय संवाददाता। 'गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन' (जीबीआरडीएफ) द्वारा संचालित 'अभियान - 40 आईएएस' राज्यभर से चुने हुए 200 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को निशुल्क यूपीएससी की तैयारी कराएगा।

चयनित विद्यार्थियों को रहने के लिए हॉस्टल की भी व्यवस्था की जाएगी। इस बात की जानकारी रविवार को यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में जीबीआरडीएफ के सलाहकार समिति के अध्यक्ष एवं पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रास बिहारी सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इसके लिए 24 नवम्बर को राज्यभर में मेगा सेलेक्शन टेस्ट का आयोजन किया जाएगा, जिसमें इच्छुक प्रतिभागी शामिल हो सकते हैं। इस मौके पर बीपीएससी के पूर्व सदस्य प्रो.डीएन शर्मा ने बताया कि इस परीक्षा में शामिल होने के लिए विद्यार्थियों को 23 सितम्बर से 26 अक्टूबर के बीच रजिस्ट्रेशन कराना होगा। फाउंडेशन के अध्यक्ष विलास कुमार ने बताया कि अभियान-40 (आईएएस) की ओर से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पिछले 11 वर्षों से सिविल सर्विसेज की निःशुल्क तैयारी करायी जा रही है।

■ **अभियान- 40 आईएएस उठाएगा पढ़ाई का खर्च**

मानवाधिकार विषय पर सेमिनार का आयोजन

पटना/संवाददाता। मानवाधिकार, हम और हमारा अधिकार विषय पर [illegible] स्थित अम्बेडकर भवन में सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन [illegible] विभाग के उपायुक्त अजय सिंह ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि लोगों को अपने अधिकार के प्रति जागरूक रहने के साथ-साथ दूसरे के अधिकार को भी सम्मान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह देखने में आता है कि हमारे देश के कई राज्यों में सरकार मानवाधिकार के प्रति सचेत नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति का यह दायित्व है कि वह वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखते हुए मानवीय हितों का सम्मान करें, क्योंकि मानवाधिकार के बिना मानव का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है।

शिक्षा से ही संवरेगा भविष्य : कुलपति

[illegible]

मंडलकारा में कैदियों के बीच नशामुक्ति संकल्प का आयोजन

जेल नशा मुक्ति के संकल्प का बेहतर जगह यहां से लोग सबक लेकर जायें : जेल अधीक्षक

(बिहारशरीफ कार्यालय)

बिहारशरीफ । अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थों के दुरुपयोग निवारण दिवस के मौके पर मंडल कारा बिहारशरीफ एवं गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में कैदियों के बीच नशामुक्ति संकल्प का आयोजन किया गया। जिसका विधिवत उद्घाटन मंडल कारा के कारा अधीक्षक [illegible], पीएमसीएच के वरीय चिकित्सक डॉ देवेन्द्र प्रसाद, कारा चिकित्सक डॉ [illegible] प्रसाद एवं संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष विलास कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर जेल अधीक्षक [illegible] ने कैदियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा की लत बुरी है। इससे न केवल परिवार बर्बाद होता है, बल्कि शरीर के कई अंगों को भी नशा बर्बाद कर देती है। नशा किसी भी तरह का हो वह किसी भी हाल में घातक ही है। उन्होंने कैदियों से अपील की कि आप जेल में हैं और यह नशामुक्ति के लिए संकल्प का बेहतर जगह है। आपलोग जब यहां से जायें तो अपने गांव-घरों में यह संकल्प लेकर जायें कि वे नशा न करेंगे और नशा का विरोध करेंगे। परिवार के सदस्यों को भी इससे दूर रखें। इससे शरीर दुरुस्त होगा। साथ ही परिवार भी आर्थिक रूप से सबल होगा। इस अवसर पर विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ देवेन्द्र प्रसाद ने नशा से होने वाली हानियों एवं नशा मुक्ति पर विशेष रूप से चर्चा की। [illegible] दीपक कुमार ने नशा मुक्ति पर चर्चा करते हुए 'नशा मुक्ति गीत' प्रस्तुत किये। अंत में सभी कैदियों ने नशा मुक्ति का संकल्प लिया।

इस अवसर पर संस्था के कार्यकर्ता [illegible] सहित कई उपस्थित थे।

गरीब विद्यार्थियों को आईएएस बनाना लक्ष्य

पटना (एसएनबी)। गौतम बुद्ध ग्रामीण विकास फाउंडेशन के तत्वावधान में संचालित ककड़बाग स्थित अभियान 40 आईएएस संस्थान के करेंट अफेयर्स पत्रिका का लोकार्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम मां शारदे पर अतिथियों ने पुष्पांजलि अर्पित किया। इसके बाद संस्थान

■ करेंट अफेयर्स की पत्रिका का किया गया लोकार्पण

परिवार की ओर से अतिथियों का स्वागत पौधा देकर किया गया।

लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता पटना विवि के पूर्व कुलपति प्रो. रास बिहारी सिंह ने की। वरिष्ठ आईएएस गिरवर दयाल सिंह, एडीजी पारसनाथ, पत्रिका के प्रधान संपादक प्रो. आरएन दिवाकर, सेवानिवृत्त आरबीआई अधिकारी एनपी लाल, पूर्व डीआईजी चंद्रिका प्रसाद, अभियान 40 के निदेशक विलास कुमार सहित अन्य

अतिथियों की मौजूदगी में अभियान 40 आईएएस करेंट अफेयर्स नामक पत्रिका का लोकार्पण किया गया। मौके पर प्रो. रास बिहारी सिंह ने कहा कि इस प्रतियोगी पुस्तक में गागर में सागर समाहित है। यह अन्य प्रतियोगी पुस्तकों की अपेक्षा प्रतियोगी परीक्षाएं एवं सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए वरदान है। वरिष्ठ आईएएस गिरवर दयाल सिंह ने कहा कि अभियान 40 आईएएस करेंट अफेयर्स नामक पुस्तक का अध्ययन कर विद्यार्थी अपने मुकाम को प्राप्त कर सकते हैं। सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह पुस्तक उपयोगी है। उन्होंने संपादक मंडल के सभी सदस्यों सहित अभियान 40 आईएएस नामक संस्था को बधाई दिया। आईपीएस पारसनाथ ने कहा कि विद्यार्थी कठिन परिश्रम और पत्रिका के अध्ययन की बदौलत सफलता प्राप्त कर सकते हैं। मौके पर प्रधान संपादक प्रो. आरएन दिवाकर ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अभियान 40 आईएएस करेंट अफेयर्स प्रतियोगी छात्रों के लिए उपयोगी पुस्तक है। अभियान 40 आईएएस के निदेशक विलास कुमार ने कहा कि प्रतिभा पल्लवित पुष्पित होनी चाहिए। गरीब से गरीब विद्यार्थी को आईएएस बनाना अभियान 40 आईएएस का लक्ष्य है। विद्यार्थियों की उपयोगिता को देखते हुए इस पुस्तक का लोकार्पण किया गया है। संपादक मंडल में कौशल कुमार सिंह, विजय पांडेय, अवधेश कुमार एवं प्रमोद कुमार सहित अन्य लोग शामिल हैं। मौके पर सेंटर हेड दुर्गा जी, बोरिंग रोड शाखा के हेड कमलेश कुमार व समाजसेवी दीपक कुमार सहित कई छात्र-छात्राएं भी मौजूद थे।

नालंदा में प्रतिभाओं की कमी नहीं : एसडीओ

शिक्षाविद ने किया निःशुल्क शिक्षा सेमिनार का उद्घाटन

Senior IAS discussed UPSC exam strategy

Children who are weak in reading can also achieve their destination: Girivar Dayal Singh

NEW DELHI, OPEN SEARCH

Delhi. To be successful in UPSC exams, it is not necessary that he is a topper of his college. If this happened then all the top children in college would have become IAS, whereas in reality it is not. A study has found that many children who toped studies in the early days couldn't achieve a certain achievement. Right there weak children studying with them went a long way. In such a way, you don't have to worry about failure yet. Keep working hard and consistently in the right direction. Success will kiss your step.

These things were said on Sunday at the inauguration of 'Campaign - 40 (IAS)' head office co-new branch and 'BPSC Question Bank' conducted by 'Gautam Buddha Gramin Vikas Foundation' in Wazirabad, New Delhi. On this occasion seminar on the topic 'Preparation of UPSC Exam: Infinite Possibilities' was also organized.

In the seminar, Senior Officer of Indian Administrative Service Mr. Girivar Dayal Singh, Col. Manmohan Thakur working at Army Headquarters, Sanjeev Kumar, Home Ministry, District Education Officer Ashish Pandey, with Colonel Manmohan Thaakur, Deputy Secretary in Home Ministry, Honorary of Home Affairs Yog & Students - Students were present. Colonel Manmohan Thakur, working at Army Headquarters, said that if students have strong will and dedication, it is not difficult to pass any exam, even if it is UPSC. It is important to have discipline and patience among candidates with educational qualifications to succeed in this difficult exam.

On the occasion, the director of the institute Bilas Kumar said that the institute is providing all the facilities that are available in the prestigious coaching institutions of the country. He said that Bihar and Uttar Pradesh has three branches so far. In the same link, new branch has now been inaugurated in New Delhi. Civil services classes will be started here very soon.

In the program, a large number of people including National President of Bihari Welfare Society Sanjay Bhai, KL Gupta, country's famous poet and songwriter Rituraj, academic Pramod Kumar, CEO of Sonvarsha Nidhi Limited, Sanjeev Kumar, Rakesh Kumar, Satyendra Prasad were included . Pramod Kumar conducted the stage while Sanjeev Kumar thanked him.

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

बीपीएससी में सफल छात्रों का अभिनंदन

बीपीएससी 56-59वीं परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी को सम्मानित करते अतिथि ।

पटना (एसएनबी)। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन की ओर से संचालित अभियान-40 (आईएएस) (फ्री क्लास) द्वारा शनिवार को बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन में संस्था के बीपीएससी 56-59 वीं परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस उपलक्ष्य में संस्था द्वारा सिविल सेवकों का समाज के प्रति कर्तव्य' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली के अध्यक्ष विलास कुमार ने किया। पटना विवि के कुलपति प्रो. (डा.) रास बिहारी प्रसाद सिंह ने अभियान-40 से जुड़े सभी शिक्षकों एवं इस संस्थान के सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इन लोगों की मेहनत और लगन का फल है जो इतनी तादाद में आज छात्र-छात्राओं को सफलता मिली है।

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली के अध्यक्ष विलास कुमार ने कहा कि मेरा उद्देश्य समाज के गरीब तबके के बच्चे, जो महंगे कोचिंग संस्थान में नहीं पढ़ पाते हैं, उन्हें इस कोचिंग संस्थान द्वारा निःशुल्क प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कराकर उनके लक्ष्य को पूरा कराना है। इस अवसर पर श्री अजय सिंह, (आईआरएस), संयुक्त सचिव, आयकर विभाग, पटना, गिरिवल दयाल (आईएएस), संजय कुमार, प्राचार्य, डा. राजीव कुमार, विप्रसे, ई. राजेश कुमार, पप्पू कुमार, संतोष चौधरी, संजय जायसवाल, प्रो. डा. आरएन दिवाकर, विजय कुमार, पूर्व आईआरएस, प्रो. डीएन शर्मा,

अभियान-40 आईएएस की ओर से 'सिविल सेवकों का समाज के प्रति कर्तव्य' विषय पर सेमिनार

प्रो. रामाकांत शर्मा, कौशल कुमार गौतम, ई. अनिल कुमार, मनसा कुमारी, रविकांत, कौशल सिंह, नीरज कुमार झा के अलावे गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

'बिहार की छिपी प्रतिभाओं को संवारना आवश्यक'

पटना | वरीय संवाददाता

आयोजन

- गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास की ओर से हुआ पुस्तक विमोचन
- संसाधनों के समुचित इस्तेमाल से ही विकास संभव : प्रो. करीम

बिहार में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, बस इसे संवारने की जरूरत है। यहां के ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं उचित मार्गदर्शन एवं सुविधाओं के अभाव के कारण आगे नहीं बढ़ पाते तथा उनकी प्रतिभा का लाभ देश एवं समाज को नहीं मिल पाता। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन की ओर से संचालित अभियान -40 (आईएएस) एक ऐसी ही मुहिम में जुटा हुआ है।

ये बातें शनिवार को पीयू एवं नालंदा खुला विवि के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) रासबिहारी प्रसाद सिंह ने फाउंडेशन की ओर से आयोजित पुस्तक विमोचन समारोह में कही। फाउंडेशन के निदेशक बिलास कुमार ने बताया कि संस्थान स्थापना की आठवीं वर्षगांठ मना रहा है। इस मौके पर कुलपति प्रो. एसएम करीम ने कहा कि किसी भी देश एवं समाज का विकास तभी संभव है, जब हमारे बीच उपेक्षित पड़े मानव संसाधनों का समुचित इस्तेमाल हो।

'नियमित अध्ययन व रिवीजन ही परीक्षा में सफलता की कुंजी'

बीपीएससी की 65वीं प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क मार्गदर्शन कार्यशाला

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में किया गया 175 लोगों का इलाज

अभियान मुफ्त में तैयारी करायेगा यूपीएससी-बीपीएससी की

यूपीएससी-बीपीएससी की निःशुल्क तैयारी करायेगा अभियान संस्थान

मानवाधिकार के प्रति सजग रहें लोग : अजय

बिहारशरीफ | निज संवाददाता

शहर के टाउन हॉल में मानवाधिकार संरक्षण एवं ग्रामीण विकास विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में शहर के बुद्धिजीवियों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि उपायुक्त एवं उपनिदेशक आयकर विभाग अजय कुमार ने कहा कि महिलाओं को मानवाधिकार कानून की जानकारी होना जरूरी है। महिलाओं को इसके लिए जागरूक करने की जरूरत है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को मानवाधिकार के प्रति जागरूक करना है। किसी भी को न सिर्फ अपने अधिकार के प्रति सचेत रहना चाहिए, बल्कि दूसरे के अधिकारों को भी ध्यान में रखना चाहिए। मानवाधिकार के प्रति लोगों को संवेदनशील रहने की जरूरत है।

न्यायाधीश एडीजे पंचम शिवानंद मित्र ने कहा कि मनुष्य बुद्धिमान व विवेकपूर्ण प्राणी है। इसी कारण इसको कुछ ऐसे मूल तथा अहरणीय अधिकार प्राप्त हैं, जिसे लोग मानवाधिकार कहते हैं। ये अधिकार उन्हें जन्म से ही मिल जाती है, वह उनको जानकारी नहीं होती। इसका वे सही समय पर इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं। मानवाधिकार सभी लोगों के लिए

रविवार को कार्यशाला का दीप जला उद्घाटन करते मुख्य अतिथि अजय कुमार व अन्य। • हिन्दुस्तान

होती है। मानवाधिकार का अत्यंत महत्व होने के कारण मानव अधिकार को कभी-कभी मूल अधिकार, आधारभूत अधिकार, अन्तर्निहित अधिकार, प्राकृतिक अधिकार और जन्म अधिकार भी कहा जाता है। कार्यक्रम के अंत में गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विलास कुमार ने कहा कि अगर किन्हीं को मानवाधिकार आयोग से कोई मदद की जरूरत होती है तो वे संस्था से मदद ले सकते हैं। संस्था उनकी मदद करेगी। कार्यक्रम को अनुज कुमार, संजय कुमार सिन्हा, सुधीर कुमार, डॉ. संजय कुमार, शशि रंजन आदि ने संबोधित किया।

कैदियों के बीच जागरुकता अभियान चलाया गया

निजी रिपोर्टर | बिहारशरीफ

बिहारशरीफ मंडल कारा के कैदियों के बीच गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउण्डेशन द्वारा एचआईवी, एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल कारा के सहायक कारापीक्षक रामेश्वर राउत ने कहा कि कैदियों के बीच इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन सराहनीय है। उन्होंने बताया कि एड्स संक्रमित रक्त चढ़ाने, संक्रमित सिरिंज का प्रयोग करने, संक्रमित गर्भवती माता से बच्चे को तथा असुरक्षित यौन संबंध बनाने से होता है।

मच्छर आदि के काटने से यह बीमारी नहीं होती। लोगों के मन में बनी हुई भ्रांतियों को दूर करने के लिए इस तरह का जागरूकता कार्यक्रम का जरूरी है। डॉ. देवेन्द्र प्रसाद ने कहा कि अब एचआईवी व एड्स कोई ला इलाज जानलेवा या भयावह बीमारी नहीं रह गई है। कई तरह के खोज हुए है। फाउण्डेशन के अध्यक्ष विलास कुमार ने कहा कि इस वर्ष सितम्बर माह तक बिहार में करीब 1 लाख 50 हजार 689 एचआईवी व एड्स से प्रभावित लोगों की संख्या है। इस अवसर पर राकेश ऋतुराज, दीपक कुमार, पप्पू कुमार, नीतीश कुमार, राकेश कुमार, निर्मला देवी, कौशल्या कुमार, राकेश बिहारी, मोनी कुमारी आदि उपस्थित थे।

मेहनत व लगन से पढ़ें न्यायिक सेवा परीक्षा के अभ्यर्थी

न्यायिक सेवा परीक्षा की निःशुल्क तैयारी कक्षा प्रारंभ

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

अपने अधिकार के पति रहें जागरूक दूसरे के अधिकार का भी सम्मान करें

[illegible]

रुचि के अनुसार पढ़ाई का चयन करें छात्र : कुलपति

बिहारशरीफ (एसएनबी)। नालंदा महिला कॉलेज के सभागार में आज आयोजित छात्रों का भविष्य एवं मार्गदर्शन विषय पर सेमिनार को संबोधित करते हुए पटना विश्वविद्यालय पटना के कुलपति प्रो. (डा.) रासबिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि छात्रों को अपने रूची का क्षेत्र को ही चुनकर अपने पढ़ाई पर केन्द्रीत होना चाहिए न कि उनपर जबरन पढ़ाई का क्षेत्र थोपा जाना चाहिए। उन्होंने छात्रों के जीवन में माताओं को शिक्षक एवं मार्गदर्शक के रूप में अहम भूमिका बताया। मुख्य अतिथि आयकर विभाग अन्वेषण मुख्यालय बिहार एवं झारखंड के उपायुक्त एवं उपनिदेशक अजीत सिंह ने छात्राओं को सलाह दिया कि सर्व प्रथम अपना कैरियर के क्षेत्र का चुनाव करें। उसके बाद उस क्षेत्र में निरंतर समर्पित भाव से केन्द्रीकृत होकर पढ़ाई करें तभी जीवन सफल हो सकती है। प्राचार्य प्रो. (डा.) पुनम ने कहा कि छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित करते बाधाओं के बीच संघर्ष करते हुए जीवन में आगे बढ़ते जाना है। तभी जीवन में छात्र सफलता प्राप्त कर सकते है। कार्यक्रम का आयोजन गौतम बुद्धा ग्रामीण फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विलाश कुमार ने संस्था द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों पर चर्चा किये। इस अवसर पर मुस्कान कन्स्ट्रशन के राजेश कुमार, रमाकांत शर्मा, अनुज कुमार, बीपी निराला, प्रो. अजीत कुमार सिंह आदि भाग लिये।

स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

पटना। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन की ओर से स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्घाटन संयुक्त आयुक्त आयकर अजय कुमार ने किया। इन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से समाज के कमजोर वर्ग को लाभ मिलता है। पीएमसीएच के डॉ. देवेन्द्र प्रसाद ने कहा कि बीमारियों के बारे में सही जानकारी नहीं रहने से लोगों को काफी परेशानी होती है। संस्था के अध्यक्ष विलास कुमार ने कहा कि सबके सहयोग से यह कार्यक्रम करता आ रहा हूं। मौके पर डॉ. अजीत कुमार, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. सुनील कुमार अग्रवाल ने अपनी सेवा दी। संजय जायसवाल, अविनाश राय, पप्पू कुमार, राकेश कुमार, दिलीप पासवान, संजू कुमार आदि मौजूद थे।

परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराएगा अभियान संस्थान

[illegible]

बीपीएससी में सफल छात्रों का सम्मान 15 को

पटना (एसएनबी)। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा संचालित अभियान-40 संस्थान से 38 अभ्यर्थी बीपीएससी में सफल हुये हैं। सभी सफल छात्रों को 15 सितंबर को बीआईए में सम्मानित किया जाएगा।

यह जानकारी एक संवाददाता सम्मेलन में फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विलास कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि संस्थान के पहले बैच में बीपीएससी के लिए 115 अभ्यर्थी तैयारी कर रहे थे जिनमें से 38 अभ्यर्थियों ने बीपीएससी में सफलता हासिल की है। यहां अभ्यर्थियों को निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। नामांकन के लिए संस्थान की ओर से टेस्ट लिया जाता है। टेस्ट में सफल अभ्यर्थियों को बीपीएससी की निःशुल्क तैयारी करायी जाती है। प्रथम परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों

पत्रकारों को कार्यक्रम की जानकारी देते अभियान-40 के पदाधिकारी।

को नामचीन लोगों के पैनल द्वारा मॉक इंटरव्यू भी कराया जाता है। उन्होंने बताया कि संस्थान की ओर से 02 सितंबर को भी नामांकन टेस्ट का आयोजन किया गया, जिसका परीक्षाफल 04 सितम्बर को घोषित किया जाएगा। इस मौके पर डॉ. राजीव कुमार, प्रो. संजय कुमार एवं कौशल कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

एड्स का इलाज संभव, लेकिन जीएं संयमित जीवन

बिहारशरीफ | विधि संवाददाता

दी जानकारी

- बिहारशरीफ जेल में लगाया गया जागरूकता शिविर
- दवा रोगी को लेनी होगी नियमित तरीके से

बिहारशरीफ मंडल कारा में सोमवार को कैदियों को एड्स की जानकारी देते डॉ. देवेंद्र।

एड्स का इलाज संभव है। एड्स अब जानलेवा बीमारी नहीं रही। नियमित दवा लेने से यह रोग पूरी तरह ठीक हो जाता है, लेकिन सुरक्षित व निरोग जीवन के लिए संयमित व्यवहार करें। पीएमसीएच के डॉ. देवेंद्र प्रसाद ने बिहारशरीफ मंडल कारा में सोमवार को एड्स व एचआईवी जागरूकता कार्यक्रम में ये बातें कैदियों को कहीं।

उन्होंने कहा कि एचआईवी चार तरह से शरीर में प्रवेश करता है। संक्रमित रक्त चढ़ाने से, संक्रमित सुई एवं सिरिंज के प्रयोग से, संक्रमित गर्भवती महिलाओं से व असुरक्षित यौन संबंध से एचआईवी का फैलाव होता है। वहीं जेलर रामेश्वर रातत ने कहा कि बाहर जाने के बाद सदाचार व सादा जीवन जीएं। अपराध या मारपीट किसी समस्या का समाधान नहीं है।

कवि राकेश ऋतुराज ने कैदियों को नालंदा गान गाकर सुनाया। इस मौके पर दीपक कुमार, पीएलवी अजीत सिंह, विक्की आनंद, गौतम बुद्धा डेवलपमेंट फाउंडेशन के बिलास कुमार, निर्मला देवी, मोनी कुमारी, कौशल महतो, पप्पू सिंह, मिथिलेश कुमार, आरिफ अनवर, साधू सिंह व अन्य शामिल थे।

एआरटी दवा से एड्स रोग होगा पूरी तरह ठीकः डॉ. देवेंद्र ने कहा कि एंटी रेट्रोवायरल थेरैपी (एआरटी) लेने से एड्स रोग पूरी तरह ठीक हो जाता है। इसका पहला डोज पीएमसीएच से मिलता है। लेकिन बाद में इसे मरीज के संबंधित जिले में इसकी व्यवस्था कर दी जाती है। यह दवा रोगी को नियमित तरीके से लेनी होगी। साथ ही संयमित जीवन जीना होगा।

सफलता के लिए कठिन परिश्रम करें छात्र : रासबिहारी

पटना/कार्यालय संवाददाता। पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में चुनौतियां बढ़ी हैं। छात्र को सफल होने के लिए कठिन परिश्रम करने की जरूरत है। दिनभर में उन्हें 8-10 घंटे लगन के साथ पढ़ने की जरूरत है। वे स्थानीय कंकड़बाग में गौतम बुद्ध रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन के तत्वावधान में संचालित अभियान 40 में सिविल सेवा एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गरीब व कमजोर वर्ग के मेधावी छात्रों की कमी नहीं है पर उन्हें उचित मार्गदर्शन मिल नहीं पाता है। इसलिए इन गरीब बच्चों को निशुल्क शिक्षा देकर यह संस्था बड़ा काम कर रही है। उन्होंने कहा कि उनसे जो भी बनेगा इस संस्थान को सहयोग करेंगे। इस संस्था में 15 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होना भी महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष बिलास कुमार, भारतीय रेवेन्यु सेवा के अधिकारी व उपायुक्त आयकर विभाग अजय कुमार, बिहार कारा सेवा के अधिकारी डॉ. राजीव कुमार, बीडी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार, ई. राजेश कुमार, समाजसेवी मृत्युंजय कुमार सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

वसंत उत्सव में नशामुक्ति पदयात्रा का हुआ समापन

शराब बंदी से संबंधित सभी जानकारी आम लोगों को दी गई। साथ ही लोगों को शराब के दुष्परिणाम से भी अवगत कराया गया। मद्य निषेध पर आधारित कार्यक्रम नृत्य नाटिका, मद्य निषेध गीत, संगीत, अभियान गीत गाया गया। महिलाओं के समूह द्वारा नशामुक्ति से संबंधित पदयात्रा का वसंत उत्सव 2016 परिसर गांधी मैदान में समापन हुआ।

उत्सव में बोलते प्रमंडलीय आयुक्त आनंद किशोर।

छात्रों का भविष्य एवं मार्गदर्शन विषय पर सेमिनार

(बिहारशरीफकार्यालय)

बिहारशरीफ। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन पटना एवं [illegible] "छात्रों का भविष्य एवं [illegible]" विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्घाटन पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह ने किया। [illegible]

अब शराब न पीऊंगा पूरा जीवन जीऊंगा...

AWARENESS

पटना • डीबी स्टार

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन के तत्वावधान में बुधवार को मद्य निषेध जागरूकता अभियान के तहत जुलूस निकाला गया। इस जागरूकता जुलूस को आयकर विभाग के डिप्टी कमिश्नर अजय सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष शामिल थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शराब पीने वालों को जागरूक करना है। साथ ही आए दिन शराब से हो रहे नुकसान और पटना के लोगों को अवगत कराना। रैली में लोगों ने विभिन्न प्रकार के नारे लगाए जैसे आओ भैया आओ बहना मिलकर नशामुक्त बिहार बनाओ। अब शराब न पीऊंगा पूरा जीवन जीऊंगा। [illegible] लोगों ने भी [illegible] का सम्मान करते हुए [illegible] किया। जुलूस में [illegible] राजीव कुमार, [illegible] कॉलेज के प्राचार्य संजय कुमार, [illegible] सहित सैकड़ों लोग शामिल थे।

न्यायिक सेवा के लिए निःशुल्क कोचिंग

पटना। गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा संचालित अभियान-40 न्यायिक सेवा परीक्षा के लिए छात्रों को निःशुल्क कोचिंग दे रहा है। कोचिंग क्लास की शुरुआत रविवार को पूर्व जज न्यायमूर्ति केके मंडल ने की। उन्होंने न्यायिक सेवा की गरिमा और महत्ता की चर्चा की। चीफ पोस्टमास्टर जनरल अनिल कुमार, न्यायमूर्ति विजय कुमार जैन, बिहार प्रशासनिक सेवा के राजीव कुमार ने मौजूद छात्रों से लगन और मेहनत के साथ तैयारी करने की सलाह दी।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

जरूरतमंदों को शिक्षा और स्वास्थ्य जरूरी : पूर्व जज

जासं, पटना : गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कृषि विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। रविवार को सेमिनार का उद्घाटन पटना उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश राजेन्द्र प्रसाद ने बांसकोठी दीघा में किया। दीघा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष शशि रंजन ने शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर चर्चा करते हुए कहा कि जब तक गरीब इनका महत्व नहीं समझेंगे तब तक विकास संभव नहीं है। संस्था ने 150 गरीब लोगों में कंबल का वितरण किया। दीघा एवं राजीवनगर के किसानों के भूमि के लिए संघर्ष कर रही है। कार्यक्रम के उपरांत 250 जरूरतमंदों के बीच पटना हाईकोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति राजेन्द्र प्रसाद एवं उपायुक्त आयकर विभाग के अजय जडेजा सहित कई लोगों ने कम्बल का वितरण किया। इस मौके पर राजेश कुमार, अर्जुन कुमार कार्यपालक अभियंता बिहार सरकार, संस्था के महासचिव गीता देवी, सदस्य नीलम सिन्हा, अजीत कुमार, राजेश कुमार, संतोष कुमार, एवं पप्पू कुमार उपस्थित थे।

सेमिनार में दिए गए प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के टिप्स

शिक्षण संस्थानों के विकास पर उच्च शिक्षा की गुणवत्ता निर्भर

इसलामपुर| सुभाष हाई स्कूल मैदान में अभियान संस्था व गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन द्वारा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं व सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का भविष्य एवं मार्गदर्शन विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए पटना विवि के कुलपति प्रो. डॉ. रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि विद्यार्थी अपना लक्ष्य निर्धारित कर प्रयास करेंगे तभी सफलता मिलेगी। युवा पीढ़ी पारंपरिक शिक्षा के साथ तकनीकी और व्यवसायिक शिक्षा को अपनाए जो समय की मांग है। शिक्षा से ही देश का चहुंमुखी विकास हो सकता है। आईआरएस आयकर विभाग के उपायुक्त अजीत सिंह ने कहा कि शिक्षण संस्थानों का विकास पर ही उच्च शिक्षा की क्वालिटी निर्भर है। उन्होंने यूपीएससी की परीक्षा से संबंधित जानकारी भी सेमिनार में उपस्थित छात्र-छात्राओं को दी। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष विलास कुमार, शिक्षक नेता राकेश बिहारी शर्मा, एसके अमृत, ई. राजेश कुमार, राकेश ऋतुराज सहित कई लोग उपस्थित थे।

शिक्षा के बिना जीवन अधूरा

हिलसा एसडीओ सृष्टि राज सिन्हा ने कहा कि शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करें।

छात्रों का भविष्य एवं मार्गदर्शन विषय पर सेमिनार

(बिहारशरीफकार्यालय)

बिहारशरीफ गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन पटना एवं नालंदा महिला कॉलेज बिहारशरीफ के संयुक्त तत्वावधान में छात्र-छात्राओं के कैरियर काउंसेलिंग के उद्देश्य से 'छात्रों का भविष्य एवं मार्गदर्शन सह पुरस्कार वितरण' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्घाटन पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो रासबिहारी प्रसाद सिंह ने किया।

उद्घाटन उपरान्त श्री सिंह छात्र-छात्राओं को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए मार्गदर्शन किया। मौके पर एम्बीशन कैरियर क्लासेज पटना द्वारा स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। जिसमें सफल छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में आईआरएस अधिकारी एवं आयकर उपायुक्त अजय सिंह ने यूपीएससी की परीक्षा के संबंध में छात्र-छात्राओं की जिज्ञासाओं एवं शंकाओं का समाधान किया तथा तैयारी के लिए टिप्स दिए। वहीं सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए नालंदा महिला कॉलेज की प्राचार्या प्रो डॉ पूनम ने रुचि के अनुसार कैरियर चुनने के लिए प्रेरित की और सफलता के लिए लगन और मेहनत करने पर बल दिया। इसके साथ जेनरल एवं बैंकिंग प्रतियोगिता के लिए बीपी सिन्हा, मेडिकल के लिए अनुज कुमार, इंजीनियरिंग के लिए ई राजेश कुमार तथा कॉमर्स के लिए सीए प्रणव कुमार एवं प्रो डॉ रामाकांत शर्मा ने छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन किया।

इस अवसर पर पप्पू कुमार, पवन कुमार, सुभाष कुमार, निर्मला कुमारी, रिंकू कुमारी, धर्मशीला देवी, संजीव कुमार, मृत्युंजय एवं नालंदा महिला कॉलेज के पदाधिकारी, प्रोफेसर एवं स्टाफ मौजूद थे।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

GBRDF के 13 साल: कैमरे की नजर से

समारोह में यूपीएससी के पूर्व चेयरमैन को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

पुरस्कार वितरण समारोह दीप जलाकर शुभारंभ करते वरीय अधिकारी और अतिथिगण।

संस्थान के नए भवन परिसर का उद्घाटन करते सिक्किम के पूर्व राज्यपाल महामहिम गंगा प्रसाद।

पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित सफल प्रतिभागी एवं अतिथिगण।

पुरस्कार वितरण समारोह में सफल प्रतिभागी की माताजी को फलों से तौला गया।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

समारोह में सिक्किम के पूर्व राज्यपाल महामहिम गंगा प्रसाद को मधुबनी पेंटिंग भेंट करते निदेशक बिलास कुमार। संबोधित करते आईएएस गिरिवर दयाल सिंह।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

अभियान–40 (आईएएस) की मासिक पत्रिका का विमोचन करते वरीय अधिकारी और अन्य अतिथिगण।

सेमिनार का दीप जलाकर उद्घाटन करते वरीय अधिकारी और अन्य अतिथिगण।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

अभियान–40 (आईएएस) की ओर से आयोजित सेमिनार में वरीय अधिकारी और अन्य अतिथिगण।

अभियान–40 (आईएएस) की ओर से आयोजित टीचर्स डे समारोह में संस्थान के निदेशक बिलास कुमार, शिक्षकगण और छात्र–छात्राएं।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

आयोजित सेमिनार में वरीय अधिकारी और अन्य अतिथिगण।

सेमिनार में वरीय अधिकारी और अन्य। संघ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डी. पी. अग्रवाल और उनकी पत्नी को फूलों का गुलदस्ता भेंट करते संस्थान के डायरेक्टर श्री बिलास कुमार।

संस्थान में आयोजित सेमिनार में यूपीएससी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डी. पी. अग्रवाल का वेलकम करते आईएएस श्री गिरिवर दयाल सिंह, पूर्व वीसी प्रो. (डॉ.) आर. बी. सिंह और अन्य।

बीपीएससी की 65वीं–66वीं परीक्षा में अंतिम रूप से चयनित छात्र–छात्राओं को सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया।

पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन में पुस्तक का विमोचन करते एडीजी सुनील कुमार व अन्य। 66वीं बीपीएससी का मॉक इंटरव्यू।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

स्वतंत्रता दिवस पर झंडोतोलन कार्यक्रम। सिक्किम के राज्यपाल महामहिम गंगा प्रसाद को बुके एवं पौधा देते जीबीआरडीएफ के नेशनल हेड श्री बिलास कुमार।

बीआईए हॉल में 56वीं–59वीं बीपीएससी के सफल छात्रों के लिए सम्मान समारोह। दीघा, पटना में संस्था द्वारा कंबल वितरण किया गया।

अभियान–40 आईएएस कंकड़बाग में होली मिलन समारोह का आयोजन।

अभियान–40 आईएएस के जक्कनपुर कार्यालय का उद्घाटन करते नालंदा खुला विवि. के वीसी प्रो. (डॉ.) रास बिहारी सिंह व आईआरएस श्री अजय सिंह व अन्य।

अभियान–40 आईएएस कंकड़बाग में सिविल सर्विसेज की तैयारी हेतु सेमिनार का आयोजन।

वजीराबाद, नई दिल्ली में जीबीआरडीएफ द्वारा आयोजित सेमिनार में पुस्तक का विमोचन।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, विकास नगर, लखनउ एवं जीबीआरडीएफ द्वारा सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी एवं असीम संभावनाएं विषय पर आयोजित सेमिनार।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, विकास नगर, लखनउ एवं जीबीआरडीएफ द्वारा सिविल सेवा की तैयारी विषय पर आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) आर. बी. प्रसाद सिंह एवं अन्य।

अभियान–40 आईएएस के सेमिनार में गायन प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

बिहारशरीफ में आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) आर. बी. प्रसाद सिंह, आईआरएस रंजीत कुमार मधुकर व अन्य।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

बीआईए हॉल में आयोजित गुरूजनों एवं 64वीं बीपीएससी के सफल छात्र–छात्राओं के सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम श्रीमती रेणु देवी, प्रो. (डॉ.) आर. बी. प्रसाद सिंह, आईएएस श्री गिरिवर दयाल सिंह, आईआरएस आर. के. मधुकर, प्रो. (डॉ.) पूर्णिमा शेखर सिंह व अन्य।

बीआईए हॉल में आयोजित गुरूजनों एवं 64वीं बीपीएससी के सफल छात्र–छात्राओं के सम्मान समारोह में प्रो. (डॉ.) आर. बी. प्रसाद सिंह, आईएएस श्री गिरिवर दयाल सिंह।

बीपीएससी की 65वीं–66वीं परीक्षा में अंतिम रूप से चयनित छात्र–छात्राओं को सम्मान समारोह में गुरूजनों को भी सम्मानित किया गया।

बीआईए हॉल में आयोजित सेमिनार में सम्मानित करते हुए। बोरिंग रोड स्थित अभियान–40 आईएएस कार्यालय का उद्घाटन करते पूर्व वीसी प्रो. (डॉ.) आर. बी. सिंह और आईएएस गिरिवर दयाल सिंह।

संस्थान की समसामयिक घटनाओं पर आधारित मासिक पत्रिका का विमोचन करते विद्वतजन ।

पर्यावरण दिवस पर गुलजारबाग महिला कॉलेज में पौधारोपण व पूर्व चीफ सेक्रेटरी श्री अंजनी कुमार द्वारा फतुहा हाजीपुर गांव में सड़क किनारे पौधारोपण किया गया।

जीबीआरडीएफ द्वारा आईजीएमएस और ग्रामीण क्षेत्रों में भारी मात्रा में मास्क और डिटॉल साबुन का वितरण किया गया।

अभियान–40 आईएएस के राजस्थान के जयपुर में नए सेंटर का उद्घाटन पिछले दिनों किया गया। इस मौके पर उपस्थित स्टूडेंट्स व अन्य।

जयपुर में नए सेंटर का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते आईएएस गिरिवर दयाल सिंह व संस्थान के संस्थापक बिलास कुमार।

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी को लेकर राजस्थान के जयपुर में नए सेंटर का शुभारंभ किया गया।

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

अभियान–40 आईएएस के जयपुर में नए सेंटर का उद्घाटन के मौके पर उपस्थित गणमान्य व अन्य।

जयपुर में नए सेंटर के उद्घाटन के मौके पर आईएएस गिरिवर दयाल सिंह व संस्थान के संस्थापक बिलास कुमार।

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी को लेकर राजस्थान के जयपुर में नए सेंटर का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर विवरणिका का विमोचन भी किया गया।

GAUTAM BUDDHA RURAL DEVELOPMENT FOUNDATION, NEW DELHI

OUR MENTORS OFFICER

S.No.	Name
1.	Sri Ajay Singh (IRS)
2.	Sri Anjani Kumar Singh (IAS)
3.	Sri Arun Kumar Sinha (IAS)
4.	Sri Pawan Kumar (IAS)
5.	Sri B. Chandrakala (IAS)
6.	Sri GiriwarDayal Singh (IAS)
7.	Sri Loknath (IAS)
8.	Sri Satya Prakash Patel (IAS)
9.	Sri L. N. Soni (IAS)
10.	Sri Heera Lal (IAS)
11.	Sri Santosh Kumar Roy (IAS)
12.	Sri Mithilesh Kumar Mishra (IAS)
13.	Sri Sanjeev Kumar (IAS)
14.	Sri Sunil Kumar (IPS)
15.	Sri Parasnath (IPS)
16.	Sri D.K. Thakur (IPS)
17.	Sri Anil Kishore Yadav (IPS)
18.	Sri Ashish Bharti (IPS)
19.	Sri VishwajitDayal (IPS)
20.	Sri Chandrika Prasad (Retd. IPS)
21.	Sri Rajvardhan Sharma (IPS)
22.	Sri Vikash (IPS)
23.	Sri Ranjit Kumar Madhukar (IRS)
24.	Sri Vijay Sharma (Retd. IRS)
25.	Sri JainathVerma (IRS)
26.	Dr. Shiv Shankar Yadav (IRS)
27.	Sri Ajay Kumar (IRS)
28.	Sri GhanshyamSoni (IRS)
29.	Sri Ashutosh Sharma (IRS)
30.	Sri Sunil Kumar Gautam (IRS)
31.	Dr.Avlokita (IRS)
32.	Sri Anuj Pandey (IRS)
33.	Sri Santosh Kumar Gupta (IRAS)

मेरी मां मुझ पर फक करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

OUR MENTORS OFFICER

S.No.	Name
34.	Sri UjjawalAnand (IRTS)
35.	Smt. Madhumalti (IRS)
36.	Smt. SuwatiKumari (IRS)
37.	Sri Mirtunjay Kumar Prabhat (IRS)
38.	Sri Navin Chandra (Retd. IRS)
39.	Dr.Pratap Narayan Sharma (IRS)
40.	Sri O.P. Agarwal (Retd. IRS)
41.	Sri Anil Kumar (I.Po.S)
42.	Sri Sanjeev Kumar (Under Secretary), Ministry of Culture, Govt. of India, New Delhi
43.	Sri Satendra Kumar (Under Secretary), Ministry of Finance, Govt. of India, New Delhi
44.	Neeraj Kumar (IRS)
45.	Ashwanikumon (IRS)
46.	Taniya Gupta(I.Pos) 2024
47.	Ankit Anand (IRS) 2024
48.	Vishal (IAS) 2024

Judicial Service mentors

S.No.	Name	Designation	Mobile No.
1.	Justice Shri Rajendra Prasad	Ex. State Human Rights Commission	8431024779
2.	Justice Shri BN Prasad	Ex. Lokayukt Commission Bihar	9481821594
3.	Shri Om Prakash	Ex. Former State Information Commissioner, Bihar	9431095282
4.	Shri PC Chaudhary	Bihar information commission	
5.	Shri Vinod Kumar	Dist. Judge	7004253189
6.	Justice Virendra Kumar Yadav	Allahabad High Court, UP	9415134303

मेरी मां मुझ पर फक करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

OUR PROFESSOR MENTORS

S.No.	Name	Designation	Mobile No.
1.	Prof. (Dr.) Rash Bihari Prasad Singh	(Retd. V.C.) Patna University, Patna	9572356845
2.	Prof. (Dr.) Bal Ram Tiwary	(Retd HOD), Hindi Dept Patna University	9708752407
3.	Prof. (Dr.) D.N. Sharma	(Retd.) Member of BPSC, Patna	7488308272
4.	Prof. (Dr.) Rangnath Prasad Diwakar	(Retd. HOD Phylosophy), Patna University, Patna	
5.	Prof. (Dr.) Sanjay Kumar	(Pro. V.C.), Nalanda Open University	95463 91380
6.	Prof. (Dr.) Punam Kumari	(Principal), Arvind Mahila College, Patna	9934844871
7.	Prof. (Dr.) Raj Kishor Prasad	(Principal), B.N. College & Science College	9934417105
8.	Prof. (Dr.) Jai Shree (Principal)	GulzarbaghMahila college, Patna	7070995846
9.	Prof. (Dr.) Radheshyam Prasad	(Ex-HOD Geography Department) R.K.D. College, Patna	9304352045
10.	Prof. (Dr.) Ramakant Sharma	(HOD History) Patliputra University, Patna	9304494788
11.	Prof. (Dr.) Sanjay Kumar	(Prof. Economics), College of Commerce, Patna	9835064158
12.	Prof. (Dr.) Manoj Prabhakar	(Prof. Economics), Patna University	9471013475
13.	Prof. (Dr.) Ashutosh Kumar	(Ex-HOD Physics), Patna University Patna	9431662555
14.	Prof. (Dr.) Sanjay Kumar	(Prof. LSW), A.N. College, Patna	9199213496
15.	Prof. (Dr.) Rajiv Ranjan	(Prof. Economics), Patliputra University, Patna	
16.	Dr. Rajiv Ranjan (P.A.)	New Delhi	
17.	Prof. (Dr.) Shyam Nandan		
18.	Prof. (Dr.) Nagendra Kumar Sharma	(HOD, Hindi Department), Patna University, Patna	9973564191
19.	Dr. Arun Kumar	(Associate Prof.) Lucknow	9450070891
20.	Dr. Pawan Pandey	(Associate Prof.), Lucknow	9919397149
21.	Prof. Prabhat Ranjan	(Dept. of Geology)	
22.	Dr.Shivesh Kumar	(Associate Prof. History)	9835018399
23.	Prof.Khurshid Ahmad	(Physics Department), NIT, Patna	9006376189
24.	Prof. (Dr.) S.M. Karim Sahab	(Retd. V.C.), Aryabhat University	9431023361
25.	Prof. (Dr.) Ajay Pratap Singh	(Department of Math), Aryabhat University, Patna	7033307955
26.	Prof. (Dr.) Rakesh Kumar Singh	(Registor), Aryabhat University, Patna	9304197595
27.	Dr. Kamal Prasad Baudh	(Principal), Raghunandan	
28.	Valmiki Ram	(Asst. Prof.) Urdu Department, Patna College	7761907220
29.	Vinod Kumar Manglam	(Hindi Dept.), College of Commerce Patna	9431080187
30.	Prof. Rajiya Sultana Tabasum	Ex. BPSC Chairman	9431882818

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

OUR DOCTOR MENTORS

S.No.	Name	Designation	Mobile No.
1.	Dr. Ashok Kumar	Depart. Of Neuro Medicine (IGIMS) Patna	9478191823
2.	Dr. Manish Mandal	Director ofIGIMS, Patna	9284758874
3.	Dr.Sudhir Kumar	Add. Prof. Department of General Medicine Dentist	8544413220
4.	Dr.Mohit Kumar	Cardiologist	9835456662
5.	Dr.Prabhat	Neurologist, PMCH, Patna	9835048711
6.	Dr.Munish Kumar	General Physician	9102556621
7.	Dr. Sunil Agarwal	Child Specialist	9835658222
8.	Dr.Devenshu Kumar	Gaya Medical College, Gaya	9801105840
9.	Dr.Majul Vijay	PMCH	9525731645
10.	Dr.Devendra Prasad	Gynecologist, PMCH	9431645098
11.	Dr.Rekha Singh	Gynecologist, PMCH	9334326914
12.	Dr.Sunita Singh	IGIMS	9204088508
13.	Dr.Alok Kumar	Ophthalmologist	9771537288
14.	Dr.Dhananjay Kumar	Biharshariff	8544014529
15.	Dr.Shalin	Ophthamologist, IGIMS	9478191823
16.	Dr.Virendra Prasad Sinha	PMCH	
17.	Dr. B.K Singh	(IGIC)	
18.	Dr.Arun Kumar sharma	(PMCH.)	
19.	Dr.Ashutosh Kumar	(IGIC)	
20.	Dr.Pankaj kumar		

OUR STATE OFFICERS

1.	Dr. N.K. Singh (BFS)
2.	Sri Rajeev Kumar (B. Pros.)
3.	3 Sri Subodh Kumar (ADM)
4.	Sri Santosh Kumar (SDM)
5.	Sri Kaushalendra (DDC)
6.	Sri Lal Babu Singh (Asst. Director)
7.	Sri Ajay Kumar Jha (BRO)
8.	Sri Hari Shankar Bhardwaj (Retd. RAS)
9.	Sri Umesh Chandra Tomar (Retd. RAS)
10.	Smt. Mona Sharma (Asst. Commissioner, Jaipur)
11.	Dr. Ashok Kumar (BES)
12.	Sri Ashok Kumar (BAO)
13.	Smt. Mini Bala (BFS)
14.	Smt. ArtiKumari (DPRO)
15.	Sri Nawal Kishore (DySP)
16.	Sri Arunoday Pandey (DySP)
17.	Sri Shashi Kumar Vidharti (Deputy Directore)
18.	Sri Rajesh Kumar (Nagar Parishad)

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

OUR SOCIAL ACTIVIST MENTORS

S.No.	Name	Mobile No.
1.	Sri Ashutosh Kumar Aryan	9431882794
2.	Sri VidyaSagar	9431016455
3.	Sri Sanjay Bhai	8800597750
4.	Sri K.N. Gupta	9873133878
5.	Kumar Rakesh Rituraj	9570820338
6.	Sri Deepak Kumar	7631193459
7.	Sri Harendra Kumar Prabhakar	9905403346
8.	Sri KaushikRanjan	9771403488
9.	Sri Aditya Nandan	9810874242

OUR ENGINEERS MENTORS

S.No.	Name
1.	Er. Arjun Prasad
2.	Er. Rajesh Kumar
3.	Er. S.P. Singh (Principal ITI)
4.	Er. S.R. Krishna (Principal ITI), Aliganj, Lucknow
5.	Er. Sachianand Prasad (Retd. Officer)
6.	Er. Sukhit Narayan

OUR CHARTERED ACCOUNTANT MENTORS

S.No.	Name	Membership No.	E-Mail	Mobile No.
1.	Kamendra Kumar Singh	52939	srmpatna@yahoo.co.in	9431018648
2.	Kamlesh Kumar Agarwal	17510	kanjarial@rediffmail.com	9415181124
3	Pranay Kumar	433157	capranay01@gmail.com	9681079065
4.	Vivekanand	306338	vivekanand.icai@gmail.com	9905706807
5.	Ashish Kumar	431292	ash_ish_rai@yahoo.com	9801487055
6.	Ankit Kumar	432749	caankkitkumar@gmail.com	7209888364

अभियान पुस्तकालय–सह–वाचनालय कमेटी

S.No.	Name	Address	Post
1.	प्रो. (डॉ.) आर. एन. दिवाकर	पूर्व अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र, विजयनगर, कंकडबाग, पटना	अध्यक्ष
2.	डॉ. (प्रो.) संजय कुमार	पूर्वकुलपति, नालंदा खुला विश्वविद्यालय, पटना	सदस्य
3.	डॉ. (प्रो.) राज किशोर प्रसाद	(प्राचार्य) बी.एन. कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय, पटना	सदस्य
4.	डॉ. रीतु कुमारी	एम.एस. बांग्लो, सामने आईजीएमएस कैम्पस, राजाबाजार, पटना	सदस्य
5.	डॉ. (प्रो.) रामाकांत शर्मा	सह–प्रध्यापक, इतिहासविभाग, आरकेडीकॉलेज, पटना	सदस्य
6.	डॉ. रश्मिशेखर	कम्प्यूटरविज्ञानविभाग, विभागाध्यक्ष, एमिटीविश्वविद्यालय, पटना	सदस्य
7.	आनद कुमार	पुस्तकालय अध्यक्ष	सदस्य

मेरी मां मुझ पर फक करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

OUR MEMBER LIST

S.No.	Name	Mobile No.
1.	JITENDRA KUMAR	6200587112
2.	DR. ANIL KUMAR	9431085166
3.	GUNANAND SADA	9304132531
4.	KAUSHAL KUMAR	9142658964
5.	AJAY PRATAP	7033307955
6.	NIRAJ KUMAR	8124851901
7.	JYOTISH KUMAR	8294425403
8.	KHAIRUDDIN	9386131986
9.	SANDEEP KUMAR	9717133984
10.	GAUTAM KUMAR	7979913349
11.	RAVI KANT	9304665956
12.	VISHAL KUMAR SINHA	
13.	AMRITA KUMARI	9973725383
14.	PRITMA RANJAN	
15.	SONI KUMARI	
16.	RAJEEV RANJAN	
17.	SONI KUMARI	
18.	SAURABH KUMAR	
19.	ANURAG KUMAR	
20.	AWADH SIR	
21.	RAVI SIR	
22.	VIJAY PANDAY	8789038114
23.	CHANDAN SANDILYA	
24.	ASHOK DUBEY SIR	
25.	PREETAM SHAHI	9693402756
26.	B. NARAYAN	
27.	AKHILESH KUMAR (NANDAN)	
28.	NISHAKUMARI (JAIPUR)	
29.	NOWELSH KUMAR	9431046489

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

जीबीआरडीएफ की ओर से दिए जाने वाले पुरस्कार

OUR SUCCESSFUL CANDIDATES IN 64TH BPSC EXAMINATION

RAJEEV RANJAN RANK-46

NEELAM MISHRA RANK-56

JAYA KUMARI RANK-121

SACHCHIDANAND KUMAR RANK-174

RAHUL KUMAR RANK-181

BIMALESH KUMAR RANK-212

MALA KUMARI RANK-260

MD SARFRAZ AHMAD RANK-336

VEDPRAKASH MISHRA RANK-344

RANJEET KUMAR RANK-369

NARENDRA KUMAR SINGH RANK-475

RAJNISH KUMAR RANK-528

KISHOR KUNAL RANK-538

AKASH RANJAN RANK-547

SHWETA BHARTI RANK-549

PRITI KUMARI RANK-564

ASHWINI KUMAR RANK-614

KUMARI SARITA RANI RANK-654

VIKASH KUMAR RANK-723

VISHNU KANT RAI RANK-738

SWETA KUMARI RANK-739

RANJEET KUMAR RANK-746

NAVIN KUMAR RANK-762

ANU KUMARI RANK-848

NISHANT KUMAR RANK-888

MD JAMSED RANK-922

PRAGYA NAYANAM RANK-944

GOLDI KUMARI RANK-987

NAINSI KUMARI RANK-1025

MADHU KUMARI RANK-1035

SAKSHI KUMARI RANK-1106

PRIYA AARYANI RANK-1132

CHANDAN CHOUDHARY RANK-1179

CHETAN PANDEY RANK-1272

ANJU KUMARI RANK-1312

GAURAV KUMAR RANK-1337

SNEHA SAGAR RANK-1351

RAJNISH CHANDRA RAY RANK-1362

HEELAM KUMARI RANK-1380

PUJA KUMARI RANK-1395

ALOK KUMAR RANK-1397

KUMARI KUNIKA RANK-1426

SHISHIR KUMAR RANJAN RANK-1460

SWATI KUMARI RANK-1474

KUMAR DIPANKAR RANK-1521

RASHMI BHARTI RANK-1683

SHASHI RANJAN RANK-1734

RAMESH KUMAR RANK-1858

PRIYANKA KUMARI RANK-1923

KHUSHBOO PURAM RANK-1924

ALKA KUMARI RANK-2069

VINEET KUMAR RAM RANK-2083

USHA KUMARI RANK-2447

SHASHIKALA LUMARI RANK-2728

MONIKA KUMARI RANK-2859

SHASHI KUMAR SINGH RANK-3539

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

Our Achievement 65th BPSC

Nipun Kumari, Rank - 39, Post - S.D.M
Vishnu Kant Rai, Rank - 72, Post - B.E.O
Bipeen Kumar, Rank - 164, Post - R.D.O
Puja Kumari, Rank - 197, Post - D.S.P
Kishor Kunal, Rank - 221, Post - L.E.O
Nishant Kumar, Rank - 226, Post - R.D.O
Menka Kumari, Rank - 310, Post - S.E.O
Tipu Sultan, Rank - 326, Post - M.E.O
Md. Zeeshan Arif, Rank - 334, Post - B.P.R.O
Saday Kumar, Rank - 364, Post - R.D.O
Ravi Prakash, Rank - 372, Post - B.P.R.O
Shashi Ranjan, Rank - 394, Post - S.E.O
Archana Verma, Rank - 576, Post - R.D.O
Kamini Kaushal, Rank - 743, Post - D.S.P.S
Sintoo Sah, Rank - 803

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...

GBRDF

गौतम बुद्धा ग्रामीण विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली

GBRDF स्थापना का 13वां वर्ष

अभियान-40 (आईएएस)

पटना कार्यालय- डीसी-1, द्वितीय तल, नंद भवन, हाउसिंग कॉलोनी, टेंपो स्टैंड के निकट, कंकड़बाग, पटना-800020, मोबाइल नंबर-9473020616

मेरी मां मुझ पर फक्र करे, कुछ ऐसा करना है जिन्दगी में...